NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्षः 15 अंकः 210 लखनऊ, मंगलवार 24 मार्च 2026 मूल्यः 02 रूपये पृष्ठ- 08

पश्चिम एशिया में हालात बेहद चिंताजनक, पीएम मोदी ने कहा- भारत सतर्क, संवेदनशील और पूरी तरह तत्पर

एजेंसी।

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में पश्चिम एशिया की स्थिति को चिंताजनक बताते हुए कहा कि इस युद्ध ने भारत के सामने आर्थिक, राष्ट्रीय सुरक्षा और मानवीय चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। उन्होंने कच्चे तेल की आपूर्ति, व्यापार मार्गों और खाड़ी देशों में रह रहे 1 करोड़ भारतीयों की सुरक्षा पर पड़ने वाले विपरीत असर को लेकर सरकार की तत्परता पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा में पश्चिम एशिया युद्ध पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में स्थिति चिंताजनक बनी हुई है और आगे तनाव बढ़ने से रोकने के लिए संयम और राजनयिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस समय पश्चिमी एशिया की हालत चिंताजनक है। बीते 2–3 हफ्तों में जयशंकर जी ने और हरदीप पुरी जी ने इस विषय पर संसद को जरूरी जानकारी दी है। अब इस संकट को 3 सप्ताह से ज्यादा हो रहा है। इसका पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था पर, लोगों के जीवन पर बहुत ही विपरित असर हो रहा है। इसलिए पूरी दुनिया इस संकट के जल्द से जल्द समाधान के लिए सभी पक्षों से आग्रह भी कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा में कहा ने कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध ने भारत के समक्ष अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। उन्होंने कहा कि भारत के सामने भी इस युद्ध ने अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। ये चुनौतियां आर्थिक भी हैं, राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी भी है और मानवीय भी हैं। युद्धरत और युद्ध से प्रभावित देशों के साथ भारत के व्यापक व्यापारिक रिश्ते हैं। जिस क्षेत्र में ये युद्ध हो रहा है, वह दुनिया के दूसरे देशों के साथ हमारे व्यापार का भी एक महत्वपूर्ण रास्ता है। विशेष रूप से कच्चे तेल और गैस की हमारी जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा यही क्षेत्र पूरा करता है।नरेंद्र मोदी ने कहा कि संसद से एक एकजुट आवाज पूरी दुनिया तक पहुंचनी चाहिए। उन्होंने संघर्ष के शीघ्र समाधान की आवश्यकता पर जोर देते हुए चेतावनी दी कि युद्ध का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। मोदी ने कहा कि मध्य पूर्व में चल रहा संघर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल और गैस का एक बड़ा हिस्सा मध्य पूर्व से आता है, इसलिए युद्ध को लेकर भारत की चिंता स्वाभाविक है। उन्होंने आगे कहा कि संघर्ष शुरू होने के बाद से प्रभावित क्षेत्रों में मौजूद प्रत्येक भारतीय को हर संभव सहायता प्रदान की गई है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि खाड़ी देशों में जारी संघर्ष के बीच भारत अपने नागरिकों की सहायता के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीयों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि अब तक तीन लाख से अधिक भारतीय प्रभावित देशों से लौट चुके हैं, जिनमें ईरान से निकाले गए 1,000 से अधिक लोग शामिल हैं। भारत के युद्धग्रस्त और संघर्ष से प्रभावित देशों के साथ व्यापक व्यापारिक संबंध हैं। जिस क्षेत्र में संघर्ष चल रहा है, वह विश्व के अन्य देशों के साथ हमारे व्यापार का एक महत्वपूर्ण मार्ग भी है, विशेष रूप से हमारी कच्चे तेल और गैस की जरूरतों के एक बड़े हिस्से के लिए। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र हमारे लिए एक अन्य कारण से भी महत्वपूर्ण है। लगभग 1 करोड़ भारतीय खाड़ी देशों में रहते और काम करते हैं। वहां वाणिज्यिक जहाज चलते हैं। भारतीय चालक दल के सदस्यों की संख्या भी बहुत अधिक है। इन विभिन्न कारणों से, भारत की चिंताएं स्वाभाविक रूप से अधिक हैं। इसलिए, यह आवश्यक है कि संसद से इस संकट के संबंध में एक एकीकृत आवाज और आम सहमति विश्व तक पहुंचे। मोदी ने कहा कि कच्चा तेल, गैस और उर्वरक होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते भारत पहुंचते हैं, जहां जहाजों की आवाजाही लगातार मुश्किल होती जा रही है।

यूपी में मीशन 2027 का काउनडाउन शुरू! योगी कैबिनेट में हो सकता है बड़ा बदलाव

संवाददाता।

लखनऊ। 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले, योगी आदित्यनाथ सरकार एक बड़े मंत्रिमंडल विस्तार की तैयारी कर रही है, जिसका उद्देश्य शासन में सुधार और जातीय–क्षेत्रीय समीकरणों को साधना है। इस फेरबदल में एक दर्जन से अधिक मंत्रियों को हटाया जा सकता है और लगभग 15 नए चेहरों को मौका मिल सकता है, जो भाजपा की राजनीतिक रणनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार में जल्द ही दूसरा मंत्रिमंडल विस्तार हो सकता है। भाजपा 2027 के विधानसभा चुनावों और आगामी स्थानीय निकाय चुनावों से पहले अपनी राजनीतिक रणनीति को नया रूप देने की कोशिश कर रही है। पार्टी नेता शासन व्यवस्था और चुनावी पहुंच दोनों को बेहतर बनाने के लिए इन बदलावों पर विचार कर रहे हैं। यह फेरबदल महत्वपूर्ण हो सकता है। एक दर्जन से अधिक मंत्रियों को हटाया जा सकता है, जबकि विधायकों और पार्टी नेताओं सहित लगभग 15 नए चेहरों को शामिल किया जा सकता है। इसका उद्देश्य जाति और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व में बेहतर संतुलन स्थापित करना है। बताया जा रहा है कि ये विचार गुजरात मॉडल से प्रेरित हैं, जहां चुनावों से पहले मंत्रिमंडल में बड़ा फेरबदल किया गया था।वर्तमान में, उत्तर प्रदेश सरकार में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक सहित 54 मंत्री हैं। इनमें 21 मंत्रिमंडल मंत्री, स्वतंत्र प्रभार वाले 14 राज्य मंत्री और 19 अन्य राज्य मंत्री शामिल हैं। संविधान के अनुसार अधिकतम 60 मंत्रियों की नियुक्ति की जा सकती है, जिससे छह और मंत्रियों की नियुक्ति की गुंजाइश रहती है। पिछला मंत्रिमंडल विस्तार 5 मार्च, 2024 को लोकसभा चुनाव से पहले हुआ था। उस समय ओम प्रकाश राजभर, आरएलडी के अनिल कुमार, सुनील शर्मा और दारा सिंह चौहान जैसे नेताओं को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया था।भाजपा के भीतर हाल ही में हुए संगठनात्मक परिवर्तनों ने इस चर्चा को और गति दी है। पंकज चौधरी दिसंबर 2025 में राज्य भाजपा अध्यक्ष बने, जबकि नितिन नवीन ने एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय भूमिका संभाली है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि इन घटनाक्रमों ने मंत्रिमंडल परिवर्तन और व्यापक संगठनात्मक फेरबदल दोनों पर चर्चा को तेज कर दिया है। भाजपा और आरएसएस के भीतर, फेरबदल की व्यापकता को लेकर अलग–अलग विचार हैं। एक वर्ग व्यापक फेरबदल के पक्ष में है, जिसमें मौजूदा मंत्रियों में से आधे को बदलने का सुझाव दिया गया है। इसका उद्देश्य मौजूदा मंत्रियों को जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए भेजना है, जबकि नए चेहरों को शासन की भूमिकाएं सौंपी जाएंगी। हालांकि, पार्टी के भीतर एक अन्य समूह चुनाव से ठीक पहले इतने बड़े पैमाने पर बदलाव करने को लेकर सतर्क है। इस दृष्टिकोण के अनुसार सीमित फेरबदल होना चाहिए, जिसमें मंत्री अपने पदों पर बने रह सकते हैं लेकिन उन्हें नए विभाग दिए जा सकते हैं। यह चिंता भी जताई जा रही है कि मंत्रियों को हटाने से असंतोष या दल–बदल भी हो सकता है।

2026 एनडीए का सीट फार्मूला फाइनल, बीजेपी को 27 और पीएमके को 18 सीटें मिलीं

एजेंसी।

दिल्ली। तमिलनाडु चुनाव 2026 के लिए एनडीए गठबंधन में सीट बंटवारे पर सहमति बन गई है, जिसके तहत भाजपा 27 और पीएमके 18 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। एआईएडीएमके के नेतृत्व वाले इस समझौते में एएमएमके को भी 11 सीटें आवंटित की गई हैं, जो राज्य में एक मजबूत चुनावी समीकरण का संकेत देता है।राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने सोमवार को तमिलनाडु विधानसभा के 234 सदस्यीय चुनावों के लिए सीटों के बंटवारे पर समझौता कर लिया। यह समझौता अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (एआईएडीएमके) के महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनाव प्रभारी केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल की उपस्थिति में संपन्न हुआ। चेन्नई स्थित एआईएडीएमके मुख्यालय में समझौते पर हस्ताक्षर के दौरान भाजपा की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख नैनार नागेंद्रन, पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के अध्यक्ष अंबुमणि रामदास और अम्मा मक्कल मुन्नेत्र कजगम (एएमएमएक) के महासचिव टीटीवी दिनाकरन जैसे अन्य एनडीए नेता भी उपस्थित थे।समझौते के अनुसार, भाजपा को 27 सीटें आवंटित की गई हैं, जो 2021 के तमिलनाडु चुनावों में मिली सीटों से सात अधिक हैं। वहीं, पीएमके और एएमएमके को क्रमशः 18 और 11 सीटें दी गई हैं। पिछले चुनावों में एआईएडीएमके ने 179 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिनमें से 66 सीटें जीती थीं। इसके बावजूद, पार्टी इतनी ही सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए दृढ़ संकल्पित थी। पिछले सप्ताह एआईएडीएमके के एक वरिष्ठ नेता ने बताया था कि पार्टी तटीय राज्य में अपने दम पर स्पष्ट बहुमत हासिल करना चाहती है और इसीलिए वह अधिक से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए उत्सुक थी।वहीं, मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन द्वारा बार–बार ''दिल्ली'' को लेकर की जा रही टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए, तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने दावा किया कि भाजपा के बढ़ते प्रभाव को लेकर द्रमुक नेतृत्व 'डर से कांप रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि मुख्यमंत्री 'दिल्ली' से इतना क्यों डरते हैं। चाहे हम अपनी बैठकें बेंगलुरु में करें या दिल्ली में, द्रमुक पार्टी घबराहट की स्थिति में नजर आती है। राज्य में केंद्र सरकार के योगदान का बचाव करते हुए, भाजपा नेता ने इस बात पर प्रकाश डाला कि मोदी सरकार ने पिछले एक दशक में तमिलनाडु को लगभग 14 लाख करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। उन्होंने केंद्र सरकार की राज्य के विकास के प्रति प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में 350 करोड़ रुपये की लागत वाले थूथुकुडी हवाई अड्डे के विस्तार और 650 करोड़ रुपये की त्रिची हवाई अड्डे परियोजना सहित प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं का हवाला दिया।

पीएम मोदी के बयान में कुछ नया नहीं, प्रियांका गांधी ने पश्चिम एशिया पर सांसद में मांगी चर्चा

प्रधानमंत्री मोदी के पश्चिम एशिया पर दिए गए बयान को कांग्रेस ने खोखला और सतही बताया है, प्रियंका गांधी ने कहा कि सरकार को इस मामले पर संसद में बहस करानी चाहिए ताकि विपक्ष भी अपनी बात रख सके। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में पश्चिम एशिया की स्थिति पर अपने बयान में कुछ भी नया नहीं कहा और उन्होंने संसद में इस मामले पर चर्चा की मांग की ताकि सभी पक्ष अपने विचार रख सकें। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि उन्होंने देश को स्थिति से अवगत कराया है। संसद में इस मुद्दे पर चर्चा होनी चाहिए। कांग्रेस सांसद प्रणिति शिंदे ने कहा कि यह बहुत खोखला और सतही बयान था। हमने पश्चिम एशिया संकट पर चर्चा के लिए नोटिस दिया था...सत्ताधारी पार्टी जमीनी हकीकत से पूरी तरह कटी हुई है। उन्होंने कहा था कि बिजली की कमी नहीं होगी, लेकिन अभी महाराष्ट्र में बिजली की भारी कमी है और किसान बिजली के लिए गुहार लगा रहे हैं... उन्होंने सरकार की तैयारियों के बारे में कुछ नहीं कहा। प्रधानमंत्री ने अपने बयान में कहा कि संघर्ष के समय में भारतीयों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है और केंद्र सरकार संवेदनशील, सतर्क और हर संभव सहायता देने के लिए तत्पर है। उन्होंने स्थिति को चिंताजनक बताते हुए कहा कि इसका वैश्विक अर्थव्यवस्था और लोगों की आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। प्रधानमंत्री की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर, प्रियंका गांधी ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि उन्होंने देश को स्थिति से अवगत कराया, कोई नई बात नहीं कही।

राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर - द्वितीय दिवस प्रतिवेदन

विजडम इंडिया संवाददाता।

शिविर स्थल – प्राथमिक विद्यालय, पोवा

आयोजक – बाबू गुलाब सिंह महाविद्यालय

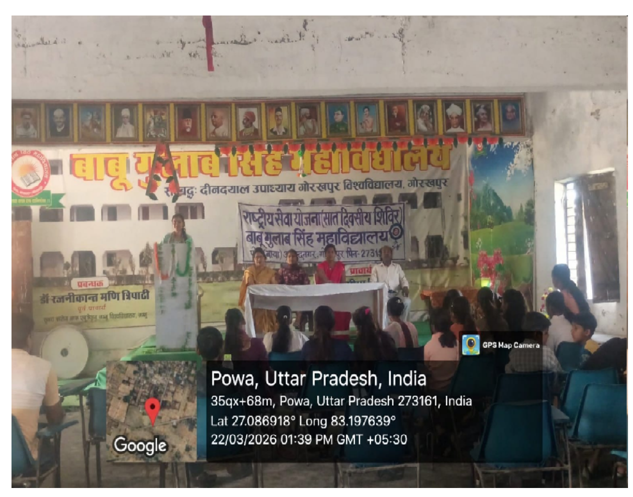

राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर का द्वितीय दिवस दिनांक 23ध03ध2026 को प्राथमिक विद्यालय, पोवा में अत्यंत उत्साह एवं अनुशासन के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकगण, कर्मचारीगण, कार्यक्रम अधिकारी, स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएँ उपस्थित रहे। द्वितीय दिवस भी प्रातःकालीन एवं रात्रिकालीन दोनों सत्रों में संचालित किया गया।

द्वितीय दिवस के कार्यक्रम का शुभारंभ लक्ष्य गीत के साथ किया गया। लक्ष्य गीत के माध्यम से स्वयंसेवकों में सेवा, समर्पण एवं अनुशासन की भावना का संचार हुआ।

विशेष शिविर के द्वितीय दिवस की थीम "महिला सशक्तिकरण" रही। इसी विषय को केंद्र में रखते हुए महिलाओं के अधिकार, शिक्षा, आत्मनिर्भरता, सम्मान, सुरक्षा एवं सामाजिक समानता के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

प्रातःकालीन सत्र में "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं ने बालिका शिक्षा, महिला सम्मान एवं कन्या सुरक्षा से संबंधित संदेशों को चित्रों एवं नारों के माध्यम से प्रस्तुत किया। इसके उपरांत मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने रचनात्मकता, सौंदर्यबोध एवं सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

रात्रिकालीन सत्र में "महिला शिक्षा का महत्व" विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। स्वयंसेविकाओं एवं स्वयंसेवकों ने महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता, शिक्षा एवं सामाजिक समानता पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इसके साथ ही निबंध प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसका विषय था दृ "नारी शक्ति रू समाज की आधारशिला"।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. गौरी पाण्डेय जी उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि "महिला सशक्तिकरण केवल महिलाओं के उत्थान का विषय नहीं, बल्कि पूरे समाज के विकास की आधारशिला है। जब नारी शिक्षित, जागरूक और आत्मनिर्भर होती है, तब परिवार, समाज और राष्ट्र प्रगति की ओर अग्रसर होते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से विद्यार्थियों को महिला सम्मान एवं समानता के संदेश को जन–जन तक पहुँचाना चाहिए।"

इस विशेष शिविर की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रियंका सिंह जी ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा अंत में आभार ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए मुख्य अतिथि, शिक्षकगण, कर्मचारीगण, ग्रामवासियों, स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि "महिला सशक्तिकरण समाज की प्रगति का आधार है, और हम सभी का दायित्व है कि महिलाओं के सम्मान, शिक्षा एवं सुरक्षा के लिए सदैव जागरूक रहें।"

इस प्रकार राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर का द्वितीय दिवस अत्यंत सफल, प्रेरणादायक एवं जागरूकतापरक रहा। अतः "महिला सशक्तिकरण" थीम पर आधारित यह द्वितीय दिवस का शिविर स्वयंसेवकों में संवेदनशीलता, समानता, जागरूकता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व को सुदृढ़ करने वाला एक सफल आयोजन सिद्ध हुआ।

कैबिनेट के अहम फैसले औद्योगिक निवेश, ऊर्जा, सड़क, शहरी विकास और किसानों के हित में कई बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी

लखनऊ(आरएनएस)। प्रदेश की मंत्रिपरिषद ने राज्य में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने, आधारभूत संरचना को सुदृढ़ बनाने, ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने, शहरी विकास को गति देने तथा किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए अनेक महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की है। इन निर्णयों से प्रदेश में निवेश के नए अवसर सृजित होने, रोजगार के साधनों में वृद्धि होने तथा नागरिक सुविधाओं के विस्तार को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई गई है।मंत्रिपरिषद ने प्रदेश में आधुनिक औद्योगिक ढांचा विकसित करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश निजी बिजनेस पार्क विकास योजना–2025 को स्वीकृति प्रदान की है। इस योजना के अंतर्गत प्रदेश में प्लग–एंड–प्ले सुविधाओं से युक्त अत्याधुनिक बिजनेस पार्क विकसित किए जाएंगे, जहां वैश्विक कंपनियों के कार्यालय, अनुसंधान एवं विकास केंद्र तथा वैश्विक क्षमता केंद्र स्थापित किए जा सकेंगे। इस योजना से प्रदेश में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के विकास को नई गति प्राप्त होगी।इसी क्रम में अटल इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के अंतर्गत गंगा एक्सप्रेसवे के समीप जनपद सम्भल में इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एवं लॉजिस्टिक्स क्लस्टर के विकास कार्यों को भी मंजूरी दी गई है। इस परियोजना के लिए 24542.56 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है, जिसके माध्यम से सड़क, जलापूर्ति, विद्युत आपूर्ति तथा अन्य आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। इससे औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ–साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे।राजधानी लखनऊ में वृन्दावन योजना सेक्टर–15 में प्रस्तावित इंटरनेशनल एग्जीबिशन–सह–कन्वेंशन सेंटर की पुनरीक्षित लागत 1435.25 करोड़ रुपये को भी मंत्रिपरिषद ने स्वीकृति प्रदान की है। इस कन्वेंशन सेंटर में लगभग 10 हजार व्यक्तियों की क्षमता का कन्वेंशन हॉल तथा 2500 व्यक्तियों की क्षमता का आधुनिक ऑडिटोरियम विकसित किया जाएगा। इसके निर्माण से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजन लखनऊ में संभव हो सकेंगे, जिससे पर्यटन और व्यावसायिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।प्रदेश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण और पर्यटन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से लखनऊ स्थित ऐतिहासिक भवन रोशन–उद–दौला तथा छतर मंजिल को सार्वजनिक–निजी सहभागिता मॉडल के माध्यम से हेरिटेज पर्यटन इकाइयों के रूप में विकसित किए जाने का निर्णय लिया गया है। इन भवनों की भूमि पर्यटन विभाग को हस्तांतरित किए जाने से इन स्थलों का संरक्षण और उपयोग बेहतर ढंग से किया जा सकेगा।कृषि क्षेत्र में किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए रबी विपणन वर्ष 2026–27 के लिए गेहूं खरीद नीति को भी मंजूरी प्रदान की गई है। इसके अंतर्गत 2585 रुपये प्रति क्विंटल के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीद 25 मार्च 2026 से 15 जून 2026 तक की जाएगी। किसानों को गेहूं खरीद का भुगतान अधिकतम 48 घंटे के भीतर सीधे उनके बैंक खातों में किए जाने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, जिससे किसानों को समय पर भुगतान प्राप्त हो सके।ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नेयवेली उत्तर प्रदेश पावर लिमिटेड को आवंटित पछवारा साउथ कोल ब्लॉक के विकास के लिए 2242.90 करोड़ रुपये की लागत को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना से प्रदेश में सस्ती और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होने की संभावना है, जिससे औद्योगिक और घरेलू उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा।हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गोरखपुर को सोलर सिटी के रूप में विकसित करने के लिए चिलुआताल में 20 मेगावाट क्षमता का फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट स्थापित करने का निर्णय भी लिया गया है। इस परियोजना से प्रतिवर्ष लगभग 33.29 मिलियन यूनिट स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन होने की संभावना है, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि होगी।जल संरक्षण और संसाधनों के बेहतर उपयोग को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश सेफ रि–यूज ट्रीटेड वाटर नीति–2026 को लागू करने का निर्णय लिया गया है। इस नीति के माध्यम से शोधित जल का पुनः उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे भूजल पर निर्भरता कम होगी और जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।परिवहन एवं आधारभूत संरचना को मजबूत करने के लिए भी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इनमें लखनऊ–हरदोई मार्ग पर दुबग्गा चौराहे पर लगभग 1811.72 मीटर लंबे फ्लाईओवर का निर्माण, सिद्धार्थनगर में बर्डपुर–पिपरहवा मार्ग का चार लेन में चौड़ीकरण, बलरामपुर में रेलवे उपरिगामी सेतु का निर्माण तथा लखीमपुर खीरी में शारदा नदी पर सेतु निर्माण जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं से यातायात सुगम होगा तथा क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी।शहरी विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से नवयुग पालिका योजना को भी मंजूरी दी गई है। इस योजना के अंतर्गत प्रदेश के 58 जिला मुख्यालयों के नगरीय निकायों में आगामी पांच वर्षों के दौरान कुल 2916 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्य कराए जाएंगे। इससे नगरीय क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा और नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।इसके अतिरिक्त ग्रेटर नोएडा में 174.12 एकड़ भूमि पर मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क की स्थापना, बागपत में चीनी मिल की क्षमता वृद्धि, ललितपुर में क्रिटिकल केयर ब्लॉक निर्माण हेतु भूमि आवंटन तथा सम्भल में वंशगोपाल तीर्थ परिक्रमा मार्ग के निर्माण जैसे कई अन्य प्रस्तावों को भी मंत्रिपरिषद द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है।मंत्रिपरिषद के इन व्यापक निर्णयों से प्रदेश में औद्योगिक विकास को नई गति मिलने, निवेश का वातावरण मजबूत होने, आधारभूत संरचना का विस्तार होने तथा रोजगार के नए अवसर सृजित होने की उम्मीद जताई गई है। साथ ही इन योजनाओं के माध्यम से किसानों, उद्योगों और आम नागरिकों को सीधे लाभ पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

अमोनिया रिसाव से पूर्व मंत्री का कोल्ड स्टोरेज ढहा

डेढ़ दर्जन से अधिक लोगों के दबने की आशंका, अब तक चार के मौत की पुष्टि

रेस्क्यू जारी, 1 किमी तक फैली गैस, मैनेजर को हिरासत में लिया गया

प्रयागराज। फाफामऊ थाना क्षेत्र के चंदापुर में प्रयागराज–लखनऊ हाईवे पर स्थित सपा नेता और पूर्व मंत्री अंसार अहमद का कोल्ड स्टोरेज तेज धमाके के साथ धराशायी हो गया। अमोनिया गैस टैंक फटने के चलते यह हादसा हुआ है। मलबे में डेढ़ दर्जन से अधिक मजदूर दब गए। आनन फानन में सभी को बाहर निकाला गया। इसमें आठ मजदूरों के मौत की बात कही जा रही है। नौ की हालत नाजुक बताई जा रही है। मौके पर दमकल की कई गाड़ियों के साथ कई एंबुलेंस और आसपास के थानों की पुलिस फोर्स रेस्क्यू आपरेशन में जुट गई है। हादसे के चलते मलाक हरहर में लखनऊ हाईवे पर वाहनों का आवागमन रोक दिया गया है।

हादसे के समय डेढ़ दर्जन से अधिक मजदूर शीतगृह में मौजूद थे। तेज आवाज के साथ धमका हुआ तो आसापास के लोग भी सहम गए। मौके पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार समेत तमाम अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। मलबे में डेढ़ दर्जन से आशंका जताई जा रहा है। कई लोगों को बाहर निकालकर एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल पहुंचाया गया है। फाफामऊ समेत आसपास के कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई है। बताया जा रहा है कि मौके से निकाले गए चार मजदूरों की हालत नाजुक बनी हुई है। मौके पर एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम भी बचाव कार्य में जुट गई है। दर्जन भर से अधिक जेसीबी मलवे को हटाकर दबे हुए लोगों को खोज रही है। शाम सवा चार बजे तक तीन शव निकाले जा चुके हैं। सभी मजदूर बिहार के सहरसा जिले के बताए जा रहे हैं। तीन मृतकों की पहचान सहरसा के ज्योतिष, बिलेट चौधरी और मशिंदर के रूप में हुई है। जबकि चौथा मजदूर प्रयागराज के फाफामऊ स्थित मलाका के चंदापुर गांव का 44 वर्षीय जगदीश है। कई मजदूर झुलसे और घायल अवस्था में शहर के स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें अमरदीप सादा, बिहार का रंजीत, धर्मेंद्र आदि हैं।

समाजवादी पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री अंसार अहमद के परिवार के कई लोगों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस पूछताछ कर रही है।

प्रयागराज जंक्शन पर एटीवीएम से निकला फर्जी टिकट, विजिलेंस टीम ने मारा छापा

क्लोन या फर्जी टिकट निकालकर रेलवे के राजस्व को चूना लगाने की आशंका जताई

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे के सबसे महत्वपूर्ण केंद्र प्रयागराज जंक्शन पर सोमवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब रेलवे विजिलेंस (सतर्कता विभाग) की टीम ने टिकट बिक्री में एक बड़े फर्जीवाड़े का भंडाफोड़ करने के लिए औचक छापेमारी की। जहां से आटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम) से श्क्लोनश या फर्जी टिकट निकालकर रेलवे के राजस्व को चूना लगाने की आशंका जताई जा रही है।विजिलेंस टीम की इस कार्रवाई की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मौके पर सीनियर डीसीएम समेत वाणिज्य विभाग के तमाम बड़े अधिकारी डटे रहे। बताया जा रहा है कि टीम को सूचना मिली थी कि जंक्शन पर लगी किसी एटीवीएम मशीन के जरिए छेड़छाड़ कर टिकट निकाले जा रहे हैं। जांच के दौरान टीम के हाथ एक ऐसा टिकट लगा है, जिसे श्नकलीश बताया जा रहा है। इस टिकट के डेटा और सुरक्षा मानकों में चालाकी से बदलाव किए गए हैं।सूत्रों के अनुसार, पकड़े गए टिकट में डिजिटल हेराफेरी के पुख्ता संकेत मिले हैं। विजिलेंस अधिकारी फिलहाल इस बात की गहराई से पड़ताल कर रहे हैं कि क्या सिस्टम को हैक किया गया है या फिर इसमें किसी विभागीय कर्मचारी या निजी वेंडर की मिलीभगत है। विजिलेंस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम साक्ष्य जुटा रहे हैं। तकनीकी पहलुओं की जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि यह खेल कितने समय से चल रहा था।उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि विजिलेंस टीम जंक्शन पर जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। जांच में तथ्य सामने आने के बाद ही स्थिति साफ होगी। अगर कोई दोषी पाया जाता है, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

डा. लोहिया मौलिक समाजवादी चिंतक थे- डा. मानसिंह

लोहिया की जयंती पर सपा जनों ने गोष्ठी कर उनके विचारों पर चलने का लिया संकल्प

प्रयागराज। डॉ राम मनोहर लोहिया एक मौलिक समाजवादी चिंतक थे। जिनकी विचारधारा का मूल केंद्र था कि सम्मान, संपत्ति, सामाजिक न्याय मे सबको बराबरी का हक मिले। वर्तमान मे लोकतान्त्रिक मूल्यों को बचाने और संविधान की रक्षा के लिए समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के नेतृत्व मे पूरी पार्टी के लोग कृत संकल्प हैं। उक्त बातें समाजवादी पार्टी के एमएलसी डॉ मानसिंह यादव ने आज लोहिया जयंती के अवसर पर पार्टी कार्यालय मे आयोजित गोष्ठी मे कहीं।

उन्होंने कहा कि आज हर युवा को उनके विचारों को जानने के लिए साहित्य का अध्ययन करना चाहिए। सपा महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन ने कहा कि डॉ लोहिया ने हमेशा ही सांप्रदायिक राजनीति को देश की एकता, अखंडता और आपसी भाईचारे के खिलाफ बताया। जिलाध्यक्ष गंगापार अनिल यादव, यमुनापार अध्यक्ष पप्पूलाल निषाद ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

प्रवक्ता दान बहादुर मधुर ने कहा कि डॉ लोहिया ने पूंजीवाद को भारत जैसे देश के लिए अहितकर बताया था. उनका मानना था कि समाजवाद के रास्ते पर चलकर ही देश की आम जनता को रोटी, कपड़ा और मकान के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए काम किया जा सकता है।गोष्ठी को अन्य लोंगो मे प्रमुख रूप से विधायक संदीप पटेल, पूर्व विधायक मुजतबा सिद्दीकी, संदीप यादव, रविन्द्र यादव एडवोकेट, दूध नाथ पटेल, मेजर दिनेश यादव, शिक्षक नेता शिव ओम पटेल, महेन्द्र निषाद, महबूब उस्मानी, डॉ राजेश, राम सुमेर पाल, संगम लाल मौर्य, आर एन यादव, रविन्द्र यादव, अनुराधा अम्बेडकर, पूर्व प्रमुख संदीप यादव, महेन्द्र सरोज, शशांक त्रिपाठी, मो शारिक, रमाकांत पटेल, गीता भारती, मृत्युंजय पाण्डेय, माशाहद, राम अवध पाल, संगीता पटेल, संतोष यादव, रेहान अहमद, कुलदीप यादव, नीरज पासी, राजेश सोनकर, जितेंद्र कुमार, नाटे चौधरी, देवीलाल यादव, संजू यादव, अजय सिंह पटेल, आशुतोष तिवारी, पंकज पटेल, त्रिभुवन यादव, रूप नाथ एडवोकेट आदि ने भी सम्बोधित किया।

मोबाइल लूट की घटना का खुलासा, पुलिस मुठभेड़ में घायल बदमाश गिरफ्तार

लखनऊ(आरएनएस)। थाना आशियाना क्षेत्र में महिला से मोबाइल लूट की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए मुठभेड़ के बाद एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।पुलिस के अनुसार 21 मार्च 2026 को समय 17रू44 बजे वादिनी प्रीति सिंह पत्नी देशराज सिंह निवासी भदुरुक, थाना आशियाना, लखनऊ द्वारा लिखित तहरीर दी गई। तहरीर में बताया गया कि 20 मार्च 2026 को शाम लगभग 7 से 8 बजे के बीच वह बंगला बाजार क्षेत्र स्थित एक कार शोरूम के सामने पैदल जा रही थीं और मोबाइल फोन पर बातचीत कर रही थीं। उसी दौरान पीछे से मोटरसाइकिल सवार एक अज्ञात व्यक्ति आया और उनका मोबाइल फोन छीनकर तेलीबाग चौराहे की ओर फरार हो गया।घटना के अनावरण के लिए पुलिस की दो टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीमों ने आसपास के लगभग 40 से 50 सीसीटीवी कैमरों की जांच की, जिसके आधार पर अभियुक्त अर्जुन रावत उर्फ गंगाधर पुत्र मुन्नालाल रावत निवासी किला मोहम्मदीनगर, थाना आशियाना, लखनऊ उम्र करीब 25 वर्ष की पहचान हुई। अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे।इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि घटना को अंजाम देने वाला अभियुक्त सवई की ओर से कालिन्दी की तरफ जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने सेक्टर–15 नहर रोड के पास घेराबंदी की। पुलिस को देखकर अभियुक्त भागने लगा और उसने पुलिस टीम पर तमंचे से फायर कर दिया। आत्मरक्षार्थ पुलिस टीम द्वारा भी जवाबी फायरिंग की गई, जिसमें अभियुक्त के बाएं पैर में गोली लग गई और वह घायल होकर गिर पड़ा।पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए घायल अभियुक्त को हिरासत में लेकर उपचार हेतु तत्काल पीजीआई स्थित ट्रामा सेंटर भेजा, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से घटना में लूटा गया एक अदद मोबाइल फोन, घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल पल्सर 125 सीसी बिना नंबर प्लेट, एक अवैध देशी तमंचा 315 बोर, दो जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस 315 बोर, दो खोखा कारतूस 9 एमएम तथा तलाशी के दौरान 1200 रुपये नकद बरामद किए हैं।गिरफ्तार अभियुक्त अर्जुन रावत उर्फ गंगाधर का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके विरुद्ध थाना आशियाना और आलमबाग में चोरी, लूट, अपहरण, दुष्कर्म तथा गैंगस्टर सहित कई गंभीर धाराओं में कुल छह मुकदमे पूर्व से दर्ज हैं। इसके अतिरिक्त मुठभेड़ की घटना के संबंध में भी अलग से मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

अलोप शंकरी मंदिर परिसर की दुकानों में भीषण आग लगी

लाखों का सामान जला, शार्ट सर्किट की आशंका

प्रयागराज। प्रसिद्ध सिद्धपीठ अलोपशंकरी मंदिर परिसर में देर रात एक प्रसाद की दुकान में भीषण आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि आसमान में धुएं का गुबार और चार फीट ऊंची लपटें दिखाई देने लगीं। आग की चपेट में दो दुकानें और आ गई। इस घटना से मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में अफरातफरी मच गई।आग की सूचना मिलते ही स्थानीय निवासियों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचित किया। लोगों ने सीमित संसाधनों के बावजूद बाल्टियों से पानी डालकर आग को फैलने से रोकने का प्रयास किया। दमकल विभाग और स्थानीय लोगों के अथक प्रयासों के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। गनीमत रही कि यह घटना देर रात हुई, जब दुकान में कोई मौजूद नहीं था, जिससे किसी प्रकार की जनहानि या चोट की खबर नहीं है। हालांकि, दुकान में रखा लाखों रुपये का पूजा–पाठ का सामान और फर्नीचर जलकर राख हो गया। आग लगने के सटीक कारणों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। हालांकि, प्राथमिक जांच और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शॉर्ट सर्किट को ही आग का मुख्य कारण माना जा रहा है। दुकानदार ने बताया कि कीमती स्टॉक जल जाने से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। पुलिस और अग्निशमन विभाग अब नुकसान का आकलन करने और आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच कर रहे हैं।

बलिदान दिवस पर भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने दी श्रद्धांजलि

लखनऊ(आरएनएस),उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले अमर क्रांतिकारियों भगत सिंह, शिवराम राजगुरु एवं सुखदेव थापर के बलिदान दिवस पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार इन महान क्रांतिकारियों के आदर्शों को जन–जन तक पहुंचाने और उनके सपनों का भारत बनाने के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। सरकार द्वारा युवाओं में राष्ट्रभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने, स्वतंत्रता संग्राम के नायकों के योगदान को पाठ्यक्रमों एवं विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से प्रचारित करने तथा स्मारकों एवं संग्रहालयों के विकास पर विशेष बल दिया जा रहा है।उन्होंने कहा कि 'आजादी का अमृत महोत्सव' जैसे आयोजनों के माध्यम से देशभर में स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को व्यापक रूप से जनमानस तक पहुंचाया गया है। युवाओं को प्रेरित करने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म, प्रदर्शनियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है, जिससे नई पीढ़ी इन महान क्रांतिकारियों के त्याग और बलिदान से परिचित हो सके। सरकार का उद्देश्य एक ऐसे सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण करना है, जिसकी परिकल्पना इन वीर क्रांतिकारियों ने की थी। उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए राष्ट्र निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है।इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने महान क्रांतिकारियों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें कोटि–कोटि नमन किया तथा उनके अदम्य साहस, त्याग और देशभक्ति को स्मरण किया।उन्होंने कहा कि इन वीर सपूतों का बलिदान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। उनके त्याग और समर्पण ने देशवासियों में स्वतंत्रता के प्रति नई चेतना और प्रेरणा का संचार किया।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीदों का जीवन हमें राष्ट्र सेवा, साहस और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश देता है।

ईरान को मिले अपार प्रेम के प्रति आभार- डा.आगा अब्दुल मजीद हाकिम ईलाही

दिवंगत आयतुल्ला सैय्यद अली खामेनाई की याद में सेमिनार

प्रयागराज। ईरानी कल्चरल हाऊस में आयतुल्ला सैय्यद अली खामेनाई के जनप्रतिनिधि डॉ आगा डॉ अब्दुल मजीद हाकिम ईलाही ने भारत को जहां अपना पुराना मित्र देश बताया वहीं हिन्दुस्तानी अवाम से रहबर इस्लाम व ईरानी हुकूमत को मिल रहे अपार प्रेम पर आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि आप सब की आवाज मजलूमों के लिए हौसला और जालिमों के लिए साफ पैगाम है कि दुनिया में आज भी सच और इंसाफ के साद खड़े होने वाले लोग मौजूद हैं। संत बाल योगी जी महाराज पंडित विजय कुमार शर्मा ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइली प्रधानमंत्री बेन्जामिन नेतन्याहू को वर्तमान दौर का राक्षस बताया। कहा हक और बातिल का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कर्बला में मात्र बहत्तर के खिलाफ लाखों का लश्कर होने के बाद भी हुसैनियत की जीत हुई और इस वकध्त भी हुसैनी किरदार में रचे बसे ईरानी अवाम की जीत होगी।

इस दौरान जामिया आरिफा सय्यद सरावां कौशाम्बी के मौलाना अबु सईद अहसन उल्लाह मोहम्मदी सफवी ने भी मुस्लिम देशों को घेरा।

अनीस जायसी के संचालन में हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट राकेश कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ अधिवक्ता के के राय, मौलाना तकघे हैदर नकध्वी इरानी कल्चरल हाऊस न्यू देहली, मौलाना सादिकध हुसैनी कध्मी इरानी कल्चरल हाऊस, मौलाना हसन रजा जैदी इमाम ए जुमा चक, मौलाना जव्वादुल हैदर रिजवी, मौलाना जमीर हैदर रिजवी इमाम ए जुमा कौशाम्बी, मौलाना सैय्यद मोहम्मद अली गौहर, मौलाना हसनैन बाकध्री लखनऊ, मौलाना आमिरुर रिजवी, वरिष्ठ कवि व आलोचक शायर अनवार अब्बास नकवी ने आयतुल्ला सैय्यद अली खामेनाई को सेमिनार में खेराजे अकघेदत पेश की।

भाजपा सरकार में किसान बर्बाद, आलू किसानों को नहीं मिली फसल की कीमत अखिलेश यादव

लखनऊ(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार में किसान बर्बाद हो गया है। आलू किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य नहीं मिला, जिससे उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि आगरा, फर्रुखाबाद, मैनपुरी, इटावा और एटा समेत अन्य जिलों में आलू किसानों की स्थिति बेहद खराब हो गई है। आलू की कीमत इतनी कम हो गई कि कई किसानों ने आलू की खुदाई तक नहीं कराई और ट्रैक्टरों से आलू सहित खेतों की जुताई कर दी।सोमवार को गोमतीनगर स्थित क्त. त्उ डंदवींत स्वीपं च्ंता में डॉ. राम मनोहर लोहिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार ने किसानों का आलू खरीदने का वादा किया था, लेकिन वह पूरा नहीं हुआ। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि आलू खरीद के लिए कितना धन निर्धारित किया गया था और वास्तव में कितना आलू खरीदा गया।अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि सरकार झूठे वादे करती है और निवेश के नाम पर भी केवल प्रचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार बताए कि जो समझौते हुए थे, उनमें से कितना निवेश वास्तव में जमीन पर उतरा। उन्होंने पूछा कि निवेश किस औद्योगिक नीति के तहत आया, इसके लिए कितना प्रोत्साहन दिया गया और बजट में इसके लिए कितना प्रावधान किया गया। साथ ही उन्होंने यह भी पूछा कि यदि निवेश हुआ है तो उससे कितने लोगों को रोजगार मिला।उन्होंने कहा कि सरकार के पास इन सवालों का कोई स्पष्ट जवाब नहीं है। सरकार की गलत नीतियों के कारण देश और प्रदेश की जनता लगातार परेशान हो रही है। उन्होंने कहा कि कभी नोटबंदी के दौरान लाइन लगी, कभी खाद के लिए लाइन लगानी पड़ी और अब रसोई गैस सिलेंडर के लिए लंबी कतारें लग रही हैं। चाय–पानी के ठेले, भोजनालय और चाट की दुकानें भी गैस की कमी से प्रभावित हो रही हैं।

शहीदों के 96 वें शहादत दिवस पर सभा के माध्यम से किया याद

प्रयागराज। आज देशभक्त क्रांतिकारी भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के 96 वें शहादत दिवस पर ग्राम रेही (बरूआ) में जन सभा के माध्यम से उन्हें याद किया गया। शहीदों के तस्वीरो पर माल्यार्पण के बाद उनके विचारों पर चर्चा शुरू हुई।

वक्ताओं ने अमेरिकी साम्राज्यवाद द्वारा अपने पिट्ठू को सत्ता में बैठाने के इरादे से इजरायल के साथ ईरान पर हमला करने की निंदा की और माँग उठायी कि अमरीकी साम्राज्यवाद का नाश हो। कहा कि फासीवादी का पूरा चेहरा साफ हो गया है और कारपोरेट द्वारा छोटे देशों के संसाधनों व बाजारों की लूट का असर भारत समेत दुनिया भर के देशों पर पड़ रहा है

वक्ताओं ने कृषि अर्थव्यवस्था पर सरकार के नये हमलों के रूप में कृषि आयात को हरी झंड़ी देने, अमेरिकी साम्राज्यवाद के सामने समर्पण, खेती संकट में किसान मजदूर कर्ज में फँसने का उल्लेख किया।

सभा को एआईकेएमएस के मुख्य वक्ता के धरम पाल सिंह प्रदेश अध्यक्ष व हीरालाल प्रदेश महासचिव राम कैलाश कुशवाहा जिला अध्यक्ष ने सम्बोधित किया, विनोद निषाद शैलानी, राम आसरे, राजेश पहाड़ी, सुरेंद्र पटेल आदि उपस्थित रहे। संचालन राजकुमार पथिक ने किया।

स्मार्ट मीटर को लेकर ठगी का आरोप, उपभोक्ताओं में आक्रोश

अतिरिक्त मैजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

सुलतानपुर(आरएनएस)। जनपद में स्मार्ट मीटर को लेकर उपभोक्ताओं में भारी असंतोष देखने को मिल रहा है। बिजली उपभोक्ताओं का आरोप है कि स्मार्ट मीटर के नाम पर मनमाने तरीके से बिल भेजे जा रहे हैं और समय पर बिल अपडेट भी नहीं हो रहे, जिससे लोग परेशान हैं। इन्हीं समस्याओं को लेकर नगरपालिका के पूर्व प्रत्याशी वरुण मिश्र और अधिवक्ता राघवेंद्र सिंह ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर अतिरिक्त मैजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा और मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। वरुण मिश्र ने कहा कि स्मार्ट मीटर के नाम पर जनता को ठगने का काम किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि नाम भले ही स्मार्ट मीटर हो, लेकिन इसका काम लोगों को परेशान करना है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर का बहिष्कार करें और इसे न लगवाएं।वहीं, अधिवक्ता व आरटीआई एक्टिविस्ट राघवेंद्र सिंह ने कहा कि स्मार्ट मीटर में कई खामियां हैं और उपभोक्ताओं की समस्याएं सुनने वाला कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि अधिकारी मस्त हैं और जनता त्रस्त है, लेकिन यह स्थिति ज्यादा दिन नहीं चलेगी। इस मौके पर अख्तर राइन, धर्मात्मा सिंह, हिमांशु मिश्रा, प्रभाशंकर पाण्डेय, गौरव सिंह, संतोष तिवारी और आकाश शुक्ल सहित कई लोग मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में चेतावनी दी कि यदि 15 दिनों के भीतर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो सड़कों पर उतरकर आंदोलन किया जाएगा।

वंदे मातरम की शान में, विश्व हिंदू महासंघ मैदान में

सुल्तानपुर(आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा व विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति के निर्देश पर वंदे मातरम गीत की 151 वर्षगांठ व 23 मार्च को शहीद भगत सिंह, शहीद सुखदेव व शहीद राजगुरु के 95 वीं शहादत दिवस पर विश्व हिंदू महासंघ की सुल्तानपुर इकाई ने मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को संबोधित एक ज्ञापन जिलाध्यक्ष डॉ कुंवर दिनकर प्रताप सिंह के नेतृत्व में अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद को सौंपा। जिसमें यह मांग की गई कि जिलाधिकारी कार्यालय के सामने तिकोनिया पार्क के निकट के चौराहे को वंदे मातरम चौक घोषित किया जाए जिससे आने वाली पीढ़ी को वंदे मातरम गीत से परिचित कराया जा सके और शहीदों के प्रति उनके मन में श्रद्धा भाव उत्पन्न हो सके। न.पा.प. द्वारा उक्त चौराहे को वंदे मातरम चौक घोषित होने के बाद जिला इकाई अपने जिले के शहीदों के चित्र, तिरंगा ध्वज, यातायात संकेतक भारत माता के चित्र तथा वंदे मातरम गीत की पट्टीका से उसे सजाने का पूरा प्रयास करेगा। ज्ञापन देने के लिये जिला महामंत्री सचिन पांडे, मीडिया प्रभारीप्रवक्ता रमेश महेश्वरी, प्रख्यात कथा वाचक दिनेशानंद महाराज, राकेश सिंह दद्दू, राजेश पाठक, शनी मिश्रा, सुजीत कसौधन, शुभम दुबे आदि मौजूद रहे।

हरिभजन यादव की मशीन से गन्ना खेती में बदलाव

आटो केन प्लांटर से तेज बुआई, कम लागत में किसानों को बड़ा लाभ मिला

दोस्तपुर सुल्तानपुर (आरएनएस)। क्षेत्र में गन्ना खेती अब धीरे–धीरे आधुनिक तकनीक की ओर बढ़ रही है, जिसमें मशीन मालिकों की भूमिका भी अहम होती जा रही है। गोसैसिंहपुर कनकपुर गांव में इसका जीवंत उदाहरण देखने को मिला, जहां ऑटो केन प्लांटर मशीन के जरिए गन्ने की बुआई कराई गई। यह मशीन मोतिगरपुर विकास खण्ड के भदिला गांव निवासी हरिभजन यादव द्वारा खरीदी गई है, जो क्षेत्र के किसानों को आधुनिक कृषि सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं। मशीन का संचालन उनके पुत्र मस्तराम यादव द्वारा किया जा रहा है, जो कुशल चालक के रूप में पूरी प्रक्रिया को सहजता से अंजाम देते हैं। इस तकनीक के उपयोग से किसानों को बिना अधिक निवेश के उन्नत खेती का लाभ मिल रहा है। प्रगतिशील किसान नरेन्द्र प्रताप सिंह एवं चन्द्रिका प्रसाद सिंह के खेत में इस मशीन से प्रजाति के गन्ने की बुआई की गई, जिसे देखने के लिए आसपास के किसानों में खासा उत्साह देखा गया। ऑटो केन प्लांटर मशीन की खासियत यह है कि यह एक साथ कई कार्य करती है। इसमें गन्ने की कटाई, कतारबद्ध बुआई, खाद डालना, दवा छिड़काव और पाटा लगाने का काम एक ही प्रक्रिया में पूरा हो जाता है। लगभग 3000 रुपये प्रति पक्का बीघा की लागत पर यह तकनीक समय और श्रम दोनों की बचत कर रही है।

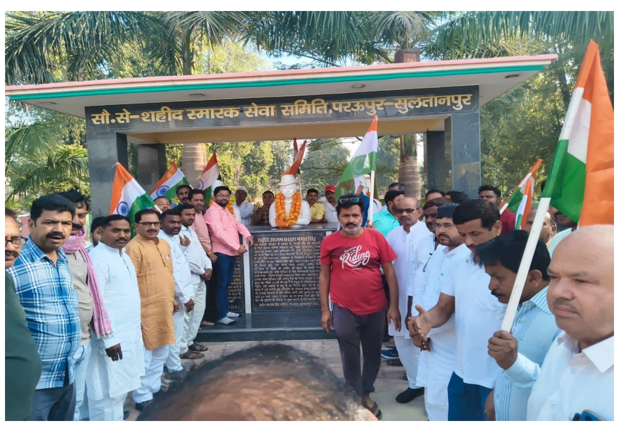

गोकशी और गैंगस्टर एक्ट का वांछित उस्मान कलेजी चढ़ा पुलिस के हत्थे, मुठभेड़ में लगी पैर में गोली

बाराबंकी अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे जीरो टॉलरेंस अभियान के तहत बाराबंकी की स्वाट और मसौली थाना पुलिस की संयुक्त टीम को बड़ी सफलता मिली है। रविवार देर रात एक पुलिस मुठभेड़ के दौरान 10 हजार रुपये के इनामी बदमाश उस्मान उर्फ कलेजी को गिरफ्तार कर लिया गया। आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा की गई जवाबी फायरिंग में बदमाश के पैर में गोली लगी है, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।पुलिस की घेराबंदी और फायरिंघटना रविवार देर रात की है, जब स्वाट और मसौली पुलिस की टीम धरौली मोड़ के पास संदिग्धों की चेकिंग कर रही थी। इसी बीच जकरिया गांव की ओर से आ रहे एक संदिग्ध को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखते ही बदमाश ने भागते हुए टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी मोर्चा संभाला और जवाबी कार्रवाई की, जिसमें बदमाश घायल होकर गिर पड़ा।10 हजार का इनामी और शातिर अपराधी पकड़ा गया अभियुक्त उस्मान उर्फ कलेजी (पुत्र मुन्ना), निवासी ग्राम बांसा, थाना मसौली का रहने वाला है। वह गोवध निवारण अधिनियम (गोकशी) और गैंगस्टर एक्ट के मामले में लंबे समय से फरार चल रहा था, जिसके कारण उस पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित था। अभियुक्त के खिलाफ जिले के विभिन्न थानों में करीब 10 गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।सफलता पाने वाली पुलिस टीम इस सफल ऑपरेशन को अंजाम देने वाली टीम में स्वाट टीम प्रभारी निरीक्षक और थाना मसौली प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में उप–निरीक्षक और मुख्य आरक्षियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम के प्रमुख सदस्यों में स्वाट टीम से मुख्य आरक्षी और मसौली थाने के जांबाज सिपाहियों ने अदम्य साहस का परिचय दिया।

पार्षद प्रतिनिधि की मंगेनू रेंज रोवर कार की शान ने बिगाडी रजनीति की धाक

-पुलिस अभियुक्तों की गिरफ्तारी तो नहीं गाड़ियों को जब्त करने मे हुई कामयाब
-जमानत पर 27 को होंगी सुनवाई जब तक पुलिस अपनी करेगी कार्यवाही
-रेंज रोवर मौन, आखिर स्वामी कौन,रेंज रोवर को रिलीज कराए कौन

(मथुरा)
सियाराम वाटिका फायरिंग कांड में फरार पार्षद पति तिलकवीर की मुश्किलें दिन प्रतिदिन बढ़ती नजर आ रही हैं। पुलिस अभियुक्तों को गिरफ्तार तो दूर उन तक पहुँचने मे भी नाकाम हैं लेकिन दिन प्रतिदिन वाहनो को जब्त कर अपनी कार्यवाही की तारीफ करा रही हैं।अब रेंज रोवर की शान मे चल रही पार्टी के दौरान हुई घटना में इस्तेमाल रेंज रोवर कार को जब्त कर लिया है, जबकि आरोपी अब भी गिरफ्त से बाहर है। वहीं पार्षद प्रतिनिधि की जमानत याचिका पर अदालत 27 मार्च को सुनवाई करेगी। 10 दिन बीतने के बाद भी पुलिस घटना में वांछित आरोपियों का सुराग नहीं लगा सकी है। पार्षद पति ने 16 मार्च को जमानत के लिए जिला जज की अदालत में प्रार्थना–पत्र भी दाखिल कर दिया है। अदालत प्रार्थना–पत्र पर 27 मार्च को सुनवाई करेगी।

कोतवाली के जनकपुरी कॉलोनी के सियाराम वाटिका में 12 मार्च की रात 12 बजे शादी में शराब को लेकर दो पक्षों में झगड़ा हुआ था। दोनों ओर से लात–घूंसे चले। पुलिस के सामने पार्षद पति ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से कई राउंड फायर कर दिए। हाथ में गोली लगने से राजस्थान के भरतपुर के गांव बंशी बागरी निवासी बबीता घायल हो गई थी। बीएसए चौकी प्रभारी पवन चौहान ने छीना–झपटी करके पार्षद पति से पिस्टल जब्त कर ली थी।

एसएसपी के आदेश पर बीएसए चौकी प्रभारी पवन चौहान ने पार्षद पति तिलकवीर समेत घायल नौ नामजद व दोनों पक्षों के 32 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। आरोपी पार्षद पति अपने साथियों के साथ फरार है। पुलिस ने पार्षद पति की पिस्टल, रिवॉल्वर व रायफल के लाइसेंस निरस्त करने की संस्तुति की है। लेकिन अब तक निरस्तीकरण की कार्रवाई नहीं हो सकी है। साथ ही उसके घर में खड़ी दो गाड़ियों को खिंचवाकर थाने में खड़ा करा दिया। इसके बाद घायल महिला ने थाने में पहुंचकर आरोपी के खिलाफ बयान भी दर्ज कराए।

पुलिस का दावा है कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है, लेकिन फिर भी पुलिस के हाथ खाली हैं। इधर आरोपी पार्षद पति ने 16 मार्च को जिला जज की अदालत में जमानत के लिए प्रार्थना–पत्र दाखिल किया है। अदालत ने प्रार्थना–पत्र पर सुनवाई के लिए 27 मार्च की तिथि नियत की है। वारदात के दिन आरोपी पार्षद पति अपने साथियों के साथ रेंज रोवर कार में सवार होकर घटनास्थल पर आए थे। पुलिस ने रेंज रोवर कार को जब्त कर थाने में खड़ा करा दिया है। कोतवाल विनोद बाबू मिश्रा ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश जारी है। फोन बंद होने के कारण पकड़ने में परेशानी आ रही है। जल्द ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।वहीं रेंज रोवर के पंजीकृत स्वामी रितेश अग्रवाल का कहना हैं की रेंज रोवर गाडी मेरी हैं, तिलकवीर मेरे दोस्त होने के नाते मेरी गाडी को डिलीवर कर लाए थे, लाने के दौरान देर रात्रि हो जाने पर उन्होंने अपने पास रख ली थी,सुबह मुझे लेनी थी उससे पहले ये घटना हो गई अब मे अपनी गाडी को कानून की प्रक्रिया के तहत रिलीज कराऊंगा।

लोहिया की विचारधारा समाजवाद की विचारधारा

जौनपुर(आरएनएस)। समाजवादी चिंतक, महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं समाजवादी आंदोलन के प्रणेता, समाजवाद के संस्थापक डॉ राम मनोहर लोहिया की जयंती समारोह समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय सदर चुंगी अलफस्टीनगंज जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में समारोह पूर्वक मनाई गई। अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष ने कहा कि डॉ राम मनोहर लोहिया की विचारधारा समाजवाद की विचारधारा है, समता मूलक, अनुपातिक समानता की विचारधारा आज देश ही नहीं दुनिया में प्रासंगिक है। कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन सामाजिक समानता पीडीए के अधिकारों एवं हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए समर्पित कर दिया।वह प्रखर समाजवादी रहे जिन्होंने समाजवाद और अन्याय के खिलाफ लड़ाई को मुख्यधारा में लाया।उनका उद्देश्य सामाजिक समानता, पिछड़ों, दलितों और महिलाओं के अधिकारों के लिए संघर्ष। उन्होंने श्चौखंभा राज्यश् की अवधारणा दी थी। वह दिन दूर नही जब डॉ लोहिया की विचारधारा वाली समाजवादी सरकार देश प्रदेश में बनेगी।और हम डॉ राममनोहर लोहिया जी की विचारधारा को शत प्रतिशत लागू करते हुए समता मूलक समाज की स्थापना करेंगे।यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। समारोह को पूर्व मंत्री शैलेंद्र यादव ललई, पूर्व विधायक राजनरायन बिंद, पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान, सुश्री पूनम मौर्य, ऊषा जायसवाल, प्रदेश सचिव पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ लाल मोहम्मद राईनी, रजनीश मिश्र, नंदलाल यादव, दिलीप प्रजापति, आनंद गुप्ता, अशोक यादव नायक, बी एल भारती, आदि ने संबोधित करते हुए डॉ राम मनोहर लोहिया को श्रद्धांजलि अर्पित किया। संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

अवैध निर्माण: सिस्टम की आँखों के सामने, बेआबरू हो रहे सरकारी फरमान

नगर कोतवाल को निर्माण कार्य रोकने का विनियमित प्राधिकारी का खुला आदेश,

गुण्डा एक्ट से सुशोभित मो तारिक अयूब सिद्दीकी के आगे दम तोड़ती नजर आ रही सीएम योगी की क्लीन यूपी थीम

सुल्तानपुर(आरएनएस)। शहर के मुख्य चौराहे में शुमार मेजरगंज नेशनल टॉकीज के ठीक सामने अवैध निर्माण का खेल बेखौफ जारी है। हैरानी की बात यह है कि खबर चलने के बाद कुछ समय के लिए काम रुका, लेकिन आज फिर उसी रफ्तार से निर्माण शुरू हो गया कृ मानो कानून सिर्फ दिखावे के लिए हो!अब सवाल ये उठता है कि अवैध निर्माण के खुला खेल फररूख्खाबादी के जुमले पर प्रसह किसका? नगर कोतवाल या घंटाघर चौकी इंचार्ज इन अवैध निर्माणकर्ता के किन परिस्थितियों में सरपरस्त बनें है यह तो फिलहाल विभागीय जांच का विषय बना हुआ है या फिर यूँ कहें कि इस मामले की गूंज कहीं हाकिम मैडम तक न पहुंचे इसके लिए बकायदा तमाम हथकंडे भी तैयार रखे गए हैं । सूत्रों की मानें तो मामला सिर्फ अवैध निर्माण का नहीं, बल्कि "मोटे खेल" की मजबूत नींव पर पिलर खड़ा किया है, जिसकी भूमिका शाहगंज चौकी में चांदनी रात में तय की गयी है । शायद यही वजह है कि कार्रवाई की जगह खामोशी की दीवार खड़ी होकर मौन स्वीकृति देती नजर आ रही है।'क्या नियम सिर्फ आम जनता के लिए हैं?' क्या यह निर्माण किसी अदृश्य संरक्षण में पल रहा है? कागजों पर रोक का आदेशित कानून चौराहे पर खड़ा तमाशा देख रहा है और जिम्मेदार अधिकारी मौन साधे बैठे हैं। अब देखना यह है कि प्रशासन जागेगा या फिर ये "अवैध महल" ऐसे ही खड़ा होता रहेगा... बहरहाल एसपी चारू निगम के पुलिसिंग में कहीं कोई कोर कसर दिखती नजर नहीं आ रही है, लेकिन सवाल लाजमी है कि आखिरकार मैडम सर के गुड गवर्नेंस में गुण्डा से सुशोभित अवैध निर्माणकर्ता किस लाल बहादुर के सह पर सेंध लगाता नजर आ रहा है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम व एएसपी ने सुनीं जनसमस्याएं, मौके पर ही 3 मामलों का किया गया निस्तारण

कुशीनगर, (आरएनएस)। जनपद के कप्तानगंज तहसील सभागार में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर एवं अपर पुलिस अधीक्षक ने आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण का निर्देश दिया।सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जनता की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि प्राप्त सभी प्रार्थना पत्रों का समयबद्ध, निष्पक्ष एवं नियम सम्मत निस्तारण किए जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व से संबंधित सबसे अधिक शिकायतोंधविवादों वाले गांव में राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग के अधिकारी स्वयं जाए तथा दोनों पक्षों को बुलाकर आपसी सुला समझौते से निस्तारण सुनिश्चित करें। किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब पाए जाने पर संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। अपर पुलिस अधीक्षक ने पुलिस विभाग से संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि भूमि विवाद, आपसी रंजिश, कानून–व्यवस्था एवं अन्य संवेदनशील मामलों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

संदिग्ध परिस्थितियों में मिला युवती का शव

जौनपुर (आरएनएस)। महाराजगंज थाना क्षेत्र के कोईरीपुर गांव की दलित बस्ती में सोमवार सुबह एक युवती का शव उसके घर के पास संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। मृतका की पहचान कमलेश गौतम की पुत्री ब्यूटी के रूप में हुई है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि युवती की गला दबाकर हत्या की गई है और शव को घसीटकर घर के पास फेंका गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस के साथ–साथ सुजानगंज, सिंगरामऊ और बदलापुर थानों की पुलिस फोर्स तथा क्षेत्राधिकारी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस मामले में एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं पर गहनता से जांच कर रही है। मृतका के पिता मुंबई में रहते हैं। ब्यूटी चार भाई–बहनों में सबसे बड़ी थी। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है।मां सावित्री देवी, चाची सुनीता और छोटे भाई–बहनों का रो–रोकर बुरा हाल है। मृतका के चाचा अवधेश कुमार की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। थानाध्यक्ष तरुण श्रीवास्तव ने बताया कि एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और मामले की गहन जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। गांव में इस घटना को लेकर विभिन्न तरह की चर्चाएं हो रही हैं, जबकि पुलिस साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

गौशाला संचालक पर हड्डियां बेचवाने का आरोप

जौनपुर(आरएनएस) ।नगर के पॉलिटेक्निक चौराहे निकट कृषिभवन में अस्थायी गौशाला में पशुओं की हड्डियां बेचने का आरोप लगा है। गौ सेवा संगठन के जिलाध्यक्ष पवन पांडेय के नेतृत्व में दर्जनों गौ रक्षकों ने इस मामले में प्रदर्शन करते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। जिलाध्यक्ष ने बताया कि संगठन के सदस्य प्रतिदिन गौशाला में हरा चारा वितरण करने आते हैं। उन्होंने कहा कि वे गौ माताओं को सुखी रखने का पूरा प्रयास करते हैं, लेकिन जौनपुर के अधिकारी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गौशालाओं को लेकर सक्रिय मंशा पर पानी फेर रहे हैं। पांडेय ने आरोप लगाया कि गौशाला का संचालन करने वाले व्यक्ति को पहले भी कई बार पशुओं का चोकर और चारा बेचते हुए पकड़ा गया था। उस समय उन्हें दोबारा ऐसी गलती न करने की चेतावनी देकर माफ कर दिया गया था। हालांकि, अब गौ रक्षकों ने गौशाला परिसर में बेचने के लिए हड्डियां इकट्ठा की हुई पाई हैं।गौ सेवा संगठन का आरोप है कि मृत गौवंश को भूमिगत किया जाता है, लेकिन गौशाला संचालक उन्हें खुदवाकर हड्डियां बेचते हैं। संगठन ने मांग की है कि इस कार्य में शामिल सभी लोगों को किसी भी कीमत पर बख्शा न जाए और उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

किसान पंचायत कर दिया 12 सूत्रीय ज्ञापन

जौनपुर (आरएनएस)। कलेक्ट्रेट परिसर में सोमवार को भारतीय किसान यूनियन ने किसान पंचायत का आयोजन किया। इस दौरान किसानों, गरीबों और मजदूरों की विभिन्न समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को 12 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा गया। पंचायत की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष शैलेश वर्मा ने की, जबकि संचालन जिला महासचिव विनोद कुमार मौर्य ने किया। मांगपत्र में किसानों के मनमाने बिजली बिलों को सही करने और जौनपुर जनपद में एक चीनी मिल स्थापित करने की प्रमुख मांगें शामिल थीं, जिससे किसानों को आर्थिक लाभमिल सके। इसके अतिरिक्त, आवारा पशुओं की समस्या पर रोक लगाने और गौशालाओं का उचित उपयोग सुनिश्चित करने की भी मांग की गई। किसानों की सुविधा के लिए न्याय पंचायत स्तर पर मिट्टी जांच केंद्र खोलने का प्रस्ताव भी रखा गया। किसानों की खतौनी में दर्ज त्रुटियों को जल्द सुधारने और लेखपालों द्वारा किसानों को परेशान करने पर रोक लगाने की मांग की गई। यूनियन ने हर न्याय पंचायत में कृषि विद्यालय खोलने और ग्राम की सभी सड़कों को गड्ढा मुक्त करने पर भी जोर दिया। किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड पर ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराने की मांग भी की गई। स्थानीय मुद्दों में, ग्रामसभा कटवार में मंजू विश्वकर्मा द्वारा रास्ते की समस्या पर कार्रवाई करने और रास्ते में गंदे पानी के बहाव को रोकने की बात उठाई गई, जिससे संक्रामक रोगों के फैलने की आशंका है। ब्लॉक रामनगर अंतर्गत ईदगाह मड़ियाहूं से मैनपुर तक खराब सड़क के निर्माण की मांग भी की गई। ग्राम समाज की बंजर भूमि पर भू–माफियाओं द्वारा किए जा रहे कब्जे और बिक्री पर रोक लगाने की मांग भी की गई।

सामूहिक विवाह में 20 जोडे परिणय सूत्र में बंधे

जौनपुर(आरएनएस)। वैश्य चेतना महासभा के तत्ववधान में 15वां सामूहिक विवाह समारोह, प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र प्रसाद साहू के नेतृत्व में ग्राम विकास इंटर कॉलेज,खुटहन के मैदान में का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न धर्म एवं जाति के 20 जोड़ों का परिणय सूत्र बंधन कार्य हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि अरविंद गांधी राष्ट्रीय अध्यक्ष, , बबीता साहू पूर्व आईपीएस, कार्यक्रम अध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल, अमृतलाल साहू , जिला अध्यक्ष पवन कुमार गुप्ता, ओमप्रकाश जायसवाल, ने महान विभूतियां के चित्र पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्वलन करके षुभारंभ किया। वर यात्रा का शुभारम्भ पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने किया, जिसमें सभी दूल्हे रंग–बिरंगे रथों पर सवार होकर गाजे बाजे, घोड़ा आदि के साथ धूमधाम से स्थानीय क्षेत्र का भ्रमण करते हुए कार्यक्रम स्थल तक वापस आए, तत्पश्चात परिणय सूत्र बंधन कार्यक्रम संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि ने कहा कि उप जातियों द्वारा आपस में बेटी और रोटी का संबंध कायम करने से ही जाति व्यवस्था खत्म होगी तथा वैश्य समाज उन्नति के पथ पर अग्रसर होगा। सेवानिवृत आईपीएस श्रीमती बबीता साहू ने नारी शिक्षा पर जोर दिया, पूर्व एडीएम श्री अमृतलाल साहू ने कहा कि बिना एकता के हम किसी भी लक्ष्य की ओर नहीं बढ़ सकते। डॉ डीसी गुप्ता ने समाज के वंचित वर्ग लोगों के लिए सामूहिक विवाह की महत्ता पर प्रकाश डाला।

महिलाओं को हर क्षेत्र में बढ़ चढ़ कर हिसा लेना चाहिए

जौनपुर ।(आरएनएस) रामकिसुन सिंह महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने शिविर के कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर सिद्धार्थ शंकर सिंह एवं स्वेक्षा प्रजापति के नेतृत्व में स्वच्छ भारत मिशन के तहत रैली निकाल कर ग्रामीण लोगों को स्वच्छता के महत्व को संदेश दिया ।शिविर के दूसरे शत्र में आयोजित गोष्ठी में मुख्य अतिथि वी.ब.सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय शिक्षा संकाय के डीन और रोवर्स रेंजर्स जिला कमिश्नर प्रोफेसर अजय कुमार दूबे ने कहा कि विद्यार्थियों में कौशल विकास , नेतृत्व और लोकतांत्रिक दृष्टिकोण उत्पन्न करना ही राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए डॉक्टर वंदना सरकार ने महिला सशक्तिकरण विषय पर प्रकाश डाला। और कहा कि महिलाओं अपनी क्षमता पहचानना चाहिए और हर क्षेत्र में बढ़ चढ़ हिस्सा लेना चाहिए। अध्यक्षता गौरव सिंह और संचालन संध्या यादव ने किया। इस मौके पर शेष कुमार यादव, आनंद दुबे, गौतम, स्वधा पाण्डेय, रेनू यादव,आंशिक यादव,शालिनी विश्वकर्मा,प्रिया कुमारी,करीना यादव,रोली, अंकित पाल,,ऋषभ,सौरभ, इत्यादि लोग उपस्थिति रहे।

नवरात्र और योगी के नौ साल

भारत में जब महापराक्रमी राजा विक्रमादित्य का चलाया गया वर्ष 2083 प्रारम्भ होने वाला था, तभी एक दिन पहले उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ ने अपनी सरकार के नौ वर्ष पूर्ण किये। नव संवत्सर वासंतिक नवरात्र से प्रारम्भ होते हैं इसलिए योगी सरकार के नौ वर्ष भी कठिन साधना के प्रतीक माने जाते हैं। योगी आदित्यनाथ ने 18 मार्च 2017 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का पद संभाला था। इसके बाद 19 मार्च को नौ वर्ष पूरे होने पर धर्म और कर्म का अनूठा समन्वय दिखाई दे रहा है। आज देश भर में सबसे ज्यादा हवाई अड्डे उत्तर प्रदेश में हैं। आगामी 28 मार्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जेवर एयर पोर्ट का उद्घाटन करेंगे। प्रदेश में नेशनल हाईवे, एक्सप्रेस वे का जाल बिछा है। प्रदेश में उद्यमियों ने लाखों करोड़ का निवेश किया है। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में ही ब्रह्मोस जैसी मिसाइल बन रही है। मुख्यमंत्री योगी पिछले दिनों जापान गये थे तो तमाम निवेश के प्रस्ताव मिले। कर्म के साथ धर्म पर भी योगी सरकार ने पर्याप्त ध्यान दिया है। मर्यादा पुरुषोत्तम राम की नगरी अयोध्या विश्व के धार्मिक पर्यटन के मानचित्र पर अग्रणी मानी जाती है। लाखों की संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन पवित्र सरयू में स्नान कर राम मंदिर और हनुमान गढ़ी के दर्शन करते हैं। इसी प्रकार वाराणसी में बाबा विश्वनाथ के मंदिर में जब से कॉरिडोर बना है, श्रद्धालुओं की संख्या में बढ़ोत्तरी हो गयी। भगवान कृष्ण की जन्मस्थली और क्रीड़ा स्थली का विकास भी किया गया है और श्रद्धालुओं की संख्या वहां भी लगातार बढ़ती जा रही है। उत्तर प्रदेश में सकरात्मक परिवर्तन स्पष्ट रूप से देखे जा सकते हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मानना है कि केंद्र और राज्य सरकार प्रधानमंत्री मोदी के विजन को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वह सुनिश्चित करते हैं कि योजनाएं जमीनी स्तर पर लागू हों और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएं। यूपी में कानून व्यवस्था और दंगा–मुक्त प्रदेश बनने की तारीफ अन्य राज्यों में भी हो रही है।

सीएम योगी आदित्यनाथ की सरकार ने पिछले 9 साल में जो भी काम किए, चाहे सुरक्षा के लिए, चाहे रोजगार के लिए, चाहे वेलफेयर स्कीम जिससे वंचितों को लाभ मिला है। महिला कल्याण क्षेत्र में जो कार्य हुए, आस्था को सम्मान देने के जो कार्य हुए, इन्हीं से उत्तर प्रदेश को नई पहचान मिलनी प्रारंभ हुई। इस 9 वर्ष की अलग–अलग थीम पर नवरात्र में चर्चा परिचर्चा हो।सीएम योगी कहते हैं, इस समय रमजान ईद के साथ नवरात्र भी मनाया जा रहा है, कहीं कोई हलचल है क्या? शालीनता के साथ सारे पर्व त्योहार मनाए जा रहे हैं। यही है सुरक्षा का एहसास। पहले हर आयोग और भर्ती बोर्ड पर भ्रष्टाचार के आरोप लगते थे। पिछली सरकारों ने दंगाइयों के काल पीएसी को समाप्त कर दिया था, हमने उनकी 34 कंपनियों को पुनर्जीवित करके, पहली बार 3 महिला बटालियन की भी स्थापना की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहते हैं कि 2017 के पहले, लोग हमारी आस्था को अंधविश्वास बोलते थे, वे नोएडा नहीं जाते थे क्योंकि उनको लगता था नोएडा जाएंगे तो कुर्सी से उतर जाएंगे। जब मैं आया, मुख्यमंत्री बना, मुझे मुख्यमंत्री का दायित्व दिया गया, तो मैंने कहा भी नोएडा जाएंगे। तब लोगों ने कहा मुख्यमंत्री नोएडा जाता है तो हट जाता है। मैंने कहा भी कुर्सी बाद में जाए या आज ही चली जाए, लेकिन मुख्यमंत्री नोएडा जाएंगे। अगर उत्तर प्रदेश का भला होगा तो हम नोएडा जाएंगे और नोएडा के विकास में जो वहां पर बैरियर हैं, इन बैरियर को हटाएंगे।उत्तर प्रदेश आज इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदेश भी बना है। इन्वेस्टमेंट के लिए उत्तर प्रदेश में 2017 के पहले कोई इन्वेस्टर नहीं आता था, क्योंकि इन्वेस्टमेंट के लिए सुरक्षा चाहिए, पॉलिसी चाहिए। इन्वेस्टमेंट के लिए पॉलिसी के साथ–साथ लैंड और बैंक चाहिए। लैंड और बैंक के साथ–साथ सरकार की नीयत भी चाहिए।याद करिए 2017 तक उत्तर प्रदेश के अंदर बामुश्किल से 14 हजार से भी कम उद्योग थे और अब 31 हजार तो बड़े उद्योग लग चुके हैं। साथ ही 96 लाख एमएसएमई यूनिट, यूपी के अंदर कार्यरत हैं। एमएसएमई यूनिट में 3 करोड़ 11 लाख से ज्यादा लोग कार्य कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के अंदर 31 हजार से अधिक बड़े जो भी उद्योग लगे हैं, इन उद्योगों में भी 65 लाख से अधिक लोग कार्य कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश कृषि विकास के सबसे तेज गति के साथ आगे बढ़ने वाला राज्य है। अकेले गन्ना किसानों के बारे में जो चर्चा हो रही थी, याद करिए 2012 से लेकर के 2017 के बीच कुल 95 हजार करोड़ रुपये का गन्ना मूल्य का भुगतान हुआ। योगी सरकार ने अब तक इन नौ वर्षों में 3 लाख 16 हजार 800 करोड़ रुपये का गन्ना मूल्य का भुगतान अन्नदाता किसान को किया है।नौ एक शुभ अंक है, यह पूर्णता का परिचायक है। सरकार के 9 साल पूरे होने पर शालीनता के साथ सब पर्व मनाए जा रहे हैं, कोई डर नहीं है। यूपी में पिछली सरकार में भर्ती नहीं होती थी। अब 9 साल में करोड़ों नौकरियां मिलीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने 9 साल के शासनकाल पर कहा, 9 साल पहले उत्तर प्रदेश में किन कारणों से युवाओं में पहचान का संकट पैदा हुआ था? सबसे उपजाऊ राज्य होने के बावजूद हमारे किसान खुदकुशी क्यों कर रहे थे? बेटियों और व्यापारियों के पास कोई सिक्योरिटी नहीं थी। हमारे युवा राज्य से बाहर पलायन करने को मजबूर थे। जल जीवन मिशन के तहत, गांव के आखिरी व्यक्ति तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने की पहल की गई है। जल जीवन योजना के कामयाबी से कार्यान्वयन के लिए केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने केंद्र और राज्य सरकार के बीच समझौता ज्ञापन कार्यक्रम में भाग लिया।यह सच है कि उत्तर प्रदेश में 1,05,000 से ज्यादा राजस्व गांव हैं, जिनमें से 10 हजार से ज्यादा गांवों में पाइपलाइन के जरिए पेयजल की सुविधा उपलब्ध है। उत्तर प्रदेश में स्कीम के कार्यान्वयन के साथ, सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि सभी एजेंसियां और ठेकेदार काम पूरा होने के बाद 10 साल तक इसके रखरखाव के लिए जिम्मेदार होंगे।उत्तर प्रदेश में 85 हजार से ज्यादा ग्राम पंचायतें ऐसी थीं जहां पर पेयजल की कोई भी स्कीम नहीं थी। वहां पर हैंडपंप के माध्यम से या फिर तालाबों से या नदियों से जनता जल लेती थी। प्रदूषित जल के कारण तमाम प्रकार की बीमारियों के कारण असमय मौत की शिकायतों में काफी बढ़ोतरी हुई थी। अब सकारात्मक परिवर्तन दिखता है।

मुख्यमंत्री कहते हैं कि मैं केवल एक उदाहरण दूंगा। पूर्वी उत्तर प्रदेश में पर्याप्त जल संसाधन है लेकिन पूर्वी उत्तर प्रदेश में इन्सेफेलाइटिस से प्रतिवर्ष हजारों मौतें होती थीं। इन हजारों मौतों का परिणाम वहां पर प्रतिवर्ष जब हम लोगों ने इन सभी आंकड़ों को लेकर के एआई टूल के माध्यम से इसकी एनालिसिस की तो पता लगा कि खुले में शौच और अशुद्ध पेयजल के कारण ये मौतें हो रही हैं। आज जल जीवन मिशन के तहत जब उन गांवों में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता हुई और हर घर में शौचालय बने, जिन क्षेत्रों में 40 साल में 50 हजार से अधिक मौतें हुई थीं, आज मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि पिछले 5 साल में मौत के आंकड़ों को जीरो तक पहुंचाने में हमें सफलता मिली है। ` रोजगार भी मिला है। (हिफी)

सम्पादकीय

साख बिगाड़ने और दबाव बनाने का हिस्सा मात्र

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद एनसीईआईआरटी लाइन पर है और सरकार भी। सब सफाई दे रहे हैं और माफी मांग रहे हैं। एनसीईआरटी ने कोर्ट में माफी मांगी और किताबें वापस लेने का भरोसा दिया पर अदालत इतने पर संतुष्ट नहीं है। चीफ जस्टिस ने किताब पर रोक लगा दी है। लेकिन क्या यह सचमुच न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से जुड़ा मुद्दा है या इसके पीछे कोई और कहानी है? असल में एनसीईआरटी की आठवीं की किताब में श्करप्शन इन ज्यूडिशियरीश् का जो अध्याय शामिल किया गया था वह न्यायपालिका में किसी भी स्तर पर मौजूद भ्रष्टाचार के बारे में छात्रों को बताने का उपक्रम था ही नहीं। ऐसा लग रहा है कि वह न्यायपालिका की साख पर सवाल खड़ा करने और लोगों के बीच धारणा को प्रभावित करने का प्रयास था। ध्यान रहे एनसीईआरटी की किताबें ऐसे नहीं तैयार हो जाती हैं कि किसी ने रैंडम कुछ लिख दिया और किताब छप गई। उसकी एक लंबी प्रक्रिया है। हर विषय की दो कमेटियां हैं, जो सामग्री तैयार कराने से लेकर उसके छपने तक की प्रक्रिया पर नजर रखती हैं।आठवीं कक्षा के समाज विज्ञान की किताब में यह अध्याय है। यह सिर्फ संयोग है कि समाज विज्ञान की किताब तैयार करने वाले कैरिकुलर एरिया ग्रुप के प्रमुख आईआईटी गांधीनगर के गेस्ट प्रोफेसर मिशेल डेनिनो हैं। यह कमेटी सामाजिक विज्ञान की किताबों की सामग्री के चयन, लेखन आदि पर ध्यान रखती है। इसके बाद नेशनल सिलेबस एंड टीचिंग लर्निंग मैटेरियल्स कमेटी होती है। यह एक उच्चस्तरीय कमेटी है, जिसने किताब को अंतिम रूप दिया है। इस कमेटी के अध्यक्ष नेशनल स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन के चांसलर एमसी पंत हैं। प्रिंसटन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर मंजुल भार्गव इसके सह अध्यक्ष हैं। इनके अलावा इंफोसिस की सुधा मूर्ति और प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति के सदस्य संजीव सान्याल सहित 19 सदस्य हैं। सोचें, अगर इन सब लोगों ने सही में अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह किया है तो इसका मतलब होगा कि सबकी नजरों से किताब की सामग्री गुजरी और किसी को इसमें कुछ भी आपत्तिजनक नहीं दिखा।तभी सवाल है कि फिर सरकार ने कोर्ट में इसका बचाव क्यों नहीं किया? अगर इतने लोगों ने मिल कर किताब तैयार करने में भूमिका निभाई है तो या तो सब पर कार्रवाई हो या फिर सरकार कोर्ट में किताब का बचाव करे। एक दिलचस्प संयोग यह भी है कि प्रोफेसर मिशेल डेनिन की अध्यक्षता वाली कमेटी ने ही इतिहास की किताबों से मुगल साम्राज्य की कहानियों में कटौती की थी और उसे घटा कर बहुत छोटा कर दिया था।तभी सवाल है कि जो कमेटी देश में चल रहे सामाजिक और राजनीतिक नैरेटिव के हिसाब से किताबों की सामग्री तैयार कर रही है क्या उसने अनायास न्यायपालिका में कथित भ्रष्टाचार के मामले में आठवीं कक्षा के छात्रों को पढ़ाने का फैसला कर लिया था? किसी को इस पर यकीन नहीं हो सकता है। इस पूरे घटनाक्रम पर सोशल मीडिया में जो नैरेटिव बना है उसे बारीकी से देखें तो लग रहा है कि जिस मकसद से यह अध्याय किताब में शामिल किया गया था वह मकसद पूरा हो गया। न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की चर्चा शुरू हो गई और सर्वोच्च अदालत द्वारा इस चर्चा को रोके जाने को लेकर भी बहस छिड़ गई है। एक बड़ा समूह है, जो कह रहा है कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार है और उसकी जांच होनी चाहिए, उस पर चर्चा होनी चाहिए। वही समूह यह भी कह रहा है कि न्यायपालिका अपने मामले में तुरंत मर्माहत हो जाती है और नहीं चाहती है कि उसकी बातें लोगों के सामने आए।

सुप्रीम कोर्ट के बड़े वकील और जनहित याचिकाओं के माध्यम से लोगों की आवाज उठाने वाले प्रशांत भूषण ने भी सुप्रीम कोर्ट और कुछ वरिष्ठ वकीलों की टिप्पणियों पर आपत्ति की है। उन्होंने सोशल मीडिया में लिखा है कि 2007 में ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल ने कहा था कि लोगों की नजर में न्यायपालिका दूसरी सबसे भ्रष्टाचार वाली संस्था है। उन्होंने लिखा है कि अगर इस पर चर्चा को दबाया जाएगा तो लोगों की धारणा और मजबूत होगी। बाद में एनसीईआरटी के पूर्व निदेशक जेएस राजपूत ने भी सुप्रीम कोर्ट के रवैए पर सवाल उठाया और कहा कि अगर न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की चर्चा होती है तो उसे रोकना ठीक नहीं है। जाहिर है कि अब किताब भले प्रतिबंधित हो जाए और न्यायपालिका में भ्रष्टाचार का अध्याय हटा कर बाद में किताब जारी हो लेकिन लोगों के बीच में यह मैसेज चला गया कि सरकार ने किताब तैयार कराई, जिसमें न्यायपालिका में भ्रष्टाचार का अध्याय था और उसे न्यायपालिका ने प्रतिबंधित कर दिया। इस तरह न्यायपालिका की साख पर सवाल भी उठ गया और उसके द्वारा अपने मामले को दबा देने की प्रवृत्ति का भी पता चल गया। लोगों के बीच इस घटनाक्रम के बाद न्यायपालिका के प्रति धारणा थोड़ी और बिगड़ेगी।

इस पूरे घटनाक्रम से जस्टिस यशवंत वर्मा का मामला फिर चर्चा में आ गया है। दिल्ली हाई कोर्ट के जज रहे जस्टिस वर्मा के घर से जले हुए नोट बरामद हुए थे। यह घटना पिछले साल होली के समय की है और फिर होली आ गई। एक साल में कुछ भी नहीं हुआ है। संसद में महाभियोग का प्रस्ताव है, जिसकी जांच होनी है।

सद्भावना की सेवइयां खिलाती ईद

bसमें कोई दो राय नहीं कि हमारा देश भारत साम्प्रदायिक सौहार्द एवं आपसी सद्भावना के कारण दुनिया में एक अलग पहचान बनाये हुए है। यहां के पर्व. त्यौहारों की समृद्ध परम्परा, धर्म. समन्वय एवं एकता भी उसकी स्वतंत्र पहचान का बड़ा कारण है। इन त्योहारों में इस देश की सांस्कृतिक विविधता झलकती है। यहां बहुत–सी कौमें एवं जातियां अपने–अपने पर्व–त्योहारों तथा रीति–रिवाजों के साथ आगे बढ़ी हैं। प्रत्येक पर्व–त्यौहार के पीछे परंपरागत लोकमान्यताएं एवं कल्याणकारी संदेश निहित है। इन पर्व–त्यौहारों की श्रृंखला में मुसलमानों के प्रमुख त्यौहार ईद का विशेष महत्व है। हिन्दुओं में जो स्थान होली का है, ईसाइयों में क्रिसमस का है, वही स्थान मुसलमानों में ईद का है। यह त्योहार रमजान के महीने की त्याग, तपस्या और व्रत के उपरांत आता है। यह प्रेम और भाईचारे की भावना उत्पन्न करने वाला पर्व है। इस दिन चारों ओर खुशी और मुस्कान छाई रहती है। हर कोई ईद मनाकर स्वयं को सौभाग्यशाली समझता है। चंद्र दर्शन के बाद ईद–उल–फितर 21 मार्च मनाया जाएगा। इस्लामी कैलेंडर के नौवें महीने को रमजान का महीना कहते हैं और इस महीने में अल्लाह के सभी बंदे रोजे रखते हैं। इसके बाद दसवें महीने की शव्वाल रात पहली चाँद रात में ईद.उल.फितर

मनाया जाता है। इस रात चाँद को देखने के बाद ही ईद. उल–फितर का ऐलान किया जाता है। ईद–उल–फितर ऐसा त्यौहार है जो सभी ओर इंसानियत की बात करता है, सबको बराबर समझने और प्रेम करने की बात की राह दिखाता है। इस दिन सबको एक समान समझना चाहिए और गरीबों को खुशियाँ देनी चाहिए। कहते हैं कि रमजान के इस महीने में जो नेकी करेगा और रोजा के दौरान अपने दिल को साफ.पाक रखता है, नफरत, द्वेष एवं भेदभाव नहीं रखता, मन और कर्म को पवित्र रखता है, अल्लाह उसे खुशियां जरूर देता है। रमजान महीने में रोजे रखना हर मुसलमान के लिए एक फर्ज कहा गया है। भूखा.प्यासा रहने के कारण इंसान में किसी भी प्रकार के लालच से दूर रहने और सही रास्ते पर चलने की हिम्मत मिलती है।ईद का आगमन मनुष्य के जीवन को आनंद और उल्लास से आप्लावित कर देता है। ईद लोगों में बेपनाह खुशियां बांटती है और आपसी मोहब्बत का पैगाम देती है। ईद का मतलब है एक ऐसी खुशी जो बार–बार हमारे जीवन में आती है और उसे बांटकर बहुगुणित किया जाता है। गरीब से गरीब आदमी भी ईद को पूरे उत्साह से मनाता है। दुख और पीड़ा पीछे छूट जाती है। अमीर और गरीब का अंतर मिट चुका है। खुदा के दरबार में सब एक हैं, अल्लाह की रहमत हर एक पर बरसती है। अमीर खुले हाथों दान देते हैं। यह कुरान का निर्देश है कि ईद के दिन कोई दुखी न रहे। यदि पड़ोसी दुख में है तो उसकी मदद करो। यदि कोई असहाय है तो उसकी सहायता करो। यही धर्म है, यही मानवता है, यही ईद मनाने का अर्थ है।

मुसलमान एक वर्ष में दो ईदें मनाते हैं। पहली ईद रमजान के रोजों की समाप्ति के अगले दिन मनायी जाती है जिसे ईद–उल–फितर कहते हैं और दूसरी हजरत इब्राहिम और हजरत इस्माइल द्वारा दिए गए महान बलिदानों की स्मृति में मनायी जाती है अर्थात् इर्द–उल–अजीहा। ईद–उल–फितर अरबी भाषा का शब्द है जिसका तात्पर्य अफतारी और फितरे से है, जो हर मुसलमान पर वाजिब है। सिर्फ अच्छे वस्त्र धारण करना और अच्छे पकवानों का सेवन करना ही ईद की प्रसन्नता नहीं बल्कि इसमें यह संदेश भी निहित है कि यदि खुशी प्राप्त करना चाहते हो तो इसका केवल यही उपाय है कि खुदा को प्रसन्न कर लो। वह प्रसन्न हो गया तो फिर तुम्हारा हर दिन ईद ही ईद है।इस्लाम का बुनियादी उद्देश्य व्यक्तित्व का निर्माण है और ईद का त्यौहार इसी के लिये बना है। धार्मिकता के साथ नैतिकता और इंसानियत की शिक्षा देने का यह विशिष्ट अवसर है। इसके लिए एक महीने का प्रशिक्षण कोर्स रखा गया है जिसका नाम रमजान है। इस प्रशिक्षण काल में हर व्यक्ति अपने जीवन में उन्नत मूल्यों की स्थापना का प्रयत्न करता है। इस्लाम के अनुयायी इस कोर्स के बाद साल के बाकी 11 महीनों में इसी अनुशासन का पालन कर ईश्वर के बताये रास्ते पर चलते हुए अपनी जिंदगी सार्थक एवं सफल बनाते हैं।

ईद–उल–फितर पर चांद देखना, इसलिए जरूरी माना जाता है, क्योंकि इस्लामिक कैलेंडर पूरी तरह चंद्र (लूनर) प्रणाली पर आधारित होता है। इसमें हर नया महीना नए चांद (हिलाल) के दिखाई देने से शुरू होता है।

इस्लामी परंपरा और शरीयत के अनुसार, पैगंबर हजरत मुहम्मद ने सभी को चांद देखकर रोजा रखने और चांद को देखकर ही रोजा खत्म करने का निर्देश दिया था। इसी वजह से ईद की तारीख चांद दिखने पर ही तय की जाती है। इसके अलावा, ये रमजान के अंत का भी संकेत है। जब शव्वाल महीने का चांद दिखाई देता है, उसके बाद ये तय होता है कि रमजान खत्म हो गया. उसके अगले दिन धूमधाम से लोग ईद मनाते हैं. इस्लामी महीना 29 या 30 दिनों का होता है। ऐसे में 29वें दिन चांद दिख जाए तो अगले दिन ईद होती है और अगर 30 दिन पूरे हो जाएं तो फिर अगले दिन ईद मनाई जाती है।

रोजा वास्तव में अपने गुनाहों से मुक्त होने, उससे तौबा करने, उससे डरने और मन व हृदय को शांति एवं पवित्रता देने वाला है। रोजा रखने से उसके अंदर संयम पैदा होता है, पवित्रता का अवतरण होता है और मनोकामनाओं पर काबू पाने की शक्ति पैदा होती है। एक तरह से त्याग एवं संयम से पूर्ण जीवन की राह पर चलने की प्रेरणा प्राप्त होती है। इस लिहाज से यह रहमतों और बरकतों का महीना है। हदीस शरीफ में लिखा है कि आम दिनों के मुकाबले इस महीने 70 गुना पुण्य बढ़ा दिया जाता है और यदि कोई व्यक्ति दिल में नेक काम का इरादा करे और किसी कारण वह काम को न कर सके तब भी उसके नाम पुण्य लिख दिया जाता है। भारत में ई सिर्फ मुसलमान ही नहीं मनाते हैं बल्कि अन्य सम्प्रदाय के लोग भी गले मिलते हैं और सद्भावना की सेवइयां खाकर पुराने शिकवे–शिकायत भूल जाते हैं। ¼fgQh½

कहां गुम हो गया वो भारत

सर्वमित्रा सुरजन

मिल के होती थी कभी ईद भी दीवाली भी, अब ये हालत है कि डर डर के गले मिलते हैं। न मालूम ये पंक्तियां किसने लिखी हैं, लेकिन आज के माहौल में यह बिल्कुल सटीक बैठती हैं। हालांकि ईद के मुबारक मौके पर ऐसी पंक्तियां साझा करते हुए दुख भी हो रहा है, लेकिन हकीकत से मुंह चुरा कर हम कहां जाएंगे। त्योहार शब्द के साथ खुशी शब्द चस्पां हुआ करती थी, लेकिन बीते 12 सालों में अब त्योहार की परिभाषा और मायने भी बदले जा चुके हैं। जिन के पास धन–संपत्ति है, समाज में ताकत है, उनके लिए सारे त्योहार खुशियां लेकर आते हैं। लेकिन साधारण लोगों के लिए परेशानियां और तनाव त्योहार के सहउत्पाद (बायप्रोडक्ट) की तरह साथ चले आते हैं। उस पर भी अगर अल्पसंख्यकों के त्योहारों का वक्त आए, तो तनाव की रेखा कुछ ज्यादा गहरी और लंबी हो जाती है। बहुसंख्यक हिंदुओं को मोदी शासनकाल में यही पाठ पढ़ा दिया गया है कि अपने त्योहार की खुशी भी आप तभी सही तरीके से मनाएंगे, जब अल्पसंख्यकों को परेशान करेंगे। इसलिए होली हो या दीवाली, रामनवमी हो या हनुमान जयंती, मुसलमानों और ईसाइयों को चिढ़ाना कुछ लोगों ने अपना सच्चा धर्म बना लिया है। मंदिर में भजन–कीर्तन की जगह मस्जिदों या चर्चों के सामने ढोल बजाकर गाने–बजाने से ही भगवान सुनेंगे, ऐसा इन्हें लगता है। और जब मौका ईद या क्रिसमस का आए, तो अल्पसंख्यकों को उनकी हदों में रहकर त्योहार मनाने की चेतावनी दी जाती है, मानो ये देश उनका नहीं है।

अभी क्रिसमस पर ही देश ने देखा है कि प्रधानमंत्री मोदी तो दिल्ली में चर्च जाकर बधाई दे रहे हैं, लेकिन मोदी को आदर्श मानने वाले लोगों ने देश के कई हिस्सों में चर्च में तोड़–फोड़ की या चर्च परिसर में बैठकर हनुमानचालीसा का पाठ किया। हैरानी की बात ये है कि ऐसा करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की खबर भी पूरी नहीं आती है। दिखाने को एकाध एफआईआर दर्ज हो भी जाए, तो आगे उन्हें सजा मिली या नहीं, ये कभी पता नहीं चलता। बाकी अल्पसंख्यकों को तो बिना कसूर के भी सजा देने का काम पुलिस से पहले उन्मादी भीड़ कर ही लेती है। कभी गो मांस के शक में, कभी गोतस्करी के शक में जो भीड़ द्वारा हत्याएं की गई हैं वो इसका उदाहरण है। भीड़ तो उन्माद से संचालित हो जाती है, मगर ज्यादा दुख ये देखकर होता है कि अब अक्सर प्रशासन भी इसी तरह का उन्मादी व्यवहार दिखाने लगा है। कुछ समय पहले उत्तरप्रदेश में कुछ मुसलमानों को महज इसलिए कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ा क्योंकि वे खाली घर में नमाज पढ़ रहे थे। कई बार खुले में नमाज पढ़ने को लेकर भी मुसलमानों को चेतावनी दी जा चुकी है। जबकि पांच वक्त की नमाज के पाबंद लोग अगर घर पर या मस्जिद के पास न हुए, तो किसी खाली जगह को देखकर कुछ मिनटों की नमाज पढ़ लें तो उसमें कोई हर्ज नहीं होना चाहिए। जब एयरपोर्ट पर गरबा हो सकता है, या क्लबों में भजन हो सकते हैं, तो नमाज क्यों नहीं पढ़ी जा सकती। लेकिन धर्म को खतरा बताकर जिस तरह लोगों के दिल–दिमाग पर ताले लगा दिए गए हैं, उसके बाद किसी भी समझदारी की उम्मीद करना बेमानी हो चुका है। हाल ही में उत्तरप्रदेश के संभल में मस्जिद में नमाजियों की संख्या 20 तक सीमित करने का आदेश प्रशासन ने दिया। यहां अच्छी बात यह रही कि इस आदेश को रद्द करते हुए जिलाधिकारी और एसपी को कड़ी फटकार लगाते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि कानून–व्यवस्था बनाए रखना राज्य का कर्तव्य है, और अगर अधिकारी इसे नहीं संभाल सकते तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए या ट्रांसफर करवा लेना चाहिए। काश कि अदालतें ऐसी ही सख्ती धर्मांधता को बढ़ावा देने वाले तमाम प्रकरणों पर ले तब शायद समाज का माहौल थोड़ा सुधरे। क्योंकि समाज में नफरत किस कदर फैल चुकी है, इसके कुछ भयावह उदाहरण रमजान में ही देखने मिले। पुणे में रोजा तोड़ रहे मुस्लिम युवकों के एक समूह पर भीड़ ने हमला किया, जिसमें कम से कम पांच लोग घायल हो गए। बिहार के मधुबनी जिले में एक मुस्लिम महिला, रोशन खातून को कथित तौर पर एक स्थानीय नेता से शिकायत करने के बाद भीड़ ने खंभे से बांधकर पीटा, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। आरोप है कि उसे पानी मांगने पर पेशाब पीने के लिए मजबूर किया गया। इस खबर को सुनकर ही दिल भीतर तक दहल गया कि आखिर दूसरे धर्म से नफरत करने में क्या अब हिंदुओं को रक्तपिपासु राक्षसों में तब्दील कर दिया गया है। एक घटना पंजाब के लुधियाना से सामने आई, जहां एक निजी विश्वविद्यालय में कश्मीरी मुस्लिम छात्रों ने शिकायत की कि उन्हें सहरी के लिए बासी ठंडा खाना और इफ्तारी के लिए खजूर की जगह केला दिया गया। विरोध करने पर उन्हें कथित तौर पर धमकाया गया। वाराणसी में गंगा नदी में नाव पर इफ्तार करने के दौरान चिकन बिरयानी खाने और हड्डियां नदी में डालने की शिकायत पर पुलिस ने 14 लोगों को गिरफ्तार किया है। हालांकि इस मामले में अंजुमन इंतजामिया मसाजिद, बनारस के संयुक्त सचिव एसएम यासीन का कहना है कि कुछ जाहिल नाव पर रोजा इफ्तार कर रहे थे। इस्लाम में इसके लिए कहीं जगह नहीं है। इफ्तार एक शुद्ध धार्मिक कार्य है। यह कोई सैर या पिकनिक नहीं है। इफ्तार के बाद तुरंत मगरिब की नमाज जरूरी है। इन जाहिलों को इनके घरवालों ने क्या सिखाया है? इस्लाम को बदनाम करने का मौका दिया है। इस कृत्य की जितनी भी निंदा की जाए कम है। गंगा नदी पर इफ्तार के इस प्रकरण पर अब पुलिस जांच कर रही है और दोषियों को कानून के हिसाब से ही सजा मिलनी भी चाहिए। लेकिन इसे सांप्रदायिक उन्माद फैलाने के मौके की तरह इस्तेमाल करना गलत होगा। जिस तरह से एस एम यासीन ने इस घटना की निंदा की है, वैसा ही व्यवहार तमाम हिंदू धर्मगुरुओं से भी अपेक्षित है कि वे अपने ओहदे का इस्तेमाल धर्म की सही सीख देने में करें और धर्म की आड़ लेकर जो लोग कानून हाथ में लेते हैं और अल्पसंख्यकों को धमकाते हैं, उनकी निंदा करें। वैसे इस मामले में सबसे बड़ी अपेक्षा तो सरकार से ही है, क्योंकि देश चलाने का जिम्मा उसी पर है। मगर मोदी सरकार कम से कम इस मामले में पूरी तरह पथभ्रष्ट है। भारत में सांप्रदायिक नफरत के आंतरिक मामले हों या विदेशों की घटनाएं, सरकार बड़े सुविधाजनक तरीके से अपना पक्ष चुन रही है, जो ठीक नहीं है। अफगानिस्तान के एक नशामुक्ति वाले अस्पताल पर पाकिस्तान ने हमला किया, जिसमें कम से कम 4 सौ लोग मारे गए। इस घटना पर कुछ ही घंटों में मोदी सरकार ने प्रतिक्रिया दी और इसे अफगानिस्तान की संप्रभुता पर हमला बताया। अस्पताल पर हमले को युद्धविरोधी काम कहा और साथ ही याद दिलाया कि रमजान के पवित्र माह में यह हिंसा की गई है। लेकिन इसी मोदी सरकार को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई समेत कई लोगों की हत्या पर प्रतिक्रिया देने में कई दिन लग गए। बल्कि नरेन्द्र मोदी ने तो अब तक खामेनेई की मौत पर शोक का एक शब्द भी नहीं कहा है। ईरान पर इजरायल और अमेरिका ने रमजान के मौके पर ही युद्ध छेड़ा था, लेकिन नरेन्द्र मोदी ने उस पर भी कुछ नहीं कहा। मंगलवार को ईरान की सुरक्षा परिषद के सचिव अली लारीजानी की हत्या की गई, मोदी फिर भी चुप रहे। दूसरी तरफ उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से बात की और उन्हें ईद की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। इसके साथ ही यूएई में युद्ध में मारे गए नागरिकों के लिए शोकसंवेदना प्रकट कर हमलों को गलत बताया। हालांकि आम नागरिकों की जान ईरान में भी जा रही है और फिलीस्तीन में भी। बल्कि युद्ध पीड़ित इन देशों में ईद की सारी खुशियां बारूदी गंध की चपेट में आ चुकी हैं।

गैस पर मचा हाहाकार, पकौड़ी दुकानों पर सिलेंडर का कारोबार

जनता लाइन में बेहाल, दुकानों पर हर दो दिन में बदल रहा सिलेंडर। कुशीनगर में बड़ा खेल?।

कुशीनगर,(आरएनएस)। जनपद में इन दिनों घरेलू गैस की भारी किल्लत से आम जनता त्रस्त है। हालात यह हैं कि उपभोक्ता भोर से ही गैस एजेंसियों पर लंबी कतारों में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन घंटों मशक्कत के बाद भी खाली हाथ लौटने को मजबूर हैं।आक्रोशित लोग सरकार और व्यवस्था दोनों को कोसते नजर आ रहे हैं। पडरौना नगर से एक चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई है, जो इस संकट के पीछे चल रहे 'काले खेल' की पोल खोल रही है। बुढ़िया माई मंदिर के बगल में संचालित पकौड़ी दुकानों पर खुलेआम घरेलू गैस सिलेंडरों का धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा है। यह न केवल नियमों की खुली धज्जियां उड़ाने जैसा है, बल्कि आम जनता के हिस्से की गैस पर भी डाका डालने के समान है।हां एक तरफ आम उपभोक्ता 20–25 दिन तक बुकिंग के बाद गैस के लिए तरस रहे हैं, वहीं इन दुकानों पर गैस की सप्लाई इतनी स्मूद है कि हर दो दिन में नया सिलेंडर बदल दिया जाता है। यह व्यवस्था अपने आप में कई गंभीर सवाल खड़े करती है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब गैस एजेंसियों के पास आम लोगों को देने के लिए सिलेंडर नहीं हैं, तो फिर इन दुकानदारों को लगातार सप्लाई कौन और कैसे दे रहा है? क्या इसके पीछे कोई संगठित 'सिलेंडर सिंडिकेट' काम कर रहा है? या फिर जिम्मेदारों की मिलीभगत से यह खेल चल रहा है?नसेट–– पूरा जनपद चपेट में–– पडरौना नगर के बुढ़िया माई मंदिर के समीप स्थित पकौड़ी के दुकानो के यह कारनामे महज एक बानगी है। जिले के कसया, हाटा, तमकुहीराज और सेवरही जैसे इलाकों में होटल और दुकानों पर बेखौफ घरेलू गैस का व्यावसायिक दुरुपयोग धड़ल्ले से जारी है। यानी यह समस्या अब पूरे जिले में फैल चुकी है।इनसेट–– प्रशासन बना मूकदर्शक?–– इतने बड़े पैमाने पर हो रहे इस खेल के बावजूद प्रशासन की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है। क्या जिम्मेदार विभाग को इसकी भनक नहीं है, या फिर जानबूझकर धृतराष्ट्र बने बैठे हैं? यही वजह है कि आम उपभोक्ता यह जानना चाहता है कि उसके हिस्से की गैस आखिर जा कहां रही है? और इस पूरे खेल में कौन–कौन शामिल है? ।जानकारों का कहना है कि समय रहते प्रशासन द्वार इस 'सिलेंडर खेल' पर लगाम नहीं लगायी गयी , तो हालात और भयावह हो सकते हैं।

हाइवे, सड़क के किनारे खड़े वाहनों से डीजल चोरी करने वाले गैंग का पुलिस ने किया खुलासा, 5 शातिर चोर गिरफ्तार

कुशीनगर,(आरएनएस)। जनपद के कसया पुलिस ने हाइवे, सडक के किनारे खड़े वाहनो से डीजल चोरी करने वाले गैंग का पर्दाफाश कर पाँच शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लगभग 75 लीटर डीजल, एक अर्टिगा कार, एक अदद टैंकर सहित घटना में प्रयुक्त दो अदद लोहे की राड बरामद किया है।

एसपी मीडिया सेल से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि पुलिस अधीक्षक केशव कुमार के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में कसया पुलिस टीम द्वारा सड़क, रोड के किनारे खड़े वाहनो से डीजल चोरी करने वाले अभियुक्त नितेश उर्फ बाबूलाल पासवान पुत्र वंशु पासवान निवासी रामनगर करजहा धूसी टोला थाना खोराबार जनपद गोरखपुर, रितविक रावत पुत्र उमानन्द रावत निवासी विलन्दपुर डी0आई0जी0 बग्ला के सामने थाना कैंट जनपद गोरखपुर, शुभम यादव पुत्र गिरधारी लाल यादव निवासी नसीराबाद मारवाड़ इण्टर कालेज के पास वार्ड नं0 63 थाना कोतवाली जनपद गोरखपुर, मोनू उर्फ श्याम सूरत पासवान पुत्र रमाशंकर उर्फ शंकर पासवान निवासी राजधानी टोला धनवारपार थाना झगहा जनपद गोरखपुर व आदित्य गुप्ता उर्फ गोलू पुत्र हरेन्द्र गुप्ता निवासी कुंवर बखरा थाना गौरीबाजार जनपद देवरिया को गिरफ्तार किया। अभियुक्तों के कब्जे से चोरी किया गया 75 लीटर डीजल, घटना में प्रयुक्त दो अदद लोहे की राड, दो अदद प्लास्टिक की पाईप व पांच अदद 50 लीटर की प्लाटिक की गैलन, एक अदद अर्टिगा कार रजि0नं0 यूपी 53 एफए 1527 व एक अदद टैंकर रजि0नं0 यूपी 53 डीटी 5963 की बरामदगी की गई। पुलिसिया पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि हम लोग टैंकर से बैतालपुर डीपो से तेल ले जाकर भिन्न भिन्न पेट्रोल पम्पों पर पहुंचाते है तथा रात में सभी लोग मिलकर अपने आर्टिगा कार के नम्बर प्लेट को काले रंग के मैटेरियल व ग्रीस से अपने गाड़ी के नम्बर छुपाकर या नम्बर प्लेट बदलकर अपनी पहचान छुपाकर रोड के किनारे, हाईवे पर खड़े टैंकरो, ट्रको व अन्य वाहनों से रात्रि में पाईप के माध्यम से डीजल चोरी से निकालकर गैलन में एकत्र कर तथा टैंकर मे भरकर बेच देते है। पुलिस टीम ने गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 0177/2026 धारा 2(30), 317(2), 317(4), 317(5), 318(4), 336(3), 338, 340(2), 111(2), 61(2) बीएनएस के तहत मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेज दिया है। अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक आशुतोष सिह, उ0नि0 रुद्र प्रताप सिंह, उ0नि0 गौरव श्रीवास्तव, उ0नि0 पंकज सिंह, उ0नि0 गनेश प्रजापति, का0 उमाशंकर, का0 आलोक यादव, का0 अभिषेक राय, का0 सूरज मिश्रा, का0 ज्ञान प्रकाश चौहान शामिल रहे।

प्राथमिक शिक्षक संघ जिला कार्यकारिणी बैठक हुई संपन्न, चुनें गये पदाधिकारी

मीरजापुर। अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ मीरजापुर की जिला कार्यकारणी बैठक का आयोजन जिलाध्यक्ष डॉक्टर आकाश उपाध्याय अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिसमें धीरेंद्र प्रताप सिंह को जिला महामंत्री, नीलकंठ पांडे को जिला कोषाध्यक्ष एवं जगदंबा चौधरी को संयुक्त मंत्री दिनेश सिंह को जिला उपाध्यक्ष आदेश पाठक को जिला संगठन मंत्री राजेश चौबे को उप मंत्री नवीन उपाध्याय प्रसार मंत्री की जिम्मेदारी सौंप गई। सभी नवनियुक्त पदाधिकारीयों का माला पहनाकर हर्ष ध्वनी के साथ भव्य स्वागत किया गया एवं सभी को पद की शपथ दिलाई गई। इस दौरान नवनियुक्त उत्तर प्रदेशीय के प्राथमिक शिक्षक संघ मीरजापुर के जिला मंत्री धीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं का समाधान संगठन की प्राथमिकता है और इसके यह सभी शिक्षकों को एकजुट होकर कार्य करना होगा। उन्होंने संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षकों के हितों की रक्षा के लिए संगठन सदैव प्रयासरत है। इस मौके पर जिलाध्यक्ष डॉक्टर आकाश उपाध्याय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन सदैव शिक्षकों के मान सम्मान अधिकारों और समस्याओं के समाधान के लिए संघर्षरत रहा है। उन्होंने नवगठित कार्यकारिणी से अपेक्षा की कि वह शिक्षक हितों की रक्षा शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार और संगठन की नीतियों को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने में अग्रणी भूमिका निभाएंगी। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष जय प्रताप सिंह, जिला सूचना प्रसार मंत्री गणेश दुबे, सर्वेश श्रीवास्तव, कुलदीप शुक्ला, हेमंत सिंह, रवि यादव, विजय श्रीवास्तव, योगेश पांडे, राजधनी उपाध्याय, मनोज उपाध्याय, विपुल कुमार, अमरेश सिंह, राकेश यादव, नागेन्द्र दुबे समेत समस्त गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बेटी की बरामदगी के लिए थाने पहुंचे पिता ने दरोगा पर गाली देने का लगाया आरोप

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी किशोरी के पिता ने ड्रमंडगंज थाने के एक एसआई पर गाली गलौज देने का आरोप लगाया है। क्षेत्र के एक गांव निवासी 17 वर्षीया किशोरी को प्रयागराज जिले के युवक द्वारा शनिवार शाम को घर से भगा ले जाने पर किशोरी के पिता ने शनिवार की रात आरोपी युवक तथा गांव की एक महिला के विरुद्ध तहरीर देकर बेटी को सुरक्षित बरामद करने की गुहार लगाई। रविवार को पत्नी के साथ पहुंचे किशोरी के पिता ने थाने में मौजूद दरोगा पर गाली देने का आरोप लगाया। किशोरी के पिता ने आरोप लगाया कि पुलिस आरोपित युवक के भाई और पिता को थाने लेकर आई है। दरोगा ने उनके खाने के लिए मुझसे इंतजाम करने के लिए कहा जिसपर मैंने मना कर दिया।इसी बात से नाराज होकर दरोगा ने गाली देते हुए थाने से भाग जाने के लिए कहा। किशोरी के पिता ने बताया कि बेटी आगामी अप्रैल माह में शादी होनी है।गांव की एक महिला की मिलीभगत से प्रयागराज जिले कोरांव थाना क्षेत्र का युवक बहला फुसलाकर भगा ले गया। पिता ने बेटी को सुरक्षित बरामद करने की मांग की है। वहीं इस संबंध में ड्रमंडगंज थाने के एसआई रामविशाल ने बताया कि किशोरी के पिता द्वारा गाली गलौज देने का गलत आरोप लगाया जा रहा है।

ग्राम चौपाल के माध्यम से बालिकाओं, महिलाओं एवं ग्रामीणो को किया गया जागरूक

कुशीनगर, (आरएनएस)। प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति 5.0 द्वितीय चरण अभियान के तहत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने व महिलाओं की सुरक्षा तथा सड़क सुरक्षा नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद के समस्त थाना द्वारा चलाए जा अभियान के अन्तर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन, ग्राम चौपाल के माध्यम से महिलाओं एवं ग्रामीणो से संवाद स्थापित कर जागरूक किया गया।

पुलिस अधीक्षक केशव कुमार के निर्देशन में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित मिशन शक्ति 5.0 द्वितीय चरण अभियान के तहत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने व महिलाओं की सुरक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से जनपद के सभी थानों द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा ग्राम चौपाल लगाकर समस्याओं के त्वरित एवं विधिपूर्ण निस्तारण हेतु ग्रामीणों से संवाद कर जागरूक किया गया। इस अभियान के अंतर्गत सभी थानों की एंटीरोमियो टीमों द्वारा बाजारों, सार्वजनिक स्थलों पर जाकर बालिकाओं, महिलाओं एवं आमजन को मिशन शक्ति 5.0 द्वितीय चरण अभियान के तहत जानकारी दी गई, साथ ही महिलाओं के प्रति अपराधों की रोकथाम व उनके अधिकारों की रक्षा एवं आत्म रक्षा के उपायों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई । कार्यक्रमों के दौरान प्रतिभागियों को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, चिकित्सा सहायता 108, बाल सहायता नंबर 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा बलइमतबतपउम. हवअ.पद पोर्टल की जानकारी देकर इन सेवाओं के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया । कार्यक्रम के दौरान समस्त थानों पर नियुक्त एंटी रोमियो टीम द्वारा महिलाओं, बालिकाओं व स्कूली छात्राओं को पम्पलेट प्रदान कर जागरूक किया गया। कार्यक्रम में महिला बीट अधिकारियों एवं मिशन शक्ति टीमों ने ग्रामीण क्षेत्रों में चौपाल शैली में संवाद सत्र आयोजित कर महिलाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं, आत्मरक्षा के उपायों और हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गयी और साथ ही महिलाओं से कहा गया कि वे निडर होकर अपनी बात रखें और अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाएं ।

36 घटे के अंदर रुपया चोरी की घटना का पुलिस ने किया खुलासा, चोर गिरफ्तार, रुपया बरामद

कुशीनगर,(आरएनएस)। जनपद के पडरौना कोतवाली पुलिस ने मोटरसाइकिल की डिग्गी तोड़ कर 1 लाख 2 हजार रुपये चोरी करने के मामले का 36 घंटे के भीतर खुलासा कर चोरी के सम्पूर्ण रूपए एवं घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।एसपी मीडिया सेल से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि पुलिस अधीक्षक केशव कुमार के निर्देशन में अपराध व अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पड़रौना कोतवाली पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 156/2026 धारा 303(2) बीएनएस से सम्बन्धित चोरी हुए मो0सा0 की डिग्गी से 01 लाख 02 हजार रूपये का पुलिस टीम ने 36 घंटे के अन्दर सफल अनावरण करते हुए घटना में शामिल अभियुक्त अक्षय कुशवाहा पुत्र रामवृक्ष कुशवाहा निवासी जंगल अमवा थाना कोतवाली पडरौना जनपद कुशीनगर गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी हुए सम्पूर्ण धनराशि 01 लाख 02 हजार रूपये व घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद किया। पुलिसिया पूछताछ में अभियुक्त अक्षय कुशवाहा ने स्वीकार किया कि वह नियमित रूप से एसबीआई बैंक पडरौना क्षेत्र के आसपास लोगों पर निगरानी रखता था, विशेषकर उन व्यक्तियों पर जो बैंक में नकद राशि जमा करने या निकालने आते–जाते हैं। उसने बताया कि घटना के दिन उसने एक व्यक्ति को बड़ी धनराशि, नकद मोटरसाइकिल की डिग्गी में रखते देखा। वह व्यक्ति मोटरसाइकिल लेकर बैंक के निकट से एलआईसी कार्यालय की ओर गया और वहाँ मोटरसाइकिल खड़ी करके अंदर चला गया। अभियुक्त ने मौका देखकर पीछे–पीछे जाकर उस मोटरसाइकिल की डिग्गी को तोड़ा और उसमें रखी पूरी नकद राशि (1,02,000/– रुपये) निकाल ली। इसके बाद वह मौके से फरार हो गया। अभियुक्त ने यह भी स्वीकार किया कि यह अपराध उसने पूर्व नियोजित तरीके से अंजाम दिया था, जिसमें वह बैंक परिसर में संभावित लक्ष्यों की तलाश करता रहता था। गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर कोतवाली पुलिस ने मु0 अ0 सं0 156/2026 धारा 303(2)/317(2) बीएनएस के तहत मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेज दिया है।

भक्ति व सत्संग का मार्ग अपनाने से जीवन में संभव है परिवर्तन - ब्रह्मानंद महाराज

लालगंज, मीरजापुर। क्षेत्र के नदौली करौदी गांव में रविवार को श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ हुआ। महिलाओं ने सिर पर कलश रखकर गांव में भ्रमण किया। भजन–कीर्तन के बीच निकली यात्रा से माहौल भक्तिमय बना रहा। कथा व्यास ब्रह्मानंद महाराज ने पहले दिन धुंधकारी प्रसंग का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने बताया कि धुंधकारी अपने जीवन में विषय–विकारों, लोभ और कुसंगति में फंस गया था। गलत आचरण के कारण परिवार और समाज से उसका संबंध टूटता गया। मृत्यु के बाद उसे प्रेत योनि में कष्ट भोगना पड़ा और वह मुक्ति के लिए भटकता रहा।

महाराज ने कहा कि धुंधकारी के उद्धार के लिए उसके भाई गोकर्ण ने श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन कराया। सात दिनों तक कथा श्रवण के प्रभाव से धुंधकारी को मोक्ष प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि यह प्रसंग इस बात का प्रतीक है कि मनुष्य चाहे कितने भी पाप में क्यों न डूबा हो यदि वह भक्ति व सत्संग का मार्ग अपनाता है तो उसके जीवन में परिवर्तन संभव है। उन्होंने कहा कि भागवत कथा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि जीवन को सुधारने का माध्यम है। कथा के माध्यम से मनुष्य को अपने कर्मों का बोध होता है और वह सही दिशा की ओर अग्रसर होता है।मुख्य यजमान जुगल किशोर दुबे ने आरती की। कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।व्यवस्था में शिवसागर दुबे, मंगला, अजय, बृजेश, अभिषेक लगे रहे।

डीआईओएस दफ्तर से आउटसोर्स राज खत्म करने का फरमान, शिक्षा निदेशक सख्त

आउटसोर्सिंग कर्मचारी पर चला शासन का डंडा

कुशीनगर, (आरएनएस)। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में लंबे समय से सुलग रहा आउट सोर्सिंग तैनाती का विवाद अब निर्णायक अंजाम की ओर बढ़ता दिख रहा है। सबब यह है कि आउट सोर्सिंग कर्मचारी सर्वेश्वर तिवारी उर्फ सोनू तिवारी का मामला अब जिला और मंडल स्तर की सीमाएं लांघ कर शासन तक पहुंच गया है। नतीजतन शिक्षा निदेशक ने सख्त आदेश जारी कर सर्वेश्वर तिवारी उर्फ सोनू तिवारी को तत्काल प्रभाव से डीआईओएस कार्यालय से हटाने का फरमान जारी किया है। निदेशक के इस आदेश ने न सिर्फ डीआईओएस कार्यालय में हड़कंप मचा दिया है, बल्कि उन तमाम सवालों को भी हवा दे दी है, जो अब तक दबे हुए थे आखिर किसके संरक्षण में एक आउटसोर्स कर्मचारी नियमों को ठेंगा दिखाकर जिला स्तरीय कार्यालय में जमे रहा? ।बताते चलें कि सर्वेश्वर तिवारी उर्फ सोनू तिवारी पडरौना के राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में आउटसोर्सिंग कर्मचारी, ऑफिस ब्वाय है। लेकिन हकीकत में डीआईओएस कार्यालय में बाबूगिरी करते हुए फाइलों, गोपनीय दस्तावेजों, न्यायालय और संवेदनशील कार्यों तक पहुंच रखने के आरोपों से घिरे रहे। सवाल यह उठता रहा कि आखिर किसके संरक्षण में यह सब चल रहा है? शिक्षक संघ ने इस पूरे मामले को खुलकर नियमों की हत्या बताया और मोर्चा खोल दिया। चेतावनी दी है कि अगर अवैध तैनाती खत्म नहीं हुई तो डीआईओएस दफ्तर का घेराव और मूल्यांकन बहिष्कार कर दिया जाएगा। हालात बिगड़ते देख पहले मुख्य विकास अधिकारी वंदिता श्रीवास्तव ने 16 मार्च को तल्ख लहजे में पत्र जारी कर रिपोर्ट मांगी थी। बताया जा रहा है कि सीडीओ के आदेश को डीआईओएस कार्यालय द्वारा नजर अंदाज किया जा रहा था तब तक शिक्षा निदेशक ने सीधे कार्रवाई का आदेश देकर पूरे सिस्टम को कटघरे में खड़ा कर दिया है। निदेशक के आदेश के बाद अब यह साफ हो गया है कि मामला सिर्फ एक कर्मचारी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे की पूरी चेन जांच के घेरे में आ सकती है। सूत्र बताते है कि शिक्षा निदेशक के आदेश का पालन नहीं हुआ तो जिम्मेदार अधिकारियों पर भी कार्रवाई की तलवार लटक सकती है।

ईद पर गूंजा अमन का पैगाम, मुल्क की सलामती को उठे लाखों हाथ

सेवइयों की मिठास में घुला प्यार, ईद पर एकजुट दिखा कुशीनगर जनपद।

कुशीनगर, (आरएनएस)। रहमतों और बरकतों का त्यौहार ईद–उल–फितर जनपद में पूरे जज्बे, अकीदत और भाईचारे के साथ मनाया गया। सुबह की पहली किरण के साथ ही मस्जिदों और ईदगाहों में नमाजियों का सैलाब उमड़ पड़ा। हर ओर अल्लाहु अकबर की सदाएं गूंजती रहीं और लोगों ने हाथ उठाकर मुल्क की सलामती, तरक्की और आपसी सौहार्द के लिए दिल से दुआएं मांगीं।नमाज अदा करने के बाद गले मिलकर एक–दूसरे को ईद मुबारक कहने का सिलसिला शुरू हुआ। जिसने पूरे माहौल को मोहब्बत और अपनापन से सराबोर कर दिया। इस मौके पर समाज के हर वर्ग के लोगों ने भेदभाव भुलाकर एकता की मिसाल पेश की। ईदगाहों के बाहर और गलियों में भाईचारे की जीवंत तस्वीर देखने को मिली।

ईद को लेकर बच्चों और युवाओं में खासा उत्साह नजर आया। नये परिधान, हाथों में रंग–बिरंगी चूड़ियां और चेहरों पर मुस्कान हर तरफ खुशियों की झलक दिखाई दी। बच्चों ने ईदी पाकर खुशी जताई तो घरों में सेवइयों, शीरखुर्मा और लजीज पकवानों की महक ने त्योहार की मिठास को और बढ़ा दिया। लोगों ने एक–दूसरे के घर जाकर मुंह मीठा कराया और रिश्तों की मिठास को और गहरा किया। इस दौरान हिन्दू–मुस्लिम एकता की भी खूबसूरत तस्वीर सामने आई, जहां सभी समुदायों के लोगों ने मिलकर ईद की खुशियां साझा कीं।

प्रशासन रहा मुस्तैद–– त्यौहार को सकुशल और शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। जिले के प्रमुख ईदगाहों व मस्जिदो पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए, जिससे लोगों ने बेफिक्र होकर त्यौहार का आनंद उठाया।

नवरात्रि के चौथे दिन भक्तों से पटा विंध्य क्षेत्र, सात लाख से ज्यादा ने किया दर्शन-पूजन

मीरजापुर। नवरात्रि के चौथे दिन रविवार को भक्तों ने मां विंध्यवासिनी का कुष्मांडा स्वरूप में दर्शन पूजन–पूजन किया। इस दौरान में विंध्याचल धाम में मां विंध्यवासिनी के दरबार में भक्तों का रेला उमड़ पड़ा है। आलम यह रहा कि मां विंध्यवासिनी धाम में नवरात्र के चौथे दिन भक्तों का तांता लगा हुआ रहा है।

विन्ध्याचल मां विंध्यवासिनी धाम में शनिवार की देर रात से ही भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी रही हैं, चारो तरफ लाइनों में लगे भक्त मां के दर्शन को उमड़ पड़े, दोपहर राजश्री आरती के समय लाइन में लगे भक्तों को जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार और पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक द्वारा भक्तों को सुगम दर्शन के लिए लाइन को आगे बढ़ाया जा रहा है। एसडीएम समेत अन्य अधिकारियों द्वारा लगातार मेले का निरीक्षण किया जा रहा है। दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए जिला प्रसाधन पूरी तरह मुस्तैद है।
ईद की छुट्टी और रविवार के चलते मां के दरबार में भक्तों की भीड़ बढ़ गयी। पूरे मेला क्षेत्र को 1 सुपर जोन 10 जोन व 21 सेक्टर में बांटा गया है। जोन में जोनल मजिस्ट्रेट और सेक्टर में सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है 200सीसीटीवी एआई ड्रोन कैमरे से मेला कंट्रोल रुम में 24 घण्टे निगरानी की जा रही है। मेले में अत्यधिक पुलिस बल की तैनाती की गई है, ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था उत्पन्न न होने पाएं।

एक अप्रैल से शुरू होगा संचारी रोग नियंत्रण अभियान

चित्रकूट। विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के प्रथम चरण का आयोजन जनपद मे अप्रैल से 30 अप्रैल एवं दस्तक अभियान 10 से 30 अप्रैल तक किया जाना प्रस्तावित है। कार्यक्रम के सफल संचालन व कियान्वयन समन्वय समिति की बैठक शुक्रवार को सीडीओ डीपी पाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई।बैठक मे मुख्य विकास अधिकारी द्वारा समस्त संबंधित विभागो को शासन द्वारा प्राप्त गाइड लाइन के अनुसार समस्त गतिविधियां ससमय कराने व माइक्रोप्लान समय से उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये। नगर विकास विभाग व पंचायतीराज विभाग को उच्च लार्वा घनत्त्व वाले क्षेत्रो मे नियमित रूप से साफ सफाई, कीटनाशक दवाओ का छिडकाव व फागिंग आदि का कार्य कराने के निर्देश दिये। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा भूपेश द्विवेदी द्वारा बताया गया कि दस्तक अभियान के दौरान आशा व आंगनबाडी कार्यकत्री द्वारा घर–घर जाकर बुखार के रोगियों, क्षय रोग के लक्षण वाले व्यक्तियो व कुपोषित बच्चो आदि की जानकारियां एकत्रित करेंगी। साथ ही आशाओ द्वारा घर भ्रमण के दौरान आभा आईडी बनाने का कार्य व लू से बचाव की जानकारी दी जायेगी।

इलाज के दौरान दूसरे घायल ने दम तोड़ा

चित्रकूट। पहाड़ी थाना क्षेत्र के कहेटा माफी गांव के पास बोलेरो की टक्कर से घायल बाइक सवारों में एक की शुक्रवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। दूसरे का इलाज प्रयागराज में जारी है। इस घटना में गुरुवार को एक अन्य बाइक सवार कहेटा गांव निवासी शीलू सिंह की मौत हो चुकी है।पटिया जब्ती गांव के पूर्व प्रधान राजकरन ने बताया कि गांव का 25 वर्षीय प्रमोद कुमार यादव गुरुवार को गांव के अपने दोस्त गोविंद के साथ गृहस्थी के सामान की खरीदारी करने कर्वी गया था। देर शाम को लौटते समय कहेटामाफी गांव के पास तेज गति से आई बोलेरो ने प्रमोद व विवेक सिंह उर्फ शीलू की अलग अलग बाइक पर टक्कर मारी थी। इसमें घायल प्रमोद व गोविंद का इलाज जारी रहा। शीलू की गुरुवार को मौत हो चुकी है। शुक्रवार को इलाज के दौरान प्रमोद की भी मौत हो गई है।

पर्यटन सहित अन्य विकास कार्यो में नौ वर्षो में आई तेजी : अविनाशचन्द्र द्विवेदी

चित्रकूट। कलेक्ट्रेट सभागार में 'संकल्प से सिद्धि, सुरक्षा, सुशासन, समृद्धि उत्तर प्रदेश' में अभूतपूर्व विकास एवं सतत् समृद्धि के नौ वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में जन कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित विभिन्न विभागों के लाभार्थियों को पुरस्.त एवं सम्मानित किया गया।

मानिकपुर विधायक अविनाशचन्द्र द्विवेदी ने बताया कि प्रदेश सरकार के नौ वर्ष सफलतम परिवर्तन कार्य उपलब्धियां से परिपूर्ण रहा है। प्रधानमंत्री तथा मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश कुशासन से सुशासन एवं बदहाली से खुशहाली की ओर बहुत आगे बढ़ा है। डबल इंजन की सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जनपद के सुदूर क्षेत्र के अंतिम पायदान पर खड़े पात्र लाभार्थियों को दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षो में उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था, निवेश, बुनियादी ढांचे, .षि, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण और तकनीक पर आधारित सुशासन के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन हुआ है। प्रदेश में गरीब, निर्धन, असहाय परिवार की बेटियों के लिये मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत एक लाख रूपये की सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होने कहा कि जनपद में पर्यटन के क्षेत्र में व्यापक विकास किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंच रहा है और इसे और अधिक प्रभावी बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश की पहचान अपराध और अराजकता से जुड़ी थी, लेकिन अब उत्तर प्रदेश विकास और सुशासन की दिशा में अग्रसर होकर उत्तम प्रदेश के रूप में उभर रहा है। उन्होंने "एक जनपद एक उत्पाद जैसी योजनाओं को जनपद की पहचान और आर्थिक सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। कार्यक्रम के दौरान शासन संचालित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों को प्रमाण पत्र एवं सामग्री वितरित की गई। इनमें प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के सेजल गुप्ता, जगदीश आदि पांच लाभार्थियों को स्वी.ति पत्र, आयुष्मान भारत योजना के रतन धुरिया, अनुसुइया सहित 12 लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड, सुंदरी उपाध्याय, रंजमा साहू सहित 18 दिव्यांग छात्राओं को मोबाइल किट .ष्टिबाधित उपकरण वितरण, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना एवं पीएम स्वनिधि, पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत अर्चना देवी, अवध नरेश सहित 10 लाभार्थियों को चेक वितरण, राज्य कर विभाग द्वारा सबसे अधिक टैक्स जमा करने वाले एनकेजी कंस्ट्रक्शन के नीरज कुमार सहित तीन व्यापारियों को पुरस्.त किया गया। पशुपालन विभाग के अंतर्गत डॉ पुष्पेंद्र सिंह को कुक्कुट विकास योजना के अंतर्गत मुर्गी पालन, कुबेर सिंह को गौ संवर्धन योजना, राम पूजन को पैरावेट्स एवं राजा रामपाल को भेड़ पालन में प्रशस्ति पत्र, उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत सुनीता, गुड़िया सहित 10 लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र, उद्यान विभाग द्वारा मसाला उद्योग ऑयल मिल लोर मिल आटा चक्की प्याज टमाटर भिंडी लौकी में .पानंद, जगमोहन सहित 10 लाभार्थियों को सम्मानित किया गया।

अपर जिलाधिकारी ने उज्जवला योजना के 6 लाभार्थियों को प्रदान किया गैस सब्सिडी चेक व अन्त्योदय के 13 लाभार्थियों को राशनकार्ड

श्रावस्ती । उत्तर प्रदेश सरकार के ''नव निर्माण के नौ वर्ष'' के पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कलेक्ट्रेट स्थित तथागत हाल में 9 दिवसीय प्रदर्शनी एवं मेले का भव्य आयोजन किया जा रहा है। आज रविवार को कार्यक्रम के पांचवे दिन जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार विविध कार्यक्रम आयोजित किये गये। कार्यक्रम का शुभारम्भ अपर जिलाधिकारी अमरेन्द्र कुमार वर्मा, नोडल अधिकारी/उपजिलाधिकारी प्रवीण यादव, जिला पूर्ति अधिकारी दीपक कुमार वार्ष्णेय एवं प्रभारी जिला सूचना अधिकारी सुनील प्रियदर्शी ने द्वीप प्रज्वलित कर एवं मां सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इस दौरान राजकीय बालिका इण्टर कालेज भिनगा की छात्राओं साबरीन एवं इल्तिशा ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी एवं उपजिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के 6 लाभार्थियों को गैस सब्सिडी चेक प्रदान किया व अन्त्योदय राशनकार्ड के 13 लाभार्थियों को राशनकार्ड प्रदान किया।इसके अलावा कार्यक्रम में जनपद के विकास खण्ड गिलौला के अन्तर्गत गुरूकुल गिलौला के छात्रों द्वारा ''गीता के अध्यायों'' का मनमोहक प्रस्तुतीकरण किया गया।

यूपी के साथ पूरे देश में हो रहा ग्रापए का विस्तार- संजय द्विवेदी

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की बैठक में परिचय पत्र का वितरण प्रशासनिक सेवा में चयनित प्रखर शुक्ला को किया गया सम्मानित

बस्ती। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के तत्वाधान में पत्रकारों के परिचय पत्र वितरण का कार्यक्रम टाटा मोटर्स के शोरूम एसपी ऑटोव्हील्स गोटवा में आयोजित किया गया।जीपीए के प्रदेश महामंत्री डॉ0 संजय द्विवेदी ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंडल अध्यक्ष बलराम त्रिपाठी एवं जिलाध्यक्ष अवधेश कुमार त्रिपाठी ने पत्रकारों के हित में विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की एवं एकजुट होकर समाज में होने वाली कुरीतियों एवं जरूरतमंदों को न्याय दिलाने के लिए कर्तव्य निष्ठा के साथ अपने कलम का प्रयोग करने की बात कही। जिससे समाज में एक अच्छे पत्रकार की भूमिका में दिखाई दें और आपके द्वारा प्रसारित की गई खबर से किसी गरीब, असहाय जरूरतमंद की मदद हो सके। प्रदेश महामंत्री डॉ0 संजय द्विवेदी ने कहा कि 1986 में हम लोगों के अगुआ संस्थापक बाबू बालेश्वर लाल द्वारा एक सपना देखा गया था कि समूह के माध्यम से विभिन्न जनपदों में हम जनता की आवाज को अखबार के माध्यम से रखें और उन्होंने एक मजबूत संगठन का निर्माण किया। जिसका नामकरण ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के रूप में हुआ। उन्होंने कहा कि पूर्व में कम संसाधन में जिस तरह संगठन द्वारा विस्तार का क्रम जारी रखा गया। उसका परिणाम है कि आज जीपीए पूरे भारत का सबसे बड़ा पत्रकार संगठन है।उन्होंने कहा उत्तर प्रदेश के साथ–साथ कई प्रदेशों में भी संगठन का विस्तार हो रहा है और पत्रकार के हित में विभिन्न महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के संरक्षक एवं टाटा मोटर्स एसपी ऑटोव्हील्स के निदेशक अखिलेश दुबे ने कहा कि पत्रकार हित में जो भी महत्वपूर्ण कदम उठाया जाना है उसके लिए अभिभावक के रूप में निरंतर सहयोग की भावना बनी रहेगी। उन्होंने सभी पत्रकारों को बताया कि सभी का बीमा कराया जा चुका है और समय–समय पर रिन्यूअल भी कराया जाता है। सुरक्षा की दृष्टि से यह महत्वपूर्ण योगदान है। कार्यक्रम में प्रशासनिक सेवा में चयनित युवाओं के प्रेरणास्त्रोत बस्ती जनपद के हरैया क्षेत्र के सकरदहा निवासी प्रखर शुक्ला (आईएएस) को संगठन के पदाधिकारियो द्वारा अंगवस्त्र सील्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन पंकज त्रिपाठी द्वारा किया गया। शिक्षाविद एवं पत्रकार धनीश त्रिपाठी द्वारा कार्यक्रम के समापन की घोषणा करते हुए उपस्थित लोगों आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम में जनार्दन पाण्डेय, धर्मेंद्र कुमार पाण्डेय, डॉ0एसके सिंह, पंकज त्रिपाठी, अनिल कुमार पाण्डेय, उमेश कुमार दूबे, रुबल कमलापुरी, सूर्य नारायण उपाध्याय, संतोष कुमार उपाध्याय, हाफिज जावेद, प्रशांत कुमार पाण्डेय, विजय पाण्डेय, मनोज कुमार सिंह, अभय जीत सिंह, प्रेम कुमार सिंह, राम ललित यादव, राजित राम यादव, प्रेमसागर पाठक, अनूप कुमार मिश्र, बिंदेश्वरी प्रसाद, राजाराम, आदित्य सिंह, राजेश राज, बेचू लाल अग्रहरि, सूरज मिश्रा, उमेश कुमार पाल, समसुल हक, विनोद सोनकर, दिलीप कुमार पाण्डेय, अरुण कुमार, अरुण मिश्रा,विवेक मिश्रा,राधेश्याम यादव, धीरेंद्र प्रताप सिंह, धनीश त्रिपाठी, महेंद्र उपाध्याय, राकेश प्रकाश श्रीवास्तव, एसएन द्विवेदी, अजीत पाल, सुनील उपाध्याय, सतीश कुमार उपाध्याय, अतुल कुमार सिंह, बृज किशोर यादव, इंद्रीश सिद्दीकी, कुलदीप सिंह, शैलेंद्र प्रताप सिंह, रमेश चंद्र, अनूप लाल श्रीवास्तव, बजरंगी लाल, बृजेश पाल सिंह, परशुराम वर्मा, कुलदीप चौधरी, बीके लाल, रामकृपाल दुबे, विमलेश श्रीवास्तव, अमरेंद्र पाण्डेय, अभय दुबे सोनू, सिद्धार्थ चौहान, सुशील द्विवेदी, सत्यराम, शकील, परवेज आलम, मंटू, मोहम्मद असलम, शक्ति शरण उपाध्याय, ज्ञानचंद द्विवेदी, शंकर यादव, नवीन तिवारी, योगेश्वर त्यागी, गुंजेश्वरी प्रताप सिंह, संतोष कसौधान, दिनेश चंद्र, डीके सिंह, राम जनक यादव, दिनेश कुमार पटेल, राकेश चौधरी, रामजीत पाण्डेय, नरेंद्र कुमार मिश्र, श्रवण कुमार पाण्डेय, नीरज कुमार, लाल जी वर्मा, अफजाल अहमद कुरेशी, हेमंत पाण्डेय, कृष्ण दत्त द्विवेदी, आनंद शुक्ला, सोनू पाण्डेय, विनय पाठक, उमेश चंद्र मिश्र, चंद्रेश दुबे, महेंद्र कुमार सोनी, बिंदेश्वरी लाल श्रीवास्तव, विष्णु कुमार शुक्ल, विजय कुमार शर्मा, विनय कुमार जायसवाल, जटा शंकर पाण्डेय, बृजेश गुप्ता, प्रमोद श्रीवास्तव शामिल रहे।

योगी सरकार में महिला सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन की बढ़ी जागरूकता

गोरखपुर, योगी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल से ही महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन पर विशेष ध्यान दिया है। इसके लिए मिशन शक्ति की पहुंच हर गांव, मोहल्ले में सुनिश्चित की गई तो साथ ही महिला स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ कर ग्रामीण घरेलू महिलाओं को आजीविका के पथ पर अग्रसर किया गया।नारी गरिमा सम्मान और महिलाओं का सशक्तिकरण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए सिर्फ भाव नहीं बल्कि संकल्प है। यह विरासत में मिली उनकी निजी प्रतिबद्धता का भी कार्यक्षेत्र है। वह जिस गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर हैं, वहां नवरात्र में कन्या के पांव पखारने की परंपरा में भी नारी शक्ति के प्रति भक्ति का भाव प्रतिष्ठित होता है। नारी शक्ति की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिशन शक्ति की शुरुआत भी वर्ष 2020 में नवरात्र के शुभ अवसर पर की थी। वर्तमान समय में मिशन शक्ति अपने पांचवें चरण में जारी है। 22 सितंबर 2025 को शुरू हुए मिशन शक्ति के पांचवें चरण में गोरखपुर में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए चलाए गए 19 प्रकार के अभियानों के तहत 17 लाख 88 हजार 961 लोगों को जागरूक किया गया। गोरखपुर के जिला प्रोबेशन अधिकारी समर बहादुर सरोज के अनुसार इसमें महिलाओं की संख्या 10 लाख 88 हजार 364 रही, जिन्हें उनके अधिकार बताए गए और शिक्षा, स्वास्थ्य, समानता के साथ ही आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। जबकि 7 लाख 597 पुरुषों को भी महिला अधिकारों के प्रति अपने दायित्व निभाने के लिए जागरूक किया गया।

महिलाओं को जागरूक करने के अलावा उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने के लिए भी सरकार ने सतत सजगता दिखाई है। इसमें ग्रामीण आजीविका मिशन की भूमिका गेम चेंजर की नजर आती है। उपायुक्त स्वतः रोजगार नीरजा गुप्ता बताती हैं कि ग्रामीण आजीविका मिशन ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं का जीवन संवारने में मददगार साबित हो रहा है। अकेले गोरखपुर में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 21106 महिला स्वयं सहायता समूहों का गठन हो चुका है जिसमें करीब तीन लाख महिलाएं आच्छादित हैं। मिशन से जुड़कर और प्रशिक्षण प्राप्त कर गांव की महिलाएं सब्जी उत्पादन, नमकीन उत्पादन, मशरूम उत्पादन, शहद उत्पादन, पशु पालन, कृषि कार्य, मसाला उत्पादन, कृत्रिम आभूषण निर्माण, बैग, ड्रेस, सॉफ्ट टॉयज, फाइल फोल्डर बनाने के साथ पुष्टाहार उत्पादन से जुड़कर आय अर्जित कर अपना जीवन समुन्नत बना रही हैं। गोरखपुर कुल सक्रिय 21106 समूहों में से 629 का गठन वित्तीय वर्ष 2025–26 में हुआ है। इस वित्तीय वर्ष में 7950 नई सदस्य महिलाओं को जोड़ा गया है। जिले में अब तक कुल 18446 समूहों को रिवॉल्विंग फंड निर्गत किया गया है। इनमें इस वित्तीय वर्ष में रिवॉल्विंग फंड पाने वाले 1006 समूह भी सम्मिलित हैं। समूहों को करीब 30 करोड़ रुपये की धनराशि रिवॉल्विंग फंड मद में दी गई है। इसके अलावा समूहों के संचालन के लिए एनआरएलएम के तहत सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) से भी लाभान्वित किया जाता है। गोरखपुर में 15558 समूहों को समुदाय8निवेश निधि का लाभ मिला है। समूहों की आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने में बैंकों के कैश क्रेडिट लिंकेज (सीसीएल) की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसमें बैंक द्वारा 600000 रुपये तक की लिमिट जारी की जाती है। प्रथम वर्ष 150000 रुपये की लिमिट होती है और सही व नियमित लेनदेन पर दूसरे किस्त में 300000 तथा तीसरे किस्त में यह लिमिट बढ़कर 600000 रुपये हो जाती है। मूल रूप से इस धनराशि का उपयोग समूह सदस्य आजीविका संवर्धन में करते हैं। गोरखपुर में अब तक 12210 समूहों को सीसीएल जारी हो चुकी है। योगी सरकार के प्रोत्साहन से महिलाएं डेयरी सेक्टर से जुड़कर आर्थिक स्वावलंबन हासिल करने में कमाल कर रही हैं। ग्रामीण महिलाओं को डेयरी सेक्टर से जोड़ने के लिए सीएम योगी की मंशा के अनुरूप गोरखपुर में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के सहयोग से श्री बाबा गोरखनाथ कृपा मिल्क प्रोडयूसर्स ऑर्गनाइजेशन का गठन किया गया है। इससे गोरखपुर के साथ ही देवरिया, कुशीनगर, महराजगंज, संतकबीरनगर, मऊ और आजमगढ़ की महिलाएं भी जुड़ी हैं। महिलाओं की सहभागिता वाले इस मिल्क प्रोडयूसर्स ऑर्गनाइजेशन ने ढाई साल में दो सौ करोड़ रुपये का टर्नओवर हासिल कर लिया है। गोरखपुर की हजारों महिलाएं दुग्ध उत्पादन व संग्रह के काम में लगकर प्रतिमाह आठ से दस हजार रुपये की आमदनी प्राप्त कर रही हैं। इस कार्य से जुड़ी कई महिलाएं तो लखपति दीदी भी बन गई है।

अनियोजित विस्तार से जूझ रहा लालगंज, 10 हजार पार आबादी के बावजूद विकास का खाका नहीं

लालगंज, मीरजापुर। तहसील मुख्यालय लालगंज की आबादी 10 हजार के पार पहुंच चुकी है लेकिन विकास का कोई ठोस रोडमैप अब तक नहीं बन सका है। बाजार, तहसील, ब्लॉक, चिकित्सालय, डिग्री कॉलेज और इंटर कॉलेज जैसी सुविधाओं के कारण यह क्षेत्र तेजी से बसावट का केंद्र बनता जा रहा है, परंतु यह विस्तार पूरी तरह अव्यवस्थित रूप लेता जा रहा है। आसपास के गांवों के लोग अपनी कृषि भूमि बेचकर लालगंज में बस रहे हैं। जिससे जनसंख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। लेकिन बिना किसी सुनियोजित शहरी योजना के हो रहे इस विस्तार ने सड़क, जल निकासी और यातायात व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव डाल दिया है। संकरी गलियां, जाम की समस्या और मूलभूत सुविधाओं का अभाव अब आम बात हो गई है। सामाजिक कार्यकर्ता हरिशंकर मिश्रा ने कहा कि लालगंज में जिस तेजी से आबादी बढ़ रही है। उसी अनुपात में विकास की योजना नहीं बनाई गई। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले समय में स्थिति और विकराल हो सकती है।समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता तूफानी लाल यादव ने कहा कि बाजार और शिक्षा–स्वास्थ्य सुविधाओं के कारण यहां बसावट स्वाभाविक है लेकिन प्रशासन को चाहिए कि वह इसे व्यवस्थित करने के लिए मास्टर प्लान तैयार करे। पूर्व प्रमुख नरेंद्र गिरी ने कहा कि लालगंज को कस्बे के रूप में विकसित करने के लिए सड़क, नाली, जल निकासी और पार्किंग जैसी मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जीवनलाल दुबे ने कहा कि सरकार और प्रशासन को मिलकर लालगंज के लिए दीर्घकालिक विकास योजना तैयार करनी चाहिए। जिससे आने वाली पीढ़ियों को समस्याओं का सामना न करना पड़े। पूर्व प्रमुख जयकुमार सिंह ने कहा कि अब समय आ गया है कि लालगंज के बाजार को नए मॉडल के तहत विकसित किया जाए। इसके लिए सुनियोजित बाजार व्यवस्था, चौड़ी सड़कें, पार्किंग और आधुनिक सुविधाओं को शामिल करते हुए

निषाद पार्टी ने गोरखपुर में प्रांतीय अधिवेशन में मछुआ समाज के आरक्षण को लेकर किया महारौली

गोरखपुर – कैबिनेट मंत्री डॉ संजय निषाद ने गोरखपुर में निषादों के आरक्षण को लेकर एक बड़ी महा रैली का आयोजन महंत दिग्विजय नाथ पार्क में किया। इस रैली में आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में निषाद पार्टी के कार्यकर्ता हाथों में तख्ती व निषाद पार्टी का झंडा लेकर पहुंचे। संजय निषाद बाइक रैली के माध्यम से मछुआ आरक्षण कार्यक्रम में पहुंचे कैबिनेट मंत्री डॉ संजय निषाद का मंच के बने रैंप पर कार्यकर्ताओं ने फूलों की बारिश करअपने नेता का स्वागत किया।मंच पर बड़ी फूलों के माला के साथ मंत्री का किया स्वागत। डॉ संजय निषाद ने मंच पर संबोधन के दौरान कहा कि आज के दिन सभी का मै हार्दिक करता हूँ। आप लोगों ने भाड़े वाले नहीं अखाड़े वाला पहलवान को लाया है। हम लोगों को लैला नहीं चाहिएध हम पूरे प्रदेश में रैला निकालगे। आपकी आवाज हू आपका वकील हूँ उन लोगों को जरूर जवाब दीजिए। निषाद राज के लिय लोगो के निकले आंसू। बेटा तुम्हारा संजय है मै सदन में आवाज उठाता हु तो बुलडोजर चलता है। आपका हिस्सा ऊंचे लोग नहीं खा रहे है हाथी और पंजा खा रहा ह। क्योंकि आप लोग गलत बटन दबा देते है। डॉ संजय का साथ दो तुम्हारे बच्चों की रक्षा मै करूंगा। 22 मई को आपको दरवाजे पर हमारे लोग जाएंगे आपको निषाद पार्टी की तख्ती दिखानी होगी। मैने एक किताब लिखी है कि आरक्षण का आधिकार सबसे पहले हमारे लोग है। संजय निषाद ने कहा कि कहानी किस्सा चाहिएध कि हिस्सा। आजमगढ़ सिद्धार्थनगर गोरखपुर मंडल से लोग आए है। डॉक्टर संजय ने कहा कि हमारे पास 11 विधायक है। तुम्हारा विरोध कौन करता है तुम्हारा विरोध समाजवादी पार्टी करती है। हमारी 4 मागे है। मोदी ने जय निषाद का नारा लगाया। 4 बड़ी रैली है बड़ी रैलियों में चलना है। मैने 14 किताब लिखी है उसको गांव गांव पहुंचाओ। निषाद पार्टी की अगुआई में सबसे पहले अपने कार्यालय से कार्यकर्ताओं के सथ बुलेट पर सवार होकर कार्यक्रम स्थल की तरफ रवना हुए उनके साथ करीब करीब 3000 लोगो के साथ कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे जहां कार्यकर्ताओं भव्य तरीके से संजय निषाद का स्वागत किय निषाद पार्टी की यह रैली आगामी विधान चुनाव की तैयारी के रूप में देखा जा रहा है।

मछुआरा महासंघ सम्मेलन में सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षणिक योगदान पर विमर्श

बस्ती ।प्रेस क्लब सभागार में भारतीय मछुआरा महासंघ का सम्मेलन आर.डी. निषाद के संयोजन में किया गया। सम्मेलन में मछुआरा समाज के सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षणिक, आर्थिक स्थिति पर विमर्श के साथ ही पदाधिकारी घोषित किये गये। सर्व सम्मत से संदीप निषाद जिलाध्यक्ष, राहुल निषाद महासचिव और शत्रुघ्न निषाद को आडीटर का दायित्व सौंपा गया। मुख्य अतिथि के रूप में सम्मेलन को सम्बोधित करते हुये पूर्व मंत्री और मछुआरा महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंखलाल माझी ने कहा कि निषाद जाति का इतिहास अत्यंत प्राचीन और गौरवशाली है किन्तु उनका वर्तमान बहुत चुनौतीपूर्ण है। कहा कि लम्बे संघर्ष के बाद निषाद समाज को जो अधिकार दिये गये थे उसे एक–एक कर छीना जा रहा है। यदि नई पीढी जागरूक न हुई तो चुनौतियां और बढ जायेंगी।पूर्व मंत्री शंखलाल माझी ने कहा कि निषादों का इतिहास जल और वन से जुड़ा है, जो उन्हें प्रकृति प्रेमी और साहसी योद्धा के रूप में स्थापित करता है। निषाद राज को मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम ने भरत के समान भाई का आदर दिया किन्तु अब वे घोर उपेक्षा के शिकार हैं। कहा कि अधिकारों को हासिल करने के लिये मछुआरा समाज को एकजुट होकर आगे बढना होगा।कार्यक्रम संयोजक आर.डी. निषाद ने कहा कि निषाद समुदाय का संबंध राजा वेन, पृथु और निषादराज गुह जैसे ऐतिहासिक राजाओं से जोड़ा जाता है। निषाद परंपरागत रूप से नदी–नालों पर आश्रित समुदाय हैं, जिसमें मछली पकड़ना, नाविक (नाव चलाना), रेत की खुदाई और जल–परिवहन मुख्य पेशा रहा है। किन्तु नये सन्दर्भो में सरकार ने उन्हें हाशिये पर छोड़ दिया है। कहा कि एकजुटता से ही लक्ष्य हासिल होंगे।भारतीय मछुआरा महासंघ के सम्मेलन को रामकेवल निषाद, रविकान्त निषाद, अजय निषाद, बब्लू निषाद, कानिक राम निषाद, सतिराम निषाद आदि ने सम्बोधित करते हुये मछुआरा समाज की चुनौतियों, कुरीतयों पर प्रकाश डालते हुये कहा कि शिक्षा के द्वारा ही लक्ष्य हासिल होंगे। कहा कि अपने बच्चों को अनिवार्य रूप से शिक्षित करें। कार्यक्रम मुख्य रूप से पटेश्वरी निषाद, प्रेमचन्द निषाद, गब्बर निषाद, रामचरन निषाद,फूलचंद निषाद, अनिल यादव, गुरू प्रसाद निषाद, विफई निषाद, भगवत निषाद, विनोद कुमार निषाद, रमेश निषाद, रामअचल निषाद, अवधेश निषाद, शोभानाथ निषाद, दयाराम निषाद के साथ ही बड़ी संख्या में मछुआरा समाज और विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, सदस्य शामिल रहे।

बीएसए ने किया लारेल्स इण्टरनेशनल प्रीस्कूल का उद्घाटन

बस्ती। शहर के आवास विकास क्षेत्र में बच्चों की विश्वस्तरीय शिक्षा के नए केंद्र लॉरेल्स इंटरनेशनल प्रीस्कूल का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार तिवारी ने किया। समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि इन्दिरा चौरिटेबल सोसाइटी के सीईओ अजय कुमार पाण्डेय और विद्यालय के डायरेक्टर आयुष ओझा द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या निधि पाण्डेय ने मुख्य अतिथि को पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया ।मुख्य अतिथि अनूप कुमार तिवारी ने विद्यालय के आधुनिक ढांचे और शिक्षण पद्धति की सराहना की। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसी संस्थाएं मील का पत्थर साबित होंगी । विशिष्ट अतिथि अजय कुमार पाण्डेय कों बस्ती का पहला 'गरिमा गृह' खोलने के लिए सम्मानित किया गया। उन्होने शिक्षा के क्षेत्र में इस नई पहल को सराहा ।कार्यक्रम के दौरान मार्शल आर्ट्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तायक्वोंडो खिलाड़ियों और विद्यालय के मेधावी छात्रों को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया ।डायरेक्टर आयुष ओझा ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका लक्ष्य बच्चों को केवल साक्षर बनाना नहीं, बल्कि उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना है ।

मिशन शक्ति के तहत महिला ई-रिक्शा चालक को माला पहनाकर बढ़ाया हौसला

बस्ती मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल देखने को मिली। शहर में एक महिला ई–रिक्शा चालक सोनी को सम्मानित करते हुए एसएचओ महिला थाना डा. शालिनी सिंह ने उन्हें माला पहनाकर उनका हौसला बढ़ाया। ई रिक्शा चालक के साहस और आत्मनिर्भरता की सराहना की।शालिनी ने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी भागीदारी दर्ज करा रही हैं और ई–रिक्शा चलाना जैसे कार्यों में भी आगे आकर समाज की सोच को बदल रही हैं। महिला चालक सोनी ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि शुरुआत में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन आत्मविश्वास और स्वजन के सहयोग से उन्होंने यह मुकाम हासिल किया।पुलिस की ओर से मिशन शक्ति अभियान के तहत इस प्रकार के सम्मान कार्यक्रम महिलाओं को प्रेरित करने का कार्य कर रहे हैं। एसएचओ ने कहा कि सरकार महिलाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं और अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम के अंत में महिला चालक को शुभकामनाएं दी गईं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

कांग्रेस नेता महेन्द्र ने उठाया सवाल, हिस्ट्रीशीटर को कैसे बना दिया सभासद

बस्ती । कांग्रेस आर.टी.आई विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्वान्चल प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने राजनीति में जहरीली होती भाषा पर चिन्ता व्यक्त करते हुये कहा है कि पिछले एक दशक में भाजपा नेताओं ने समाज को हिन्दू–मुसलमान के बीच बाटने का काम किया और कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की छबि बिगाड़ने के लिये मर्यादा की सारी सीमा पार कर दिया। कहा कि आज देश घरेलू गैस, डीजल, पेट्रोल के संकट से गुजर रहा है। भाजपा और कुछ हिन्दू संगठनों के नेता घोषणा करते हैं कि मुसलमानो के दूकानों से सामान मत खरीदो। ऐसे में उन्हे मुस्लिम देशों से आनी वाली गैस, डीजल, पेट्रोल का भी उपयोग नहीं करना चाहिये।कांग्रेस नेता ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा राजनीति में शुचिता, पवित्रता की बात तो करती है किन्तु उसे ऐसे अपराधियों को भी सभासद मनोनीत करने में कोई संकोच नहीं है जो हिस्ट्रीशीटर हैं। कहा कि हर्रैया नगर पंचायत के मनोनीत सभासद दीपक चौहान हर्रैया थाने के हिस्ट्रीशीट हैं। सभासद दीपक चौहान का आपराधिक रिकॉर्ड है। खुद भाजपा के कार्यकर्ता ही सवाल उठा रहे हैं कि अपराधी को कैसे सभासद बना दिया गया। उन्होने कहा कि देश की जनता सच्चाई जान चुकी है और भाजपा का नफरती एजेन्डा अब देश की जनता नकार देगी।

विधायक कविन्द्र चौधरी ने किया विद्यालय का शिलान्यास

बस्ती। विधायक कविन्द्र चौधरी अतुल ने लोहरौली तिलकपुर में श्रीश्यामलाल वर्मा पूर्व माध्यमिक विद्यालय के नये भवन का शिलान्यास किया। कहा कि सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की अलख जगाने वालों की भूमिका महत्वपूर्ण है। विद्यालय के निर्माण और विकास के लिये विधायक के रूप में उनकी भूमिका सदैव बनी रहेगी।विद्यालय के संस्थापक प्रबंधक होम्योपैथ के वरिष्ठ चिकित्सक डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि इस अंचल में शिक्षा क्षेत्र में निरन्तर प्रयास जारी है। इसी कड़ी में श्रीश्यामलाल वर्मा पूर्व माध्यमिक विद्यालय की आधारशिला रखी गई है। निदेशक डा. आलोक रंजन वर्मा ने कहा कि अति शीघ्र विद्यालय अपना आकार ले लेगा।शिलान्यास अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कवि डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग' ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से राम सुरेश चौधरी, ई. रघुनाथ पटेल, डा. सी. एम. पटेल, चन्द्रशेखर वर्मा, राम प्रसाद चौधरी, ई. चन्द्रशेखर, विजय प्रकाश चौधरी, डा. वीरेन्द्र यादव, आलोक त्रिपाठी, राम पूरन चौधरी, अखिल यादव, घनश्याम यादव, अफजल हुसेन अफजल, जगनरायन वर्मा, शिव प्रसाद चौधरी, वीरेन्द्र वर्मा, अमरेश चौधरी, विशाल गुप्ता, शंकर यादव, अर्जुन के साथ ही बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, शिक्षक उपस्थित रहे।

योगी मंत्रिमंडल में शामिल हो सकते हैं पूर्वांचल के नए चेहरे, कई का घटेगा पद, तो कुछ की होगी छुट्टी

बस्ती योगी आदित्यनाथ सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार में पूर्वांचल के कई नए चेहरों को जगह मिल सकती है। कई मंत्रियों का कद बढ़ सकता है, तो कुछ मंत्रियों को हटाए जाने की भी अटकलें हैं। भाजपा संगठन और सरकार की मंशा मंत्रिमंडल में उन जिलों के नेताओं को शामिल करने की है, जिन्हें अभी तक प्रतिनिधित्व नहीं मिला है। मंत्री बनने के लिए भाजपा विधायक दिल्ली–लखनऊ दरबार को साधने में जुट गए हैं।मिशन यूपी 2027 को फतह करने के लिए भाजपा कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती। इसके लिए संगठन से लेकर सरकार तक जातीय संतुलन बनाने की कोशिशें की जा रही हैं। यही वजह है कि विस चुनाव से पहले पिछड़ों को लुभाने के लिए पिछड़ा वर्ग से आने वाले पंकज चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर संदेश देने की कोशिश की गई। जिला कार्यकारिणी के गठन में भी सवर्ण के साथ पिछड़ा, अति पिछड़ा वर्ग और एससी वर्ग के नेताओं को वरीयता दी गई है ।अब योगी सरकार के मंत्रिमंडल में विस्तार में भी जातीय और क्षेत्रीय समीकरणों को साधने की तैयारी है बस्ती मंडल के जिलों को प्रतिनिधित्व मिलने की संभावना है ।योगी सरकार के मंत्रिमंडल के प्रस्तावित फेरबदल में उन जिलों के विधायकों को मंत्री बनाया जा सकता है, जहां से अभी तक कोई मंत्री नहीं बना है। मंत्रिमंडल में बस्ती, सिद्धार्थनगर व संतकबीरनगर जिले से कोई मंत्री सरकार में शामिल नहीं है। जबकि कई जिले ऐसे हैं जहां से दो–दो मंत्री हैं। इन मंत्री विहीन जिलों का मंत्रिमंडल विस्तार में खाता खुल सकता है।कई मंत्रियों को हटाए जाने की अटकलेंयोगी मंत्रिमंडल में अच्छा प्रदर्शन नहीं करने वाले और विवादों में रहने वाले कई मंत्रियों की छुट्टी की भी अटकलें हैं। इन मंत्रियों को हटाकर गठन में जगह दी जा सकती है।

मानक-विरुद्ध टोल वसूली रोकने की मांग को लेकर विधायक महेन्द्रनाथ को सौंपा ज्ञापन

बस्ती ।ट्रक एसोसिएशन अध्यक्ष राजकुमार सिंह के नेतृत्व में वाहन चालकों ने समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष और बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि मानक–विरुद्ध टोल वसूली बंद कराया जाय। ज्ञापन लेने के बाद विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि उन्होने इस समस्या को विधानसभा में उठाया था, उसके बाद अवैध वसूली बंद हुई थी। पुनः जिलाधिकारी से मिलकर अवैध वसूली बंद कराया जायेगा। जरूरत पड़ी तो ट्रक एसोसिएशन से मिलकर लोकतांत्रिक ढंग से आन्दोलन किया जायेगा।ज्ञापन लेने के बाद ट्रक एसोसिएशन अध्यक्ष राजकुमार सिंह ने बताया कि समस्या के समाधान हेतु जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी एवं अन्य सक्षम अधिकारियों के समक्ष कई बार निवेदन किया गया किन्तु आज तक कोई ठोस एवं न्यायसंगत समाधान सुनिश्चित नहीं किया गया है। कहा कि मड़वानगर टोल प्लाजा को पूर्व की तरह टोल–मुक्त किया जाए अन्यथा एसोसिएशन संघर्ष को बाध्य होगा।

जिला प्रशासन कराये उच्चस्तरीय जांच, दण्डित हो दोषी

बस्ती। नगर थाना क्षेत्र के महरीपुर निवासी पंकज सिंह ने कहा है कि उन पर रंगदारी के मनमाने आरोप लगाये जा रहे हैं। कहा कि यदि आरोप गलत हो तो राजेश शुक्ला उर्फ बबलू 20 वर्ष का रायल्टी दिखा दें। यह भी बता दें कि वे अवैध खनन कर रहे हैं या नहीं कर रहे हैं। कहा कि आरोप लगाने से पहले राजेश शुक्ला उर्फ बबलू स्वयं अपने गिरेबान में झांककर देखे। कहा कि जिला प्रशासन पूरे मामले की जांच कराकर जो भी दोषी हो उसके विरूद्ध कार्रवाई करे। कहा कि यदि वे अपराधी थे तो उनके साथ काम क्यों करते थे। यदि वे अपराधी है तो जमीन खरीदते समय उन्हें गवाह क्यों बनाया। अभी तक मित्र थे अब मुझे गुण्डा बता रहे हैं।ज्ञात रहे कि महरीपुर निवासी पंकज सिंह ने पुलिस उपमहानिरीक्षक और पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर आर०के० कंस्ट्रक्शन कम्पनी में लेन देन के विवाद को लेकर धमकी देने के मामले में दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई और अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।डीआईजी को दिये पत्र में पंकज सिंह ने कहा है वे गिट्टी, मोरंग व मिट्टी की सप्लाई का कार्य करते हैं, सन् 2023 से राजेश शुक्ला उर्फ बबलू पुत्र राजेंद्र प्रसाद शुक्ला निवासी गोबरहिया थाना पुरानी बस्ती से संबंध है, राजेश शुक्ला आर०के० कंस्ट्रक्शन नामक कम्पनी चलाते हैं। पंकज सिंह ने राजेश शुक्ला की कम्पनी में साझेदारी के तहत रुपए लगाए हैं, उसने अपनी पत्नी के अकाउण्ट से दो लाख रूपये और अपने अकाउण्ट से 25 हजार रुपया आर०के० कांस्ट्रक्शन के अकाउण्ट में 11 जून 2025 को काम शुरू करने के लिए भेजा।

फ्री सीट के सरकारी फरमान पर भड़कीं इंडिगो और एअर इंडिया, दे डाली ये बड़ी चेतावनी

नई दिल्ली ,22 मार्च । अगर आप भी हवाई सफर करते हैं और फ्लाइट में अपनी मनपसंद विंडो या आगे की सीट बुक करने के लिए अतिरिक्त पैसे चुकाते हैं, तो यह खबर आपके लिए ही है। हाल ही में नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एयरलाइंस को हर फ्लाइट की 60 फीसदी सीटें यात्रियों को मुफ्त देने का बड़ा फरमान सुनाया था। लेकिन सरकार के इस फैसले से यात्रियों को राहत मिलने के बजाय एयरलाइंस बुरी तरह भड़क गई हैं। देश की प्रमुख एविएशन कंपनियों ने सरकार के इस आदेश के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और साफ चेतावनी दी है कि इस फैसले का सीधा खामियाजा आम यात्रियों को महंगे टिकट के रूप में भुगतना पड़ेगा।

इंडिगो और स्पाइसजेट समेत इन कंपनियों ने खोला मोर्चा

सरकार के इस नए नियम का ऐलान 18 मार्च 2026 को किया गया था, जिसके तहत एयरलाइंस को सीट चुनने के नाम पर वसूले जाने वाले चार्ज पर लगाम लगाने को कहा गया था। इस फैसले के कड़े विरोध में भारतीय एयरलाइंस महासंघ (स्नद्घ्र) ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय (रूशष्ट्र) के सचिव समीर सिन्हा को एक तीखी चिऋी लिखी है। इस महासंघ में देश की तीन सबसे बड़ी एविएशन कंपनियां इंडिगो, एअर इंडिया और स्पाइसजेट शामिल हैं। इन कंपनियों का साफ कहना है कि सरकार का यह फैसला पूरी तरह से उल्टा पड़ेगा और इससे बजट में सफर करने वाले यात्रियों की जेब पर सीधा डाका डलेगा।

सीट फ्री हुई तो सीधा बढ़ जाएंगे टिकट के दाम

एयरलाइंस ने सरकार को दिए अपने तर्क में स्पष्ट किया है कि अगर वे यात्रियों से मनपसंद सीट चुनने का चार्ज नहीं लेंगी, तो उस नुकसान की भरपाई कहीं न कहीं से तो करनी ही पड़ेगी। कंपनियों का कहना है कि यह घाटा सीधा टिकट के बेस प्राइस को बढ़ाकर पूरा किया जाएगा। उदाहरण के तौर पर, अगर अभी कोई यात्री चार हजार रुपये का टिकट लेता है और तीन सौ रुपये मनपसंद सीट के लिए देता है, तो भविष्य में वह टिकट ही सीधा 4,500 रुपये का हो जाएगा। ऐसे में सीट भले ही मुफ्त मिल जाए, लेकिन यात्री का कुल खर्च पहले से कहीं ज्यादा बढ़ जाएगा। कंपनियों का दावा है कि इससे खासकर उन लोगों को भारी नुकसान होगा जो अपने परिवार के साथ सस्ते में सफर करना पसंद करते हैं।

सरकार के पास दाम तय करने का अधिकार ही नहीं

अपनी भारी नाराजगी जाहिर करते हुए महासंघ ने सरकार के इस आदेश को कानूनी रूप से भी चुनौती दे डाली है। एयरलाइंस का कहना है कि हवाई यातायात को नियंत्रित करने वाली सरकारी संस्था डीजीसीए (ष्ठत्रष्ट्र) के पास कानूनी तौर पर यह अधिकार ही नहीं है कि वह सीट चार्ज जैसी अतिरिक्त सेवाओं के दाम तय करे या उन पर रोक लगाए। कंपनियों ने पुरानी अदालती कार्यवाहियों और फैसलों का हवाला देते हुए सरकार को याद दिलाया है कि यह मामला उनके अधिकार क्षेत्र से पूरी तरह बाहर है। एयरलाइंस ने यह भी चिंता जताई है कि अगर सभी कंपनियों को एक ही नियम में बांध दिया गया, तो यात्रियों को मिलने वाली अलग–अलग और बेहतर सुविधाओं (जैसे ज्यादा लेगरूम या बेहतर खाना) की पहचान ही खत्म हो जाएगी।

बिना पूछे थोपा गया फैसला, तुरंत वापस लेने की मांग

इन सभी तर्कों के अलावा एयरलाइंस की सबसे बड़ी शिकायत इस बात को लेकर है कि इतना बड़ा फैसला लेने से पहले उनसे कोई राय–मशविरा नहीं किया गया। महासंघ ने अपनी चिऋी में कड़े शब्दों में लिखा है कि 18 मार्च को मीडिया में प्रेस रिलीज आने से पहले उन्हें इस बारे में कोई भनक तक नहीं थी। न तो सरकार ने कंपनियों के साथ कोई बैठक की और न ही कोई सलाह ली। एयरलाइंस को सीधे अखबारों के जरिए

रातों-रात डबल हो गए पेन ड्राइव और मेमोरी कार्ड के दाम, स्मार्टफोन की कीमतों में भी भारी उछाल

नई दिल्ली ,22 मार्च । अगर आप इन दिनों बाजार में पेन ड्राइव, मेमोरी कार्ड या नया स्मार्टफोन खरीदने जा रहे हैं, तो आपकी जेब पर भारी कैंची चलने वाली है। पिछले कुछ ही हफ्तों में स्टोरेज डिवाइस की कीमतों में आग लग गई है और दाम लगभग दोगुने हो चुके हैं। हैरानी की बात यह है कि इस बेतहाशा महंगाई के पीछे कोई और नहीं, बल्कि मुझ जैसी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (द्बढ) तकनीकों की दुनिया भर में बढ़ती भारी मांग है। आइए जानते हैं कि कैसे द्बढ के विस्तार ने पूरी दुनिया के सप्लाई चेन का गणित बिगाड़ कर रख दिया है।द्बढ कंपनियों ने बिगाड़ा सप्लाई चेन का खेलमार्केट रिसर्चर कंपनी ढ्ढष्ठष्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, एआई के बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) के तेजी से हो रहे विस्तार ने मेमोरी कार्ड की सप्लाई चेन को बुरी तरह प्रभावित किया है। दरअसल, स्मार्टफोन और पीसी में इस्तेमाल होने वाले ष्ठर्क्ररू और ह्लह्रष्ठ तकनीक वाले चिप्स की जरूरत अब द्बढ डेटा सेंटर्स में सबसे ज्यादा हो रही है। माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, मेटा और अमेजन जैसी दिग्गज टेक कंपनियां एआई प्रोसेसर्स के लिए सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स, एसके हाइनिक्स (स्य ध्4ठ्ठद्ब–) और माइक्रोन टेक्नोलॉजी जैसे बड़े सप्लायर्स पर भारी दबाव बना रही हैं। ये कंपनियां मुंहमांगे दाम देकर सारा स्टॉक खरीद रही हैं, जिससे आम उपभोक्ताओं के लिए बाजार में शॉर्टेज पैदा हो गई है। ढ्ढष्ठष्ट का अनुमान है कि बाजार में यह कमी 2026 से लेकर 2027 की दूसरी छमाही तक बनी रह सकती है।स्मार्टफोन की कीमतों में भी भारी उछालइस ग्लोबल किल्लत का सीधा असर आपके गैजेट्स के बजट पर पड़ रहा है। किसी भी स्मार्टफोन या पीसी की कुल लागत में मेमोरी चिप का हिस्सा 15 से 20 प्रतिशत तक होता है। अब पीछे से ही चिप की शॉर्टेज होने के कारण, नए स्मार्टफोन की कीमतों में 10 से 15 प्रतिशत तक का भारी इजाफा देखने को मिल रहा है। रिपोर्ट की मानें तो इन दिनों ष्ठर्क्ररू की कीमत में हर महीने 25 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो रही है। अक्टूबर से जनवरी के बीच ही मेमोरी कार्ड की कीमतें 40 प्रतिशत तक बढ़ गई थीं और फरवरी में इसमें 25 प्रतिशत का और इजाफा दर्ज किया गया।

180 रुपये वाली पेन ड्राइव पहुंची 360 के पार

थोक बाजार में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के दाम इन दिनों हर सप्ताह अपडेट हो रहे हैं। दिल्ली और अन्य बड़े इलेक्ट्रॉनिक बाजारों के थोक विक्रेताओं के आंकड़ों पर नजर डालें तो जनवरी से लेकर मार्च के बीच पेन ड्राइव की कीमतों में जबरदस्त उछाल आया है। इस महंगाई का सबसे ज्यादा खामियाजा शादी के सीजन में वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी करने वाले पेशेवरों को भुगतना पड़ रहा है, जिनका काम पूरी तरह से हाई–स्टोरेज मेमोरी कार्ड और फ्लैश ड्राइव पर ही निर्भर है।

कीमतों में आए इस चौंकाने वाले अंतर को आप बीते कुछ महीनों के आंकड़ों से साफ तौर पर समझ सकते हैं। जनवरी के महीने में जो 32त्रक्च की पेन ड्राइव थोक बाजार में महज 180 से 200 रुपये के बीच उपलब्ध थी, उसकी कीमत मार्च में बढ़कर 340 से 360 रुपये तक पहुंच गई है। हैरानी की बात यह है कि ज्यादा स्टोरेज वाली पेन ड्राइव के दामों में भी इसी तरह की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। 64त्रक्च क्षमता वाली पेन ड्राइव, जो पहले 395 से 415 रुपये के दायरे में मिल रही थी, अब मार्च में सीधे 580 रुपये के थोक भाव पर बिक रही है।

भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर ने फरवरी में दर्ज की 2.3 प्रतिशत की ग्रोथ, सीमेंट और स्टील की बढ़ी मांग

नई दिल्ली ,22 मार्च । भारत के आठ प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर (कोर सेक्टर) का संयुक्त इंडेक्स फरवरी महीने में सालाना आधार पर 2.3 प्रतिशत बढ़ा है।

शुक्रवार को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, फरवरी के दौरान सीमेंट, स्टील, उर्वरक, कोयला और बिजली उत्पादन में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई।स्टील उत्पादन में पिछले साल की तुलना में 7.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि सीमेंट सेक्टर में 9.3 प्रतिशत की मजबूत ग्रोथ देखने को मिली। इसकी वजह बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में सरकार के बढ़ते निवेश को माना जा रहा है, जिससे इन उत्पादों की मांग बढ़ी है।

कोयला उत्पादन में भी 2.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि बिजली उत्पादन 0.5 प्रतिशत बढ़ा। उर्वरक उत्पादन में 3.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिसका कारण रबी फसलों की बुवाई में बढ़ोतरी और कृषि क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से किसानों की आय में सुधार बताया गया है।

हालांकि, कच्चे तेल (क्रूड ऑयल), प्राकृतिक गैस और पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादन में गिरावट देखी गई। कच्चे तेल के उत्पादन में कमी का कारण ओएनजीसी और ऑयल इंडिया के पुराने तेल क्षेत्रों का परिपक्व होना बताया गया है। वहीं, रिफाइनरी उत्पादन बाजार में मांग और उपलब्धता स्टॉक पर निर्भर करता है।

जनवरी 2026 के लिए आठ कोर उद्योगों की अंतिम ग्रोथ दर 4.7 प्रतिशत रही थी। वहीं, अप्रैल से फरवरी 2025–26 के दौरान कुल वृद्धि दर पिछले वर्ष की इसी अवधि के मुकाबले 2.9 प्रतिशत रही।आठ कोर उद्योगों के इस इंडेक्स में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, स्टील, सीमेंट और बिजली शामिल हैं। इनका औद्योगिक उत्पादन सूचकांक यानी इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल

IPL 2026 से पहले Virat Kohli की RCB को चेतावनी, अब राह और भी मुश्किल होगी

आईपीएल चौंपियन आरसीबी के खिताब बचाव अभियान से पहले, विराट कोहली ने टीम को एक प्रेरणादायक भाषण देते हुए चेतावनी दी है कि इस बार चुनौती और भी कठिन होगी। कोहली ने टीम से प्रशिक्षण के दौरान उच्च मानक बनाए रखने और एक भी मिनट बर्बाद न करने का आग्रह किया है।मौजूदा चौंपियन रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने खिताब का बचाव करने की तैयारी कर रही है। ऐसे में भारतीय बल्लेबाजी के सुपरस्टार विराट कोहली ने अपनी टीम को एक प्रेरक भाषण दिया, जिसमें उन्होंने टीम से सतर्क रहने और प्रशिक्षण के दौरान अपने दिनों को बर्बाद न करने का आग्रह किया, क्योंकि खिताब का बचाव करते समय उनके लिए चीजें और भी कठिन होने वाली हैं।आरसीबी 28 मार्च को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपने खिताब का बचाव शुरू करेगी। नंबर 18 की जर्सी पहने विराट कोहली ने आरसीबी के प्रति वफादार रहते हुए अपने 18वें सीजन में अपना पहला आईपीएल खिताब जीता था। अब उनकी नजर बल्ले से एक और धमाकेदार प्रदर्शन पर होगी जो दर्शकों को खुश रखेगी और आंकड़ों के विश्लेषकों को व्यस्त रखेगी। सीजन के पहले अभ्यास सत्र के दौरान टीम को संबोधित करते हुए विराट ने आरसीबी की प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि पिछले साल हमने जो हासिल किया, उसके लिए हमने पिछले दो–तीन सीजन में कड़ी मेहनत की है, और अब यह और भी कठिन होने वाला है क्योंकि अन्य टीमें हमें कड़ी टक्कर देने वाली हैं।शुरुआत से ही उच्च मानकों को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि हम इन दिनों को व्यर्थ नहीं जाने देंगे। हम आगे रहेंगे। इसलिए अभी से तैयार हो जाइए। हम जिस भी सत्र में भाग लें, उसका एक मिनट भी बर्बाद न करें। हमें इन ढाई महीनों में अपना 120 प्रतिशत देना होगा। फ्लावर ने कहा कि हमारी नीलामी काफी दिलचस्प रही, और सच कहूँ तो मुझे लगता है कि हमने अपनी टीम को और मजबूत किया है। हमने कुछ बेहतरीन नए खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया है।

पाकिस्तान क्रिकेंट का सच! Gary Kirsten बोले- हारते ही आरबीसी को बलि का बकरा बना देते हैं

नई दिल्ली ।पाकिस्तान के पूर्व कोच गैरी कर्स्टन ने टीम के श्विषाक्तश् माहौल और सम्मान की कमी की तीखी आलोचना की है, जिसमें उन्होंने कोचिंग में अभूतपूर्व हस्तक्षेप और खराब प्रदर्शन के लिए कोचिंग स्टाफ को बलि का बकरा बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल किया कि अगर बोर्ड हर बार कोच को ही दोषी ठहराता है, तो फिर कोच की भर्ती क्यों की जाती है।पाकिस्तान के पूर्व श्वेत–गेंद क्रिकेट के मुख्य कोच गैरी कर्स्टन ने हाल ही में टीम से अपने इस्तीफे के बारे में बात की। उन्होंने टीम के भीतर के माहौल को कठिन बताया। उन्होंने कार्य संस्कृति को विषाक्त बताते हुए टीम के भीतर सम्मान और शिष्टाचार की कमी की बात कही। यह दिलचस्प बात है कि गैरी कर्स्टन ने अक्टूबर 2024 में पाकिस्तान के श्वेत–गेंद क्रिकेट के मुख्य कोच पद से इस्तीफा दे दिया, जबकि उनका कार्यकाल शुरू हुए महज छह महीने ही बीते थे और उन्होंने एक भी वनडे मैच नहीं खेला था।टॉकस्पोर्ट क्रिकेट को दिए एक साक्षात्कार में कर्स्टन ने कहा कि जिस बात ने मुझे सबसे ज्यादा चौंकाया, वह थी हस्तक्षेप का स्तर। मुझे नहीं लगता कि मैंने इससे पहले कभी इस स्तर का हस्तक्षेप देखा है। क्या इसने मुझे चौंकाया? मैं नहीं जानता, लेकिन यह काफी महत्वपूर्ण था। इसके अलावा, कर्स्टन ने बताया कि जब भी कुछ गड़बड़ होती थी, कोचिंग स्टाफ को तुरंत बलि का बकरा बना दिया जाता था। उन्होंने बताया कि लगातार बाहरी शोर–शराबे से प्रभावित होकर टीम का मार्गदर्शन करना कितना मुश्किल हो सकता है। उन्होंने बोर्ड से यह भी सवाल किया कि अगर वे हर मोड़ पर कोच को ही दोष देते हैं, तो कोच की भर्ती क्यों करते हैं।कर्स्टन ने कहा कि जब बाहर से लगातार शोर–शराबा होता रहता है, तो कोच के लिए आकर खिलाड़ियों के साथ काम करने का तरीका खोजना बहुत मुश्किल होता है।

तेल की कमी और गिरती अर्थव्यवस्था के बीच गहरे आर्थिक संकट में पाकिस्तान : रिपोर्ट

नई दिल्ली ,22 मार्च । अमेरिका–इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के बाद तेल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी और व्यापार घाटे में उछाल के कारण पाकिस्तान की आर्थिक अस्थिरता एक गंभीर स्तर पर पहुंच गई है। लाहौर स्थित श्फ्राइडे टाइम्सश में प्रकाशित एक लेख के अनुसार, प्रति व्यक्ति आय, आर्थिक विकास दर, घटते निर्यात और कम विदेशी मुद्रा भंडार के संदर्भ में पाकिस्तान गंभीर संकट में है।लेख में कहा गया है कि पाकिस्तान की आर्थिक अस्थिरता उसके 3.1 प्रतिशत के जीडीपी विकास दर और मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) पर 193 देशों में 168वें स्थान पर है। पाकिस्तान की 1,812 डॉलर की प्रति व्यक्ति आय, 28.9 प्रतिशत गरीबी दर, 60 प्रतिशत वयस्क साक्षरता दर, 2.52 करोड़ स्कूल से बाहर बच्चों और 15–24 आयु वर्ग में 12.8 प्रतिशत बेरोजगारी दर है।

ये आंकड़े दक्षिण एशिया में सबसे खराब हैं और यह दर्शाते हैं कि शासक वर्ग आर्थिक अस्थिरता ो कम करने में विफल रहा है। पाकिस्तान का व्यापार घाटा 10 अरब डॉलर से अधिक है, निर्यात घट रहे हैं और विदेशी मुद्रा भंडार भी संतोषजनक नहीं है, जिसमें स्टेट बैंक के पास केवल 16.5 अरब डॉलर हैं।फारस की खाड़ी और पश्चिम एशिया में युद्ध के बाद इसके प्रभाव पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर गंभीर हैं। तेल की कीमत में 55 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि और गैस की कीमत में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी से महंगाई और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में और वृद्धि होगी। बिजली और परिवहन की लागत बढ़ने से पाकिस्तान की 250 मिलियन आबादी की मुश्किलें और बढ़ेंगी।लेख में यह भी कहा गया है कि जब कोई देश आर्थिक रूप से कमजोर हो और अपने लगभग 80 वर्षों के अस्तित्व में आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ाने में असफल रहा हो, तो इसका मतलब है कि वह अपने लोगों के जीवन स्तर को सुधारने में विफल रहा है। इसमें स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल, बेहतर आवास, बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता शामिल है।संघीय बजट का बड़ा हिस्सा बाहरी कर्ज चुकाने या रक्षा खर्चों में चला जाता है। केवल लगभग 20 प्रतिशत राशि

मिडिल ईस्ट संकट के बीच भारत का रुख अमेरिका की ओर, एलपीजी आपूर्ति में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली ,22 मार्च । मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के चलते वैश्विक आपूर्ति बाधित होने के बीच भारत अब एलपीजी (रसोई गैस) की आपूर्ति के लिए अमेरिका की ओर तेजी से रुख कर रहा है। एक नई रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है।

एस एंड पी ग्लोबल की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के लिए अमेरिका से एलपीजी की आपूर्ति बढ़कर पारंपरिक खाड़ी देशों से आने वाली मात्रा को पार कर गई है।रिपोर्ट में बताया गया कि 19 मार्च 2026 को समाप्त सप्ताह में भारत का कुल साप्ताहिक एलपीजी आयात घटकर 2.65 लाख मीट्रिक टन रह गया, जो 5 मार्च को समाप्त सप्ताह में 3.22 लाख मीट्रिक टन था।रिपोर्ट के मुताबिक, रसोई गैस की उपलब्धता को लेकर चिंताओं के बीच भारत अपने एलपीजी आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाने की दिशा में तेजी से कदम उठा रहा है, जिसमें अमेरिका से आयात भी शामिल है।युद्ध से पहले भारत की कुल एलपीजी खपत का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से आता था। हालांकि, 19 मार्च तक के सप्ताह में मध्य पूर्व से आयात घटकर केवल 89,000 मीट्रिक टन रह गया, जो कुल आयात का 34 प्रतिशत है, यह जनवरी के बाद सबसे कम स्तर है।

वहीं, वैकल्पिक स्रोतों से आपूर्ति बढ़कर 1.76 लाख मीट्रिक टन पहुंच गई, जबकि इससे पहले वाले सप्ताह में मध्य पूर्व से ही 100 प्रतिशत आयात हो रहा था।हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर एलपीजी की कमी को लेकर लंबी कतारों और देरी की खबरें सामने आईं, जिससे लोगों में चिंता बढ़ी। हालांकि, एक स्वतंत्र विश्लेषण के अनुसार भारत की ऊर्जा व्यवस्था अब पहले से ज्यादा मजबूत और लचीली हो चुकी है, जो बाहरी झटकों को संभालने में सक्षम है।सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं के लिए गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तेल विपणन कंपनियों को निर्देश दिए हैं कि वे निर्बाध आपूर्ति बनाए रखें। वहीं, होटल और रेस्टोरेंट जैसे व्यावसायिक क्षेत्रों में अस्थायी रूप से आपूर्ति प्रबंधन किया गया।इसके अलावा, बाजार में घबराहट से बचने के लिए नियामक उपाय भी लागू किए गए।ऑपरेशन संकल्प के तहत भारतीय नौसेना ने संवेदनशील समुद्री क्षेत्रों में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की।

Riyan Parag की युवा स्टार वैभव को चेतावनी

आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) का 19वां संस्करण 28 मार्च से शुरू होने वाला है, और टूर्नामेंट से पहले, कई प्रशंसक 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के प्रदर्शन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस युवा सुपरस्टार ने 2025 में आईपीएल में धूम मचा दी थी, जब उन्होंने टूर्नामेंट में शतक बनाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी का रिकॉर्ड बनाया था। हालांकि, भारत अंडर–19 के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए, वैभव एक बार फिर आईपीएल 2026 के लिए राजस्थान रॉयल्स की टीम में शामिल हो गए हैं, और इस बार उन पर काफी उम्मीदों का बोझ है।इसी संदर्भ में, रॉयल रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने आगे आकर वैभव को सोशल मीडिया से दूर रहने की सलाह दी। साथ ही, उन्होंने मीडियाकर्मियों से भी अनुरोध किया कि वे इस युवा खिलाड़ी को अकेला छोड़ दें और उसे क्रिकेट का आनंद लेने दें। पराग ने कहा कि कप्तान के तौर पर मेरा उसे यही संदेश होगा कि वह ज्यादा प्रेस कॉन्फ्रेंस न करे और मीडिया के चक्कर न लगाए। ।

सपना को बदमाशों के बीच करना पड़ा था कार्यक्रम

हरियाणवी म्यूजिक इंडस्ट्री की शान और स्टार सपना चौधरी इन दिनों रियेलिटी शो द 50 को लेकर सुर्खियों में हैं। सपना चौधरी ने भी इस शो में बतौर कंटेस्टेंट एंट्री ली है। शो के दौरान वह को–कंटेस्टेंट्स से कई बार अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी बात करती नजर आ चुकी हैं। अब हाल ही में उन्होंने अपनी जिंदगी से जुड़े कुछ चौंकाने वाले खुलासे किए। सपना ने बताया कि उनके खिलाफ 35 मुकदमे दर्ज हैं और इनमें से ज्यादातर मुकदमें उन इवेंट्स से जुड़े हैं जहां वह परफॉर्म करने गई थीं और उनकी परफॉर्मेंस के दौरान अफरा–तफरी मच गई। सपना ने बताया कि बिग बॉस में हिस्सा लेने के बाद उनकी जिंदगी में काफी पॉजिटिव बदलाव आए हैं।

सपना चौधरी बताती हैं कि बिग बॉस में एंट्री से पहले तक उनके शोज में अराजकता आम बात थी। अक्सर लोग एक–दूसरे से भिड़ जाते थे और तोड़–फोड़ करने लगते थे जिसके चलते उन्हें एक समय पर बैन कर दिया गया। खासतौर पर बागपत, मेरठ और बाड़ोत के इलाकों में उनके नाम से इवेंट्स की इजाजत नहीं मिलती। सपना चौधरी ने इस दौरान एक बेहद डरावना किस्सा भी बताया। ये घटना उनके करियर के शुरुआती दिनों की है। घर की आर्थिक हालत अच्छी नहीं थी, जिसके चलते वह और उनकी मां हर वक्त इस कोशिश में रहती थीं कि कोई परफॉर्मेंस का ऑफर मिल जाए। इसी दौरान एक दिन देर रात उन्हें एक फोन आया और परफॉर्मेंस का ऑफर मिला, उन्होंने बिना देरी किए हां कर दी। शाम को जब सपना लोकेशन पर पहुंचीं तो वहां 25–26 टेबल सजी थीं और हर टेबल पर खुले हथियार पड़े थे। वहां बहुत ही भयानक माहौल था और सपना भी काफी डर गई थीं। वहां करीब 50–55 लोगों के सामने उन्हें परफॉर्म करना था।सपना ने बताया कि पहले तो उन्होंने सोलो परफॉर्मेंस दी और फिर डुएट शुरू किया। इसी दौरान एक शख्स स्टेज पर आया, पहले उनके कान में कुछ फुसफुसाया और चला गया लेकिन, शोर के चलते वह कुछ समझ नहीं पाईं। इसके बाद उनकी मां ने वहां से जाने की गुजारिश की, लेकिन जवाब मिला कि हमने पैसे दिए हैं, डांस अभी बाकी है। पहले डांस करो, फिर जाओ। जैसे ही सपना स्टेज पर वापस गईं, वो शख्स पीछे से अचानक आया और उन्हें किस करके भाग गया। परेशान होकर सपना ने परफॉर्मेंस रोक दी और बैकस्टेज जाकर बैठ गईं।

हीरोपंती से डेब्यू किया था टाइगर श्रॉप ने

बॉलीवुड में एक्शन स्टार के तौर पर अपनी पहचान बना चुके टाइगर श्रॉफ न 2 मार्च को 36वां जन्मदिन मनाया। अब तक कई सुपरहिट फिल्में दे चुके टाइगर ने 2014 में अपने करियर की शुरुआत की थी। टाइगर के पिता जैकी श्रॉफ भी अपने समय के सुपरस्टार रहे हैं और आज भी अपनी एक्टिंग का चार्म बिखेरते रहते हैं। टाइगर ने भी एक्शन की दुनिया में खास पहचान बनाई है और आज ऋतिक रोशन को टक्कर देते हैं। टाइगर श्रॉफ ने साल 2014 में अपने करियर की शुरुआत की थी और फिल्म हीरोपंती से डेब्यू किया था। इस फिल्म में टाइगर ने दमदार एक्शन और बेहतरीन डांस मूव्स दिखाए थे। इस फिल्म में टाइगर के साथ कृति सैनन ने लीड हीरोइन के तौर पर काम किया था। ये फिल्म सुपरहिट रही थी और लोगों ने टाइगर को हीरो बना दिया। इसके बाद टाइगर ने हमेशा से ही अपनी फिजिक्स, एक्टिंग और डांस पर ही काम किया। 11 साल के करियर में कभी भी विवादों में नहीं फंसे और सीधे अपने काम से काम रखा। खास बात ये है कि टाइगर ज्यादा फिल्मी पार्टियों में भी नजर नहीं आते। कम ही जगह टाइगर को देखने को मिलता है। टाइगर उन चंद हीरोज में गिने जाते हैं कि जिनकी फिल्मों के 2 से 3 सीक्वल्स हिट रहे हैं। टाइगर ने अपनी डेब्यू हीरोपंति के बाद बागी फिल्म में काम किया था। 2016 में रिलीज हुई ये फिल्म लोगों को पसंद आई थी और इसमें टाइगर की जोड़ी श्रद्धा कपूर के साथ बनी थी। बागी फिल्म इतनी हिट रही कि इसके सीक्वल बनाए गए और अब तक 2 सीक्वल रिलीज हो चुके हैं। ये दोनों ही सीक्वल बॉक्स ऑफिस पर भी हिट रहे हैं। टाइगर अब जल्द ही लग जा गले, स्क्रू ढीला जैसी फिल्मों में नजर आने वाले हैं। इससे पहले टाइगर की फिल्म बागी 4 बीते दिनों सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। (हिफी)

किसक से जारी हुआ पहला गाना तबाही, यश के साथ यूं दिखीं कियारा आडवाणी

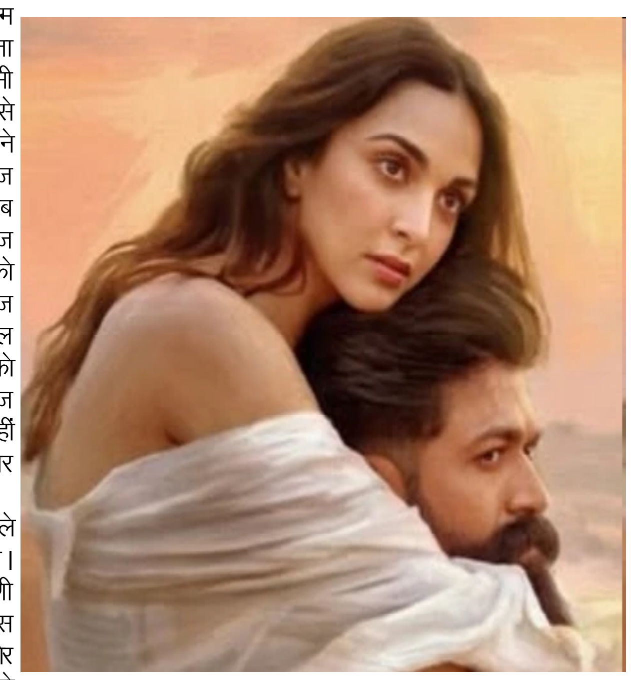

अभिनेता यश की आगामी फिल्म टॉक्सिक का जबर्दस्त क्रेज देखा जा रहा है। बॉक्स ऑफिस पर यह इसी महीने रिलीज होने वाली है। इससे पहले होली के अवसर पर मेकर्स ने फिल्म का पहला गाना तबाही रिलीज कर दिया है।फिल्म टॉक्सिक का जब से एलान हुआ है, तभी से इसका क्रेज भी जबर्दस्त है। इसकी रिलीज को लेकर फैंस के बीच उत्साह है। आज मेकर्स ने फिल्म का पहला सिंगल रिलीज किया है। मगर, तबाही गाने को सिर्फ ऑडियो ट्रैक के तौर पर रिलीज किया गया है। इसका कोई वीडियो नहीं है। इसे लेकर नेटिजन्स नाराज नजर आ रहे हैं।

पिछले महीने ही मेकर्स ने पहले सिंगल का पोस्टर रिलीज किया था। पोस्टर में यश और कियारा आडवाणी समुद्र के किनारे एक–दूसरे के पास खड़े दिख रहे थे। विजुअल में पैशन और इंटेंसिटी का हिंट था, जिससे फैंस को फिल्म के टोन की एक झलक मिली। मगर, अब जब गाना रिलीज किया है, तो इसे सिर्फ बतौर ऑडियो लाया गया है। नेटिजन्स लिख रहे हैं, 02 मार्च को पहली अप्रैल वाली फीलिंग आ रही है। वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, वीडियो के लिए कृपया वोट करें।इस गाने को देशभर के ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए इसे कई भाषाओं में लॉन्च किया गया है। कंपोजर विशाल मिश्रा ने इसका म्यूजिक बनाया है, जबकि हर भाषा के लिए लिरिक्स अलग–अलग लिखे गए हैं। राज शेखर ने हिंदी लिरिक्स लिखे हैं। वहीं, योगराज भट ने कन्नड़ भाषा में गाने के लिरिक्स लिखे। रामजोगय्या शास्त्री ने तेलुगु लिरिक्स लिखे। विग्नेश शिवन ने तमिल लिरिक्स लिखे हैं और रफीक अहमद ने मलयालम लिरिक्स लिखे। बता दें कि टॉक्सिक के अब तक दो टीजर रिलीज हो चुके हैं। पहले टीजर में एक डार्क और वायलेंट दुनिया दिखाई गई थी। वहीं, दूसरे टीजर में यश ने बिना दाढ़ी वाले लुक में फैंस को सरप्राइज कर दिया। फिल्म का ट्रेलर 8 मार्च, 2026 को रिलीज होने की उम्मीद है। बता दें कि यह फिल्म 19 मार्च को रिलीज होगी। बॉक्स ऑफिस पर यह रणवीर सिंह की धुरंधर 2 से टकराएगी।

दुबई में पूरी तरह सुरक्षित हैं सोनल चौहान

अमेरिका–इजरायल ने 28 फरवरी को ईरान पर मिसाइल से हमला किया, जिसके बाद ईरान ने भी जवाबी हमले शुरू किए। ईरान ने जवाबी हमले में इजरायल और अमेरिका के सैन्य अड्डों पर मिसाइल दागी। इन हमलों का असर पूरे मिडिल–ईस्ट में देखा जा रहा है। दुबई पर भी इन हमलों का पूरा असर देखने को मिल रहा है। दुबई में फिलहाल सभी उड़ानें कैंसिल कर दी गई हैं, जिससे कई भारतीय भी दुबई में ही फंसे हैं और बॉलीवुड अभिनेत्री सोनल चौहान भी दुबई में ही फंसी हुई हैं। एक्ट्रेस ने एक पोस्ट शेयर करते हुए पीएम मोदी से मदद की गुहार लगाई थी और अब उन्होंने एक पोस्ट शेयर करते हुए दुबई के मौजूदा हालातों की जानकारी दी है।सोनल चौहान ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपने फैंस और शुभचिंतकों को आश्वस्त किया कि वह दुबई में पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन्होंने इस पोस्ट के जरिए बताया कि स्थानीय अधिकारी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं और स्थिति नियंत्रण में है। इसी के साथ सोनल ने लोगों से दहशत और किसी भी तरह का भ्रामक कंटेंट न फैलाने का भी आग्रह किया है।

सोनल चौहान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किए पोस्ट में लिखा– मुझे मैसेज करने और मेरा हालचाल पूछने वाले सभी लोगों को धन्यवाद। जवाब न दे पाने के लिए मुझे खेद है। आपकी चिंता मेरे लिए बहुत मायने रखती है। मैं सुरक्षित हूं और आपको विश्वास दिलाती हूं कि अधिकारी सभी की सुरक्षा के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। घबराने की कोई बात नहीं है। यकीनन, दुबई दुनिया का सबसे सुरक्षित स्थान है। दुबई के डिफेंसकर्मी सभी की सुरक्षा और हिफाजत के लिए तैनात हैं। स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और मैं सभी से अनुरोध करती हूं कि दहशत न फैलाएं। इससे पहले सोनल चौहान

दृश्यम 3 की शूटिंग के दौरान शिवालिका ओबेरॉय ने प्रेग्नेंसी का एक्सपीरिएंस किया शेयर, अभिषेक पाठक के साथ को-प्रोडक्शन कहा

शिवालिका ओबेरॉय ने अपनी प्रेग्नेंसी को अभिषेक पाठक के साथ को–प्रोडक्शन बताया है। एक्ट्रेस ने आगे बताया कि उनके फिल्ममेकर पति अजय देवगन स्टारर दृश्यम के तीसरे पार्ट में बिजी हैं, जबकि वह मदरहुड की तैयारी पर फोकस कर रही हैं।

शिवालिका ने इंस्टाग्राम पर अपने पति अभिषेक के साथ हाल ही में हुए मैटरनिटी शूट की कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इसे जॉइंट वेंचर बताते हुए एक्ट्रेस ने मजाक में कहा कि दोनों के बीच डील हो गई थी।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, इसे को–प्रोडक्शन कहो। वह थ्रिलर बनाने में बिजी हैं। मैं एक इंसान बनाने में बिजी हूँ। डील हो गई थी।

क्योंकि अभिषेक प्रेग्नेंसी के दौरान दृश्यम 3 की शूटिंग कर रहे हैं, शिवालिका ने पक्का किया कि वे इस सफर को जितनी चाहें उतनी मैटरनिटी फोटो के साथ डॉक्यूमेंट करें।

एक्ट्रेस ने कहा, वह प्रेग्नेंसी के दौरान दृश्यम 3 की शूटिंग करते हैं हम जितनी चाहें उतनी मातृत्व फोटो शूट करते हैं। दोनों प्रोडक्शन सक्सेसफुली चल रहे हैं!

शिवालिका और अभिषेक पहली बार 2020 में विद्युत जामवाल की फिल्म खुदा हाफिज में काम करते हुए मिले थे। यह कहानी समीर नाम के एक लड़के की है, जो अपनी पत्नी नरगिस के साथ खुशियों भरी जिंदगी जी रहा है। लेकिन, जब नरगिस को ह्यूमन ट्रैफिकर्स किडनैप कर लेते हैं, तो उसे उसे बचाना पड़ता है।

दोनों ने जुलाई 2022 में एक–दूसरे को अंगूठी पहनाई और आखिरकार फरवरी 2023 में शादी कर ली।

शिवालिका ने 2019 में रिलीज हुई ये साली आशिकी से एक्टिंग में डेब्यू किया और बाद में 2020 में खुदा हाफिजघ से मशहूर हुईं। उन्हें आखिरी बार 2022 में खुदा हाफिजघ्रू चौप्टर 2 दृ अग्नि परीक्षा में देखा गया था, जहाँ उन्होंने और विद्युत दोनों ने ओरिजिनल ड्रामा से अपने किरदार नरगिस और समीर को दोहराया था।दूसरी ओर, अभिषेक ने दृश्यम 2 डायरेक्ट की, जिसमें अजय देवगन, श्रिया सरन, तब्बू और अक्षय खन्ना थे। उन्होंने उड़ता चमन भी डायरेक्ट की है। अभिषेक ने प्यार का पंचनामा, प्यार का पंचनामा 2, सेक्शन 375 और खुदा हाफिजघ जैसी फिल्में भी प्रोड्यूस की हैं।दृश्यम 3 की बात करें तो, आने वाली फिल्म के मेकर्स ने दिसंबर में गोवा शेड्यूल शुरू कर दिया था। एक्टर जयदीप अहलावत भी इस फ्रेंचाइजी में शामिल हो गए हैं।दृश्यम एक ऐसे परिवार की दिलचस्प कहानी है जो एक चौंकाने वाले गायब होने के साये में फंसा हुआ है, एक पुलिसवाली का बेटा लापता हो जाता है,।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।